E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 09 | अंक : 166 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 6 जनवरी, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

प्रो. मुखी ने रखी नए राजभवन की आधारशिला पेज 3
मप्र के जबलपुर में भी हुआ दिल्लीगैस हादसा, ट्रक ने मेडिकल छात्रा को ... पेज 4
उप्र के निपुण विद्यार्थियों को सम्मानित करेगी योगी सरकार पेज 5
राजतिलक की तैयारी है, पर जंग अभी भी जारी पेज 8

शर्मा হাৰ্ডৱেৰ
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

अयोध्या में राम मंदिर 1 जनवरी 2024 को तैयार : अमित शाह

अगरतला। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अयोध्या में तैयार हो रहे राम मंदिर को लेकर बड़ा एलान किया है। उन्होंने कहा कि 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर तैयार मिलेगा। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जब से देश आजाद हुआ, तब से कांग्रेसी इसको कार्ट में उलझा रहे थे। मोदी जी आए एक दिन सुबह सुप्रीम कोर्ट का फैसला आया और मोदी जी ने उसी दिन राम मंदिर का भूमि पूजन पूरा कर मंदिर निर्माण शुरू कराया। 1 जनवरी 2024 को अयोध्या में राम मंदिर तैयार मिलेगा। गौरतलब है कि राम मंदिर के लिए कानूनी लड़ाई 135 सालों से ज्यादा लंबी चली है। 15वीं सदी से चली आ रही इस लड़ाई पर साल 2019 में सुप्रीम कोर्ट ने विराम लगा दिया था। सुप्रीम

कोर्ट ने इस मामले में विवादित जमीन पर राममंदिर का निर्माण करने की अनुमति देते हुए मुस्लिम पक्ष को दूसरी जगह जमीन देने का आदेश दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक एक ट्रस्ट बनाकर भव्य राम मंदिर का निर्माण किया जा रहा है। पांच अगस्त 2020 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर निर्माण के लिए भूमि पूजन किया था। राममंदिर स्थापत्य कला के लिए भी नजीर होगा। 70 एकड़ के रामजन्मभूमि परिसर में संपूर्ण भारत को संजोने की योजना है। यहां हो रहे निर्माण कार्य में भारतीय संस्कृति के नायाब कला की झलक दिखेगी। राममंदिर जिन 400 स्तंभों पर टिका होगा उनमें देवी-देवताओं के चित्र उकेरे जाएंगे तो आठ एकड़ में बनने वाले परकोटे में रामकथा के 100 प्रसंगों का चित्रांकन किया जाएगा। राममंदिर न सिर्फ तकनीक, बल्कि भव्यता में भी दुनिया के चुनिंदा मंदिरों में शामिल होगा। तीन मंजिला राममंदिर 400 स्तंभों -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस देश से और कम्युनिस्ट दुनिया में समाप्त : शाह

धर्मनगर(त्रिपुरा)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुरुवार को त्रिपुरा के धर्मनगर में एक जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने विरोधी दलों को आड़े हाथ लिया। शाह ने कहा कि कम्युनिस्ट सरकार त्रिपुरा के कर्मचारियों को 5वें वेतन आयोग में समेटकर बैठी थी और बिप्लब भाई ने उनको 7वां वेतन आयोग दिया। कांग्रेस देश में समाप्त हो गई है और कम्युनिस्ट दुनिया में समाप्त हो गई है। शाह ने आगे कहा कि 2018 का चुनाव त्रिपुरा को कम्युनिस्टों के कुशासन से मुक्त कराने का चुनाव था। लगभग 3 दशक तक कम्युनिस्टों ने यहां शासन किया, लेकिन त्रिपुरा की समस्याओं का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि आपका प्यार बताता है कि अगली सरकार भाजपा की बनने वाली है। लगभग 3 दशक तक कम्युनिस्टों ने यहां शासन किया, लेकिन त्रिपुरा की समस्याओं का समाधान नहीं किया। -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय गृहमंत्री के विमान की इमरजेंसी लैंडिंग

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जन विश्वास यात्रा में हिस्सा लेने के लिए गुवाहाटी से त्रिपुरा की राजधानी अगरतला के लिए गुरुवार सुबह करीब 11 बजे रवाना हो गए। बीती रात दिल्ली से त्रिपुरा जा रहे केंद्रीय गृहमंत्री के विमान की घने कोहरे की वजह से गुवाहाटी के गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग कराई गई थी। दिल्ली से त्रिपुरा जा रहे केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह त्रिपुरा में जन विश्वास यात्रा में हिस्सा लेने के लिए बीती रात दिल्ली से त्रिपुरा की राजधानी अगरतला जा रहे थे। -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

1777 करोड़ रुपए की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का भूमि पूजन

सभी सात परियोजनाओं को समय पर पूरा करेंगे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। असम सरकार की *बिकाखोर बाबे एदिन* (विकास के लिए एक दिन) पहल के हिस्से के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कुल सात विकासपरक परियोजनाओं के शिलान्यास और भूमिपूजन समारोह में भाग लिया। कामरूप (मेट्रो) जिला में विभिन्न स्थानों पर लोक निर्माण (भवन और राष्ट्रीय राजमार्ग) विभाग के तहत सात बुनियादी ढांचा विकास परियोजनाएं शामिल हैं। लगभग 1,777 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत से शुरू की जा रही सात परियोजनाएं, 41.32 करोड़ रुपए की लागत से खारघुली में नया राजभवन, 44.26 करोड़ रुपए की लागत से 800 बैठने की क्षमता वाला एक सभागार, 544.44 करोड़ की लागत से पान बाजार में एक पुलिस रिजर्व, 58.86 करोड़ की लागत से रूपनगर में एकीकृत उपायुक्त कार्यालय, 185 करोड़ की लागत से खानापाड़ा में 5,000 लोगों के बैठने की क्षमता का सभागार, 95 करोड़ की लागत खानापाड़ा में पुलिस आयुक्तालय भवन और 808 करोड़ रुपए की लागत से बेतकुची में एकीकृत निदेशालय परिसर शामिल हैं। राजभवन का निर्माण 18 महीने की निर्धारित समय-सीमा के भीतर पूरा किया जाएगा, जबकि

बाकी परियोजनाओं के लिए 24 से 30 महीने की समय सीमा निर्धारित किया गया है। परियोजना स्थलों पर मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, मुख्यमंत्री ने कहा कि आज गुवाहाटी के निवासियों के लिए एक ऐतिहासिक दिन है, क्योंकि उपरोक्त सात बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में यह सुनिश्चित करने की क्षमता थी कि पूर्वोत्तर का सबसे बड़ा शहर कुछ ही दिनों में दक्षिण पूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बन जाए। उन्होंने कहा कि आज जिन सात परियोजनाओं का शिलान्यास किया गया, वे गुवाहाटी को अर्थव्यवस्था, उद्योग, सांस्कृतिक मामलों और पर्यटन के क्षेत्र में सभी महत्वपूर्ण गतिविधियों के केंद्र में बदलने के लिए सरकार के लक्ष्यों और महत्वाकांक्षाओं को साकार करने में उत्प्रेरक के रूप में काम करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि नया राजभवन, एक बार पूरा हो जाने के बाद पूरे देश में सबसे शानदार राज्यपाल के निवास के रूप में खड़ा हो जाएगा और असम सरकार अनुबंध समझौते के अनुसार, परियोजना को 18 महीने की समय-सीमा के भीतर पूरा करना सुनिश्चित करेगी। पानबाजार में एक पुनर्विकसित गुवाहाटी पुलिस रिजर्व कॉम्प्लेक्स और पुलिस आयुक्त के लिए एक नया कार्यालय भवन शहर में अपने आधिकारिक दायित्वों और कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक और प्रभावी ढंग से पूरा करने में पुलिस विभाग के लिए काफी मददगार साबित होगा। उन्होंने कहा कि लगातार बढ़ती आबादी वाले गुवाहाटी जैसे शहर में कानून और व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, नए जमाने के तकनीकी अपराध आदि के रखरखाव में कई चुनौतियां हैं, मुख्यमंत्री ने पुनर्विकसित पुलिस रिजर्व और पुलिस आयुक्तालय कार्यालय पर भरोसा जताया। अपने इच्छित उद्देश्यों की पूर्ति करेगा और गुवाहाटी के लिए एक अनुकूल छवि बनाने में मदद करेगा। रूपनगर और बेतकुची में क्रमशः एकीकृत उपायुक्त कार्यालय और एकीकृत निदेशालय -शेष पृष्ठ दो पर

पूर्वोत्तर विकास के लिए 12,882 करोड़ रुपए की केंद्र से मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 15वें वित्त आयोग की शेष अवधि (साल 2022-23 से 2025-26 तक) के लिए 12882.2 करोड़ रुपए के परिव्यय के साथ पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय(डोनियर) की योजनाओं को जारी रखने

की मंजूरी दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास के लिए 12882 करोड़ रुपए की मंजूरी दी। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास -शेष पृष्ठ दो पर

वाई20 के लांच की तैयारी अनुराग ठाकुर ने की समीक्षा

गुवाहाटी (हि.स.)। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा मामले व खेल मंत्री अनुराग ठाकुर वाई20 की शुरुआत की तैयारियों की समीक्षा के लिए गुरुवार को गुवाहाटी में पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्री ठाकुर ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), गुवाहाटी में वाई-20 की तैयारियों पर समीक्षा बैठक की। केंद्रीय मंत्री ने श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में वाई-20 के दूसरे कार्यक्रम स्थल का भी दौरा किया। -शेष पृष्ठ दो पर

Door graphy
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दूध के लिए हथिनी पालने की जरूरत नहीं होती अर्थात आवश्यकता के अनुसार साधन जुटाने चाहिए।

\- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

हल्द्वानी में बुलडोजर नहीं चलेगा : एससी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तराखंड के हल्द्वानी में रेलवे के दावे वाली 29 एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड हाई कोर्ट के आदेश पर गुरुवार को रोक लगा दी। इसी के साथ सर्दी के मौसम में अपना आशियाना ढहाए जाने की आशंका में परेशान हो रहे लोगों को बड़ी राहत भी मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट ने इसे मानवीय मुद्दा बताते हुए कहा कि 50 हजार लोगों को रातोंरात नहीं हटाया जा सकता है। देश में हल्द्वानी के साथ-साथ और भी कई हिस्सों में रेलवे की जमीन पर -शेष पृष्ठ दो पर

पंजाब, दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत में भूकंप

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत में एक बार फिर धरती कांप उठी। दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के तेज झटके लगे हैं। इसके अलावा, पंजाब जम्मू-कश्मीर में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र पाकिस्तान का लाहौर बताया जा रहा है। भूकंप की रिक्टर स्केल पर तीव्रता 5.8 मापी गई है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान में भी भूकंप के झटके महसूस किए गए हैं। इससे पहले 1 जनवरी को दिल्ली-एनसीआर में भूकंप के झटके महसूस किए गए थे।

मिजोरम में 17 बांग्लादेशी शरणार्थियों का प्रवेश

एजल (हि.स.)। बांग्लादेश से 17 और शरणार्थी पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य मिजोरम में प्रवेश कर गए हैं। बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाकों के पहाड़ी समुदाय में मिजो कुकी-चिन समुदाय को परवर कम्युनिटी हॉल में रखा गया है। स्थानीय लोग उन्हें भोजन और अन्य जरूरतों के सामान की आपूर्ति कर रहे हैं। विस्थापित कुकी-चिन समुदाय बांग्लादेश छोड़कर शरण लेने के लिए पूर्वोत्तर के मिजोरम आ गए हैं। इस बीच, मिजोरम -शेष पृष्ठ दो पर

सम्मेद शिखर पर नहीं होगी इको टूरिज्म एक्टिविटी : केंद्र

नई दिल्ली। झारखंड के पारसनाथ स्थित जैन तीर्थ स्थल सम्मेद शिखर पर पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगा दी गई है। केंद्र सरकार ने गुरुवार को तीन साल पहले जारी अपना आदेश वापस ले लिया। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की ओर से गुरुवार को जारी नोटिफिकेशन में सभी पर्यटन और इको टूरिज्म एक्टिविटी पर रोक लगाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार ने एक निगरानी समिति भी

बनाई है। यह समिति इको सेंसिटिव जोन की निगरानी करेगी। केंद्र सरकार ने राज्य को निर्देश दिया है कि इस समिति में जैन समुदाय के दो और स्थानीय जनजातीय समुदाय के एक सदस्य को स्थायी रूप से शामिल किया जाए। दरअसल, केंद्र सरकार ने 2019 के नोटिफिकेशन में पारसनाथ पर्वत क्षेत्र के प्राकृतिक और पर्यावरण क्षेत्र को सुरक्षित रखने के लिए इको सेंसेटिव जोन घोषित किया था। नए नोटिफिकेशन में केंद्र ने अपने पुराने निर्देशों में संसोधन करते हुए समिति बनाई है। कुल मिलाकर सम्मेद शिखर को पर्यटन क्षेत्र से बाहर करने का फैसला अब झारखंड सरकार को लेना है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने गुरुवार को दिल्ली में जैन समाज के प्रतिनिधियों के साथ मीटिंग की। इसके बाद यादव ने कहा कि जैन समाज को आश्वासन दिया गया है कि पीएम नरेंद्र मोदी जी की सरकार सम्मेद शिखर सहित जैन समाज के सभी धार्मिक स्थलों पर उनके अधिकारों की रक्षा और संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। 2019 में केंद्र सरकार ने सम्मेद शिखर को इको सेंसिटिव जोन -शेष पृष्ठ दो पर

विदेशी विवि अब देश में कहीं भी खोल सकेंगे अपना कैंपस : यूजीसी

नई दिल्ली। उच्च शिक्षा के लिए भारतीय छात्रों का अमेरिका, ब्रिटेन सहित दुनिया के दूसरे देशों की ओर तेजी से हो रहे पलायन को थामने और देश को विश्वस्तरीय शिक्षा का एक बड़ा हब बनाने की दिशा में केंद्र ने अहम कदम उठाया है। जिसके तहत दुनिया के शीर्ष विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थान अब देश में कहीं भी अपने कैंपस खोल सकेंगे। हालांकि इसके लिए इन सभी उच्च शिक्षण संस्थानों को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से अनुमति लेनी होगी। जो शुरूआत में दस साल के लिए मिलेगी। प्रदर्शन के आधार पर अनुमति आगे भी जारी रखने का फैसला लिया जाएगा। इस बीच यूजीसी इन संस्थानों की गुणवत्ता, काम-

काज और गतिविधियों पर पैनी नजर रखेगी। किसी भी गड़बड़ी पर भारी जुर्माना सहित अनुमति भी वापस ली जा सकेगी। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति की सिफारिश के बाद यूजीसी ने इस दिशा में अहम कदम उठाया है। साथ ही इससे जुड़ा मसौदा भी गुरुवार को जारी कर दिया है। मसौदे के पहलुओं की जानकारी देते हुए यूजीसी चेयरमैन एम. जगदीश कुमार ने बताया कि यह कदम जिन अहम विषयों को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई है, उसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत गुणवत्तापूर्ण और विश्वस्तरीय उच्च शिक्षा मुहैया कराने के लिए देश में ही विदेशी विश्वविद्यालयों के कैंपस खोलने की सिफारिश सहित उच्च शिक्षा के लिए छात्रों के हर साल होने वाला पलायन है। उन्होंने बताया कि चालू शैक्षणिक सत्र में ही करीब साढ़े चार लाख छात्र उच्च शिक्षा के लिए दुनिया के दूसरे देशों में गए है। जिनकी पढ़ाई पर अनुमान के मुताबिक 28-30 बिलियन डालर खर्च हो जाता है। जो आम या मध्यमवर्गीय भारतीय बच्चों के लिए काफी महंगी पढ़ाई है। ऐसे में इस पहल से अब देश में ही रहकर पढ़ सकेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

अनुच्छेद 370 : भारत ने पाक को लताड़ा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर भारत का अभिन्न अंग है। विदेश मंत्रालय (एमईए) के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को एक बार फिर से यह बात दोहराई। दरअसल पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के मंत्री बिलावल भुट्टो ने जम्मू-कश्मीर को लेकर टिप्पणी की थी। जिसके बाद भारतीय विदेश मंत्रालय का यह

बयान सामने आया। अरिंदम बागची ने कहा कि हमने दोहराया है कि जम्मू-कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है। अनुच्छेद 370 पूरी तरह से भारत के साथ-साथ हमारे संविधान का मामला है और यह एक -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

पाक ने चीन से मांगी भारत की खुफिया जानकारी

नई दिल्ली (हि.स.)। पाकिस्तान ने भारतीय वायु सेना के सीमावर्ती ठिकानों की खुफिया जानकारी और उनकी सैटेलाइट तस्वीरें हासिल करने के लिए चीन से सहयोग मांगा है। चीन से 22 भारतीय ठिकानों की विस्तृत उपग्रह तस्वीरें मांगी गई हैं, जिनमें से छह वायु सेना के एयरबेस हैं। यह मांग भौतिकी में एकमात्र पाकिस्तानी नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. अब्दुस सलाम से जुड़े अंतरिक्ष और ऊपरी वायुमंडल अनुसंधान आयोग के माध्यम से की गई है। दरअसल, पाकिस्तान जानना चाहता है कि भारतीय वायु सेना सीमावर्ती क्षेत्रों में क्या गतिविधियां कर रही है, इसलिए चीन से भारतीय वायु सेना के कम से कम छह सीमावर्ती ठिकानों की विस्तृत उपग्रह तस्वीरें मांगी गई हैं। पाकिस्तान ने खुफिया जानकारी के लिए चीन से कुल 22 ठिकानों के बारे में जानकारी मांगी है। पाकिस्तान ने यह जानकारियां अपने स्पेस एंड अपर एटमॉस्फियर रिसर्च कमीशन (एसयूपीएआरसीओ) के जरिये चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) से मांगी हैं। इस आयोग के संस्थापक भौतिकी में एकमात्र पाकिस्तानी नोबेल पुरस्कार विजेता डॉ. अब्दुस सलाम हैं। पाकिस्तान और चीन के इन दोनों संस्थाओं के बीच एक-दूसरे से जानकारियां साझा करने के लिए दस साल का समझौता है। दोनों संस्थाओं के बीच 2021 में हस्ताक्षरित अंतरिक्ष सहयोग रूपरेखा समझौते के तहत चीन पाकिस्तान को उपग्रह तस्वीरें दे सकता है। पाकिस्तानी आयोग से मांगी गई जानकारियों में श्रीनगर, आदमपुर, अंबाला, बठिंडा, सिरसा और भुज जैसे उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में सक्रिय भारतीय वायुसेना के ठिकाने हैं। ये सभी भारतीय वायुसेना के पश्चिमी और दक्षिण पश्चिमी कमान का हिस्सा हैं। पाकिस्तान ने चीन से सब-मीटर रेजोल्यूशन वाली तस्वीरें मांगी हैं, जो तकनीकी क्षमता उसके पास नहीं है। इस रेजोल्यूशन की तस्वीरें व्यावसायिक रूप से उपलब्ध हैं, लेकिन महंगी हैं। पाकिस्तानी स्पेस एंड अपर एटमॉस्फियर रिसर्च कमीशन का नेतृत्व सैन्य अधिकारी के पास है और इसका वार्षिक बजट 30 मिलियन अमेरिकी डॉलर से अधिक है। पाकिस्तान की राष्ट्रीय अंतरिक्ष एजेंसी का मुख्यालय लाहौर में पंजाब विश्वविद्यालय में अतिरिक्त सुविधाओं के साथ पाकिस्तान के उत्तरी भाग में राजधानी इस्लामाबाद में है। पाकिस्तान में अंतरिक्ष विज्ञान और अनुसंधान के विकास में सहायता के लिए 1961 में स्थापित एजेंसी ने 1964 में काम करना शुरू किया। एजेंसी ने 1960 के दशक की शुरुआत में साउंडिंग रॉकेट का आयात और लॉन्च करना शुरू किया और रॉकेट इंजन बनाने की क्षमता हासिल की।

हाजो क्रीड़ा संस्था के स्वर्ण जयंती समारोह के थीम गीत का अनावरण

हाजो। हाजो स्पोर्ट्स एसोसिएशन (।ह्र) 2023 में अपनी 50वीं वर्षगांठ एक भव्य कार्यक्रम के साथ मनाएगा। उद्घाटन समारोह जनवरी को आयोजित किया जाएगा। 2013 फीफा विश्व कप रोमांच का अनुभव करने का एक शानदार अवसर है। फीफा विश्व कप और फीफा विश्व कप का रोमांच। फीफा विश्व कप फीफा विश्व कप के रोमांच का अनुभव करने का एक शानदार अवसर है। बैठक की अध्यक्षता स्वर्ण जयंती के सचिव दीपंकर मजूमदार ने की। बैठक में उपस्थित थे दैनिक बार्ता के सचिव शंकर गोहेन, सुरेन दास कॉलेज के प्राचार्य डॉ. शर्मा हिरन, देश की अर्थव्यवस्था, देश की अर्थव्यवस्था और देश की अर्थव्यवस्था सहित देश की अर्थव्यवस्था के बारे में जानकारी के कई स्रोत हैं मौजूद है। इसलिए, हाजो के नागरिकों के अधिकारों की रक्षा सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना आवश्यक है। इसलिए, हाजो के नागरिकों के अधिकारों को सुनिश्चित करने के लिए उपाय करना आवश्यक है।

कोहरे में मेघालय के टीएमसी विधायक की कार दुर्घटनाग्रस्त

शिलांग (हि.स.)। मेघालय के तृणमूल कांग्रेस नेता व विधायक की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में विधायक लाजारा एम संगमा और उनका एक साथी घायल हुआ है। घायलों को तुरा के सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। डॉक्टरों ने दोनों की हालत खतरे से बाहर बताई है। पुलिस ने बताया कि बुधवार रात दक्षिण गारो पहाड़ा जिले के सोकपटेर के विधायक लाजारस एम. संगमा (45) तुरा जा रहे थे। पता चला है कि कार स्वयं विधायक चला रहे थे। वाहन में उनके साथ डोबासीपारा के तेंगरांग सीएच मोमिन (40) थे। बताया गया घने कोहरे के चलते विधायक की कार तुरा के बाहरी इलाके बालोंग्रे में आईसीएफएआई यूनिवर्सिटी की दीवार से टकरा गई। हादसे के बाद विधायक और उनके साथी को क्षतिग्रस्त कार से निकालकर घायल अवस्था में तुरा सिविल अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार दोनों की हालत खतरे से बाहर है।

असम नेपाली साहित्य सभा का दो दिवसीय स्वर्ण जयंती समारोह

होजाई (होसं)। असम नेपाली साहित्य सभा ने दो दिवसीय कार्यक्रमों के साथ स्वर्ण जयंती वर्ष केंद्रीय स्थापना दिवस का आयोजन होजाई स्थित श्रीश्री सत्यनारायण मंदिर तथा सत्यार्थी लक्ष्मीनाथ बेजबरुआ भवन प्रांगण में आयोजित किया। बुधवार को कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह 8:30 बजे अनेसास के केंद्रीय समिति के अध्यक्ष दुर्गा खतिवडा ने ध्वजारोहण कर किया। इसके साथ ही 49 ध्वज विशिष्ट अतिथियों ने फहराया। अपने संबोधन में दुर्गा खतिवडा ने कहा किसी भी जाति के विकास के लिए जाति की भाषा, कला व संस्कृति अहम भूमिका निभाती है। उन्होंने आगे कहा जिस देश में हम रहते हैं वहां की संस्कृति, भाषा, साहित्य को अपनाकर उसे सुदृढ़ करना और उसके विकास के लिए निरंतर प्रयास करना हमारा नैतिक कर्तव्य है। इस दौरान उन्होंने नेपाली साहित्य के क्षेत्र में हो रहे निरंतर कार्य व प्रयासों के बारे में प्रकाश डाला। इसके बाद शहीद तर्पण व वृक्षारोपण का कार्यक्रम आयोजित हुआ। वही 11 बजे से बहुभाषी कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ जिसका उद्घाटन होजाई जिला साहित्य सभा के प्रतिष्ठापक सचिव अनूप कुमार बरठाकुर ने किया, जिसका संचालन अनेसास उपाध्यक्ष निरू शर्मा ने किया। वहीं आज कार्यक्रम के दूसरे दिन अनेसास के केंद्रीय समिति के अध्यक्ष दुर्गा खतिवडा की अध्यक्षता में आम सभा आयोजित की गई जिसमें सम्मानीय अतिथि के रूप में होजाई के विधायक रामकृष्ण घोष, विशिष्ट अतिथि के रूप में असम अल्पसंख्यक उन्नयन बोर्ड के अध्यक्ष हबीब मोहम्मद चौधरी, अनेसास के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. चिंतामणि शर्मा, स्वागत समिति के अध्यक्ष विष्णु शर्मा सहित कई विशिष्टजन मंच पर उपस्थित थे। सभा का शुभारंभ स्वागत समिति के अध्यक्ष विष्णु शर्मा के स्वागत भाषण के साथ हुआ। वहीं सभा को संबोधित करते हुए विधायक रामकृष्ण घोष ने कहा साहित्य ही हर जाति, जनगोष्टी की उन्नति में अहम भूमिका निभाता है। उन्होंने कहा नेपाली समाज के उन्नयन के लिए वे हर समय तत्पर है व लड़कियों की शिक्षा पर उन्होंने जोर दिया। इस दौरान सभी अतिथियों ने अपना अपना संबोधन रखा। असम नेपाली साहित्य सभा द्वारा सभी का नेपाली टोपी व असमिया फुलाम गमछे के साथ स्वागत किया गया। सभा के दौरान होजाई महाविद्यालय के पूर्व प्राचार्य जगदीश प्रसाद अग्रवाल की प्रतिछवि के सम्मुख श्रद्धांजलि अर्पित की गई व दिवंगत आत्मा की सद्गति हेतु परम पिता परमेश्वर से प्रार्थना की गई। संध्या के समय सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। उल्लेखनीय है उक्त दो दिवसीय कार्यक्रम के दौरान पूरे असम से नेपाली समुदाय के लोगों ने कार्यक्रम में पधार कर कार्यक्रम को सफल बनाने में अपना पूर्ण सहयोग दिया। असम के सामाजिक जीवन में शामिल एक असम्बद्ध और गैर-राजनीतिक हिंदू संगठन, हिंदू युवा छत्र परिषद, असम का 31वां स्थापना दिवस सरकारी पेंशन भवन, लखीमपुर जिला समिति के कार्यालय में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे सामूहिक सफाई से हुई और जिलाध्यक्ष जुगमज्योति दत्ता ने ध्वजारोहण किया। राष्ट्रपति ने इस महान अवसर पर असम के हिंदू समुदाय के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की ऐसे कई कारण हैं कि आपको इन उत्पादों को क्यों नहीं खरीदना चाहिए। इन कारणों से आपको इन उत्पादों को नहीं खरीदना चाहिए इसलिए, इस तथ्य को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है और देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है इसलिए, इस तथ्य को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। यूके में नौकरी पाने के कई तरीके हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यूके में नौकरी पाना है प्रभारी सचिव ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने वाले महानुभावों के त्याग और बलिदान की बात कही इसलिए इस तथ्य को ध्यान में रखना जरूरी है कि देश की वर्तमान स्थिति पहले से बहुत अलग है इसलिए इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि देश की वर्तमान स्थिति बहुत अलग है। कार्यक्रम लखीमपुर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों के बीच पौध वितरण के संयोजन में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में देश भर से 1000 लोगों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम में पूरे देश से 1000 लोगों ने भाग लिया था।

सरुपेटा से चार जुआरी गिरफ्तार

बरपेटा (हि.स.)। बरपेटा जिले के बजाली पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर अभियान चलाकर चार जुआरियों को गिरफ्तार किया है। सरुपेटा पुलिस चौकी के प्रभारी पुलिस अधिकारी बिष्णुप्रसाद भुइयां ने गुरुवार को बताया है कि सरुपेटा पुलिस चौकी अंतर्गत पल्लाबाजार में लंबे समय से दिन के समय ही घर के अंदर बड़े पैमाने पर जुए का अड्डा चलने की जानकारी मिली थी। पुलिस ने उक्त जगह पर छापा मारकर जुआ खेलते दीप डेका (40), साइबुर रहमान (33), लाल चंद अली (20) और अहमद अली (52) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से जुआ खेलने की सामग्री और नकदी भी बरामद की है।

मादक पदार्थ के साथ एक गिरफ्तार

गुवाहाटी (हि.स.)। पुलिस अधिकारी भगवान डेका के नेतृत्व में गुवाहाटी (ग्रामीण) जिले के छयगांव के पुठिमारी में छापा मारकर मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस शाहनूर आलम नामक व्यक्त के पास से प्लास्टिक के छोटे-छोटे 10 कंटेनरों में मादक पदार्थ बरामद किया है। गिरफ्तार शाहनूर आलम छयगांव के माजगुमी का रहने वाला है। पुलिस ने केस दर्ज कर इससे पूछताछ कर रही है।

NO. DDI_TECH_E-TENDER_21-22_164 PT I_7

CORRIGENDUM

The validity of Earnest Money Deposit (EMD) in the tender published vide no. DDI_ TECH_E-TENDER_21-22_164_ PT I_6, dated. 20/12/2022 2021-22 for the works of "Construction of the Nepali/Gorkha cultural cum multipurpose centre at Guwahati, Assam for the financial year 2021-22 under scheme NEC under MH-2552 (31)." amounting to Rs. 14,19,00,000.00 (Rupees Fourteen Crore Nineteen Lakhs) under Dispur Division (Irrigation), Sonapur is modified from 3(Three) Years to 1(One) Year.

Executive Engineer
Dispur Division (Irrigation)
Sonapur

-- Janasanyog /C/17756/ 22

पृष्ठ एक का शेष

अयोध्या में राम मंदिर...

पर टिका होगा। कुशल कारीगरों द्वारा इन स्तंभों में रामकथा के प्रसंगों सहित कुल 6400 मूर्तियां प्राचीन पद्धति से उकेरी जाएंगी, जो मंदिर को हेरिटेज लुक देने का काम करेंगी। मंदिर के हर खंभे में देवी-देवताओं की 16 मूर्तियों को उकेरा जाएगा। साथ ही राममंदिर के 2500 वर्ग फीट के क्षेत्र में बनने वाले परकोटे में रामायण के 100 प्रसंगों को भी उकेरा जाएगा। इसके लिए मूर्तिकारों सहित रामनगरी व देश के संत-धर्माचार्यों से भी सलाह ली जा रही है। मूर्तियों का निर्माण सबसे पहले पेंसिल से होगा फिल क्ले बनाया जाएगा उसके बाद मॉडलिंग की जाएगी। राममंदिर के लिए हुए पांच सौ वर्षों के संघर्ष पर एक फिल्म बनाने की ट्रस्ट की योजना है। फिल्म का निर्माण दूरदर्शन कर रहा है। फिल्म में बॉलीवुड के सुपर स्टर अभिनेता अमिताभ बच्चन अपनी आवाज देंगे। राममंदिर के 500 साल के इतिहास को लोगों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी मशहूर लेखक और फिल्म सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष प्रसून को दी गई है। उनके साथ छह सदस्यीय टीम काम करेगी। इस काम के लिए अमिताभ व प्रसून जोशी कोई फीस नहीं ले रहे हैं।

कांग्रेस देश से और...

उन्होंने कहा कि एक ऐसा त्रिपुरा बनाना है, जहां हर युवा को अपने ही राज्य में काम मिले, हर महिला को सुरक्षा मिले, हर जनजातीय समुदाय के लोगों को अपना अधिकार मिले। हमें ऐसा उन्नत, श्रेष्ठ और समृद्ध त्रिपुरा बनाना है। हमने अंधकार की जगह अधिकार दिया है, विनाश की जगह विकास दिया है, विवाद की जगह विश्वास दिया है, बता दें कि शाह गुरुवार दोपहर त्रिपुरा की राजधानी अगरतला पहुंचे। शाह को बुधवार शाम को यहां पहुंचना था, लेकिन घने कोहरे के कारण विमान की लैंडिंग गुवाहाटी में करानी पड़ी। अमित शाह जन विश्वास यात्रा को हरी झंडी दिखाएंगे। जन विश्वास यात्रा उत्तरी त्रिपुरा के धर्मनगर और दक्षिण त्रिपुरा के सबरुम एक साथ शुरू होगी। सूत्रों के अनुसार, दोनों जगहों पर पहले दिन 50 हजार से अधिक भाजपा कार्यकर्ता शामिल होंगे। यह जन विश्वास रथ यात्रा कार्यकर्ताओं तक पहुंचने और 2018 में सरकार के गठन के बाद से भाजपा सरकार द्वारा किए गए विकास कार्यों को बताने के लिए सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जाएगी। यात्रा को इस साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा की एक प्लान के रूप में देखा जा रहा है। 12 जनवरी तक चलने वाली इस यात्रा में भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा भी शामिल होंगे।

केंद्रीय गृहमंत्री के ...

लेकिन, प्रतिकूल मौसम (घना कोहरा) की वजह से अमित शाह को लेकर जा रहे वायुसेना के विशेष विमान की बुधवार रात करीब साढ़े 10 बजे गुवाहाटी के गोपीनाथ बरदलै अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे इमरजेंसी लैंडिग कराई गई। हवाई अड्डे पर भाजपा के वरिष्ठ नेता और असम सरकार के मंत्री अमित शाह के स्वागत के लिए पहुंचे। जहां से उन्हें होटल रेडिसन ब्लू होटल पहुंचाया गया। अमित शाह ने रेडिसन ब्लू होटल में रात बिताई। त्रिपुरा विधानसभा चुनाव की तैयारियों के मद्देनजर राज्य की सत्ताधारी पार्टी भाजपा द्वारा दो इलाकों से जन विश्वास नामक राज्यव्यापी यात्राएं आयोजित की गई हैं। जिसका शुभारंभ करने के लिए अमित शाह त्रिपुरा गए हैं।

सभी सात परियोजनाओं ...

परिसर के स्थल पर *भूमिपूजन* में भाग लेते हुए, मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने कहा कि सुशासन और कुशल समय-प्रबंधन को बढ़ावा देने के अलावा, जो स्थान होंगे कार्यालयों को उनके नए स्थान पर स्थानांतरित करने के बाद मुक्त किए गए स्थलों को सार्वजनिक पार्कों, उद्यानों आदि के रूप में जनता के कल्याण के लिए उपयोग किया जाएगा। दो अत्याधुनिक सभागारों पर बोलते हुए, एक खानापाड़ा में 5,000 की बैठने की क्षमता वाला और दूसरा 800 की बैठने की क्षमता वाला श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र परिसर में बनाए जाने के संबंध में मुख्यमंत्री ने कहा कि ये उस कमी को पूरा करेंगे जो समय-समय पर बड़ी संख्या में दर्शकों की उपस्थिति वाले कार्यक्रमों का आयोजन करते समय महसूस की जा रही थी। मुख्यमंत्री ने आज रखी गई परियोजनाओं के शिलान्यास को समय पर पूरा करने के लिए कार्यान्वयन एजेंसियों और विभागों को सरकार की ओर से हर संभव सहायता का आश्वासन दिया। उन्होंने आशा व्यक्त की कि एक बार विकास के विभिन्न चरणों में चल रही ये और अन्य परियोजनाएं पूरी हो जाने के बाद, गुवाहाटी की जनता की अधिकांश शिकायतें कम हो जाएंगी। सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्यमंत्री के साथ आज मंत्री बिमल बोरा और अतुल बोरा भी मौजूद थे। राज्यपाल जगदीश मुखी और उनकी पत्नी प्रेम मुखी नए राजभवन के भूमिपूजन स्थल पर मौजूद थी।

पूर्वोत्तर विकास के ...

मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को आयोजित प्रेसवार्ता में बताया कि 12882 करोड़ रुपए विभिन्न मंत्रालयों की परियोजनाओं पर खर्च किए जाएंगे। इन राज्यों में रेलवे, हवाई कनेक्टिविटी, सड़क निर्माण, कृषि और टूरिज्म की 202 से अधिक परियोजनाओं पर काम चल रहा है। स्वीकृत इस फंड से पूर्वोत्तर क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। उन्होंने बताया कि कृषि क्षेत्र के विकास के लिए वहां एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जिसमें डोनियर और राज्यों के कृषि अधिकारी शामिल किए गए हैं। इसी तरह पर्यटन के विकास के लिए भी एक टास्क फोर्स का गठन किया गया है। उन्होंने कहा कि पिछले आठ सालों में पूर्वोत्तर राज्यों में चार लाख करोड़ रुपए के विकास कार्यों पर काम हुआ है। इन राज्यों में बेहतर कनेक्टिविटी के लिए यहां 17 एयरपोर्ट बनाए जा चुके हैं। पहले यहां नौ एयरपोर्ट हुआ करते थे। इन राज्यों में निजी भागीदारी बढ़ाने के लिए उन्होंने निवेशकों का आह्वान करते हुए कहा कि पूर्वोत्तर राज्य आने वाले समय में निवेश के लिए बेहतर स्थान होने वाला है। उधर बीते आठ सालों में पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवाद से संबंधित हिंसा की घटनाओं में 74 फीसदी की कमी आई है। वहीं, सुरक्षा बलों पर हमलों के मामलों में 60 प्रतिशत और नागरिकों की मौत में 89 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने गुरुवार को इसकी जानकारी दी। राजधानी दिल्ली में एक प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए केंद्रीय पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री (डीओएनईआर) ने बताया कि लगभग 8,000 युवाओं मे उग्रवादी समूहों को छोड़कर आत्मसमर्पण कर दिया है। वे अब समाज की मुख्यधारा में शामिल होकर अपने और अपने परिवारों के बेहतर भविष्य के लिए काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जी किशन रेड्डी ने कहा कि केंद्र सरकार ने पूर्वोत्तर के विकास को प्राथमिकता दी है। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बीते आठ सालों के दौरान 50 से भी ज्यादा बार पूर्वोत्तर का दौरा किया है।

वाई20 के लांच...

इसके बाद उन्होंने राज्य सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ तैयारियों की समीक्षा की। वास्तव में, वाई 20, जिसे 2012 में पेश किया गया था, यह जी20 शिखर सम्मेलन का युवा संस्करण है। यह युवाओं के लिए जी20 के साथ जुड़ने के लिए एकमात्र आधिकारिक रूप से मान्यता प्राप्त मंच है। वाई 20 युवा नेताओं के लिए सबसे प्रभावशाली अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक मंचों में से एक है। यह जी20 के तहत आठ आधिकारिक रूप से जुड़े समूहों में से एक है। इससे पहले 13 सितंबर, 2022 को युवा मामलों के विभाग के सचिव की अध्यक्षता में नई दिल्ली के डॉ. अंबेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में युवा प्रतिनिधियों के साथ युवा संवाद: इंडिया@2047 नामक एक संवाद सत्र आयोजित किया गया था। संबंधित मंत्रालयों के वरिष्ठ अधिकारी, यूनिसेफ, यूएनडीपी और यूएनवी के प्रतिनिधि भी नई दिल्ली में इस कार्यक्रम में उपस्थित थे। वाई20 ने 2014 से विभिन्न देशों और विदेशों में अंतर्राष्ट्रीय युवा आदान-प्रदान कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए दो हजार भारतीय युवा प्रतिनिधियों को भेजा है।

मिजोरम में 17...

के सांसद वनालालवेना ने केंद्र सरकार को पत्र लिखकर शरणार्थियों को मिजोरम में प्रवेश करने की अनुमति देने का आग्रह किया है। एक सरकारी सूत्र के मुताबिक शुक्रवार को बीएसएफ द्वारा वापस भेजे गए 100 प्रवासी मिजोरम, बांग्लादेश और म्यांमार के त्रि-सीमा क्षेत्र में छिपे हुए थे। आधिकारिक अनुमानों के अनुसार, लगभग 90 लोग जिन्हें जबरन लौटाया गया था, वे भोजन की तलाश में बांग्लादेश के जंगलों में छिपे हुए थे। क्योंकि, वे पिछले कुछ दिनों से भूख से तड़प रहे थे जिसके चलते यह स्थिति पैदा हो गई है। सूत्रों के मुताबिक परवा गांव में अब भी 310 शरणार्थी हैं। हालांकि, 800 से अधिक विस्थापित लोग अभी भी बांग्लादेश के जंगलों में भूखे रहकर अपना जीवन व्यतीत कर रहे हैं। आधिकारिक सूत्रों ने यह भी कहा कि दक्षिणपूर्वी बांग्लादेश में चटगांव के पहाड़ी क्षेत्र से कम से कम 11 प्रवासी पिछले साल 1 दिसंबर को भागकर भारत आ गए और उन्होंने मिजोरम, बांग्लादेश और म्यांमार के ट्राइ-जंक्शन के पास कामतुली गांव में शरण ली। 20 नवंबर (2022) से अब तक 304 कुकी-चिन मिजोरम के आसपास के गांवों में शरण ले चुके हैं। कहा जा रहा है कि मिजोरम सरकार अब म्यांमार और बांग्लादेश के कुल 40,000 शरणार्थियों की मेजबानी कर रहा है। शरणार्थियों की लगातार बढ़ती जनसंख्या के चलते मिजोरम पर भारी दबाव बढ़ रहा है। दावा है कि शरणार्थी खुले में प्लास्टिक के टेंट डालकर आश्रय लिए हुए हैं।

सम्मेद शिखर पर नहीं ...

घोषित किया था। इसके बाद झारखंड सरकार ने एक संकल्प पत्र जारी कर जिला प्रशासन की अनुशंसा पर इसे पर्यटन स्थल घोषित किया। गिरिडीह जिला प्रशासन ने नागरिक सुविधाएं डेवलप करने के लिए 250 पन्नों का मास्टर प्लान भी बनाया है। झारखंड का हिमालय माने जाने वाले इस स्थान पर जैनियों का पवित्र तीर्थ शिखरजी स्थापित है। इस पुण्य क्षेत्र में जैन धर्म के 24 में से 20 तीर्थंकरों ने मोक्ष की प्राप्ति की। यहां पर 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ ने भी निर्वाण प्राप्त किया था। पवित्र पर्वत के शिखर तक श्रद्धालु पैदल या डोली से जाते हैं। जंगलों, पहाड़ों के दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए नौ किलोमीटर की यात्रा तय कर शिखर पर पहुंचते हैं। इस मसले पर सम्मेद शिखर में विराजित मुनिश्री प्रमाण सागरजी ने कहा कि सम्मेद शिखर इको टूरिज्म नहीं, इको तीर्थ होना चाहिए। सरकार पूरी परिक्रमा के क्षेत्र और इसके 5 किलोमीटर के दायरे के क्षेत्र को पवित्र स्थल घोषित करे, ताकि इसकी पवित्रता बनी रहे। जैन समाज को आशंका है कि पर्यटन स्थल बनने के बाद यहां मांस-मदिरा आदि बिकने लगेगी, यह समाज की भावना-मान्यता के खिलाफ है।

विदेशी विवि अब देश ...

इससे पढ़ाई के दौरान रहने खाने में उनके खर्च में काफी कमी आएगी। मौजूदा समय में विदेशों में पढ़ने के लिए जाने वाले छात्रों के खर्च की एक बड़ी राशि ट्यूशन फीस और रहने खाने पर खर्च होती है। विदेशी विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थानों के देश में कैंपस खोलने से जुड़े मसौदे के मुताबिक इनमें दाखिले और फीस तय करने का अधिकार पूरी से तरह से संस्थानों का होगा। इनमें यूजीसी किसी तरह से दखल नहीं देगा, लेकिन इन संस्थानों को शैक्षणिक गुणवत्ता के मानकों को पूरा करना होगा। जिसकी लगातार समीक्षा होगी। इसके साथ ही यूजीसी इन संस्थानों का औचक निरीक्षण भी कर सकेगा। इस संस्थानों को भारतीय कानूनों को पूरी तरह से मानना होगा। इनमें फेमा से जुड़े नियमों का पालन करना जरूरी होगी। इन नियमों का पालन न करने पर इन संस्थानों पर भारतीय कानून के कार्रवाई होगी। यूजीसी चेयरमैन ने बताया कि सिर्फ वहीं विदेशी विश्वविद्यालय और उच्च शिक्षण संस्थान देश में अपने कैंपस खोल सकेंगे, जो विश्वस्तरीय रैंकिंग में शीर्ष के पांच सौ संस्थानों में शामिल होंगे। या फिर दुनिया के प्रतिष्ठित संस्थान होंगे। गौरतलब है कि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति आने के बाद दुनिया के कई उच्च शिक्षण संस्थान भारत में अपने कैंपस खोलने के लिए उत्सुक है। उन्होंने इस संबंध में शिक्षा मंत्रालय और यूजीसी से लगातार संपर्क में भी है। विदेशी विश्वविद्यालयों के देश में कैंपस खोलने से जुड़े नियमों के तहत यह सभी संस्थान देश में सिर्फ आफलाइन कोर्स ही संचालित कर सकेंगे। इन्हें आनलाइन या फिर किसी दूसरे मोड़ में कोर्स चलाने की अनुमति नहीं होगी। इसके साथ ही इन संस्थानों को अपने यहां ज्यादातर शिक्षकों को नियमित रूप से नियुक्ति देनी होगी। इस बीच मसौदे पर 18 जनवरी तक सुझाव देने के लिए कहा गया है। जिसके बाद इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। यूजीसी ने इस मसौदे को दुनिया भर के सभी भारतीय दूतावासों के जरिए सभी देशों को भी भेजे है। साथ ही देश में मौजूद विदेशी दूतावासों को भी भेजे गए है। देश में कैंपस खोलने के इच्छुक और मानकों को पूरा करने वाले विश्वविद्यालयों को इसके लिए आनलाइन आवेदन करना होगा। इन आवेदनों की जांच यूजीसी की एक उच्च स्तरीय कमेटी करेगी। जो 45 दिन के भीतर इससे जुड़े आवेदन का निराकरण करेंगे। अनुमति मिलने के दो साल के भीतर विदेशी विश्वविद्यालयों को देश में अपने कैंपस खोलने होंगे।

अनुच्छेद 370 : भारत...

संप्रभु मामला है। हम यह नहीं देखते कि इस पर उनका क्या कहना है। इसी बीच अरिंदम बागची ने बताया कि भारत और फ्रांस ने आज दिल्ली में 36वीं सामरिक वार्ता आयोजित की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने किया और फ्रांसीसी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के राजनयिक सलाहकार इमैनुएल बोने ने किया। अरिंदम बागची में साप्ताहिक प्रेस वार्ता में कथित तौर पर 3 रूसी नागरिकों की मौत मामले से जुड़ी जानकारी भी साझा की। उन्होंने बताया कि ओडिशा में रूसियों की मौत मामले की जांच की जा रही है। अब हम ओडिशा के तट पर अंतर्राष्ट्रीय जल में एक रूसी नाविक की मौत के बारे में जानते हैं। औपचारिकताओं के लिए उनके पार्थिव शरीर को पारादीप पोर्ट लाया गया है। मैं तीनों मामलों को एक साथ नहीं जोड़ना चाहूंगा। उन्होंने कहा कि मैं उन सभी मामलों को एक साथ जोड़ना या सभी को एक साथ देखना नहीं चाहूंगा। भारत एक बड़ा देश है जहां बड़ी संख्या में विदेशी आते हैं।

हल्द्वानी में बुलडोजर ...

अतिक्रमण किया गया है। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, केंद्र सरकार ने पिछले साल कहा था कि लगभग 814 हेक्टेयर रेलवे भूमि अतिक्रमण के अधीन। सरकार ने कहा था कि अधिकांश अतिक्रमण मेट्रो और रेलवे स्टेशनों के पास और बड़े शहरों में पटरियों के किनारे झुग्गियों के रूप में हैं। केंद्र सरकार ने कहा था कि रेलवे अधिक्रमणों की पहचान करने के लिए नियमित सर्वे करता है और उन्हें हटाने की कार्रवाई करता है। यदि अतिक्रमण झुग्गिझोपड़ियों और अतिक्रमणकारियों के रूप में अस्थायी प्रकृति (नरम अतिक्रमण) के हैं, तो उन्हें रेलवे सुरक्षा बल और स्थानीय नागरिक अधिकारियों के परामर्श और सहायता से हटा दिया जाता है। वहीं, पुराने अतिक्रमणों पर राज्य सरकार और पुलिस की सहायता से अतिक्रमणकारियों को हटाया जाता है। सरकार ने बताया था कि 2017-18 और 2018-19 में, क्रमश: 16.68 हेक्टेयर और 24 हेक्टेयर भूमि पर से अतिक्रमण हटाया गया था और जमीन रेलवे को पास आई गई थी। करीब एक साल पहले एक मामले पर सुनवाई करते हुए सुप्रीम क्रोट ने कहा था कि रेलवे यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार है कि उसकी जमीन पर कोई अतिक्रमण न हो। 2022 में असम के नौगांव जिले प्रशासन ने रेलवे ट्रैक के दोनों ओर सौ से अधिक झुग्गी झोपड़ियों को ध्वस्त कर दिया था। ध्वस्त करने से पहले अधिकारियों ने एक हजार से अधिक अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी किया था और उन्हें अतिक्रमण हटाने के लिए कहा था। कुछ ने आदेश का पालन करते हुए अतिक्रमण को हटा लिया था जबकि कुछ को हटाना पड़ा था।

स्वर्वेद भाष्य

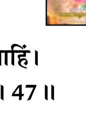

चतुर्थ मंडल **षष्ठ अध्याय**

(वैराग्य)

तीन लोक की सम्पदा, एक श्वाँस सम नाहिं।
हीरा समय अमूल्य है, हरि सुमिरन के माहिं॥ 47॥

शब्दार्थ : (सम्पदा) धन, संपत्ति।

भाष्य : तीन लोक की संपदा एक श्वांसा के बराबर नहीं है। यह श्वासरूपी हीरा अमूल्य है इसलिए प्रभु के सुमिरन और भक्ति में ही हीरारूपी अमूल्य श्वांसा को लगावें।

श्वाँस विताओ व्यर्थ में, कीट पतंग समान।
अजहूँ चेतन ने बावरे, शब्द में सुरति समान॥ 48॥

शब्दार्थ : (श्वाँस) प्राण (व्यर्थ) निरर्थक (कीट) कीड़ा (पतंग) फतिंगा (बावरे) उन्मत्त, अज्ञानी (समान) बराबर।

भाष्य : कीट-पतंग के समान व्यर्थ में जीवन को नष्ट किए। हे अज्ञानी विषयोन्मत्त जीव! तू अभी भी चेतो और अपनी सुरति को शब्द में लगाओ।

प्रो. मुखी ने रखी नए राजभवन की आधारशिला

निर्माण में 41.32 करोड़ की लागत, 18 महीने में होगा तैयार

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के राज्यपाल प्रो. जगदीश मुखी ने गुरुवार को यहां खारगुली में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा की उपस्थिति में नए राजभवन भवन की आधारशिला रखी। इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि यह एक खुशी का अवसर है, क्योंकि असम का राजभवन, जो राज्य का एक संवैधानिक आधार है, अब एक और ढांचागत वृद्धि होने जा रही है। मैं अपने गतिशील मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा को हृदय से धन्यवाद देता हूं। उनकी मदद और पहल के बिना राजभवन के लिए यह नया भवन संभव नहीं होता। प्रो. मुखी ने कहा कि वर्तमान मुख्यमंत्री के तहत, असम ने तेजी से बुनियादी ढांचे के विकास को देखा है। लोगों के जीवन स्तर को उन्नत करने के लिए कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं। उन्होंने कहा कि अगर यह प्रक्रिया बेरोकटोक चलती रही तो असम विकास के एक नए स्तर पर पहुंच जाएगा। राज्यपाल ने आशा व्यक्त की कि राजभवन का नया विस्तार राज्य की छवि और प्रतिष्ठा को बनाए रखने के लिए

अत्याधुनिक और एक हस्ताक्षर भवन होगा। उन्होंने लोक निर्माण विभाग से राजभवन के नए भवन के लिए अपनी सभी तकनीकी विशेषज्ञता को बेहतर निर्माण गुणवत्ता बनाए रखते हुए रिकॉर्ड समय में पूरा करने का आह्वान किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्वशर्मा ने कहा कि नया राजभवन 41.32 करोड़ रुपए की लागत से लगभग 18 महीने में बनकर तैयार होगा। उन्होंने कहा कि नए राजभवन को देश के सबसे खूबसूरत गवर्नर हाउस में से एक बनाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने साथ ही कहा कि वर्तमान स्थान पर मौजूद राजभवन को भी संरक्षित किया जाएगा और हमेशा की तरह काम करेगा। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार की विशेष विकास पहल विकास के लिए एक पखवाड़ा के तहत गुवाहाटी में अन्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के साथ नए राजभवन की नींव रखी गई। कार्यक्रम में राज्य की प्रथम महिला प्रेम मुखी, मंत्री जीएडी रंजीत कुमार दास, आयुक्त और राज्यपाल के सचिव एसएस मीनाक्षी सुंदरम, विशेष आयुक्त और विशेष सचिव पीडब्ल्यूडी (बीएलडी और एनएच) राज चक्रवर्ती, राजभवन, पीडब्ल्यूडी, जीएडी के अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ इस अवसर पर कई अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

बिश्वनाथ (हि.स.)। बिश्वनाथ जिला के मोनाबारी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात खाद्य की तलाश में रिहायशी इलाके में घुस आये जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में जितेन सोना नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मोनाबारी चाय बागान का रहने वाला बताया गया है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में जुड़े सातवे क्षेत्र के अंदर जलावन के लिए लकड़ी लेने के लिए जितेन गया था। इसी दौरान जंगली हाथी के हमले में उसकी मौत हो गई। जितेन के साथ अन्य लोग किसी तरह भागकर अपनी जान बचाकर घर पहुंचे। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

परीक्षा में नकल करते पकड़ी गई छात्रा ने की आत्महत्या

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी (ग्रामीण) जिला के रंगिया इलाके में एक छात्रा द्वारा आत्महत्या किए जाने के बाद छात्रा के परिजनों द्वारा परीक्षा हॉल के निरीक्षक के ऊपर छात्रा को आत्महत्या करने के लिए मजबूर किए जाने का आरोप लगाया गया है। स्थानीय लोगों ने गुरुवार को बताया कि आइडल के अधीन रंगिया महाविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर की परीक्षा चल रही थी। परीक्षा हॉल में छठे सेमेस्टर की परीक्षा देने के लिए अनीशा कलिता नामक एक छात्रा भी बीते कल पहुंची थी। अनीशा को नकल करते परीक्षा हॉल के निरीक्षक द्वारा पकड़े जाने के बाद उसे परीक्षा हॉल से बाहर कर दिया गया। परीक्षा हॉल से बाहर निकालने जाने के बाद छात्रा रंगिया तिनाली स्थित अपने घर पहुंची और पंखे से लटककर आत्महत्या कर लिया। छात्रा के परिजनों ने परीक्षा निरीक्षक के ऊपर हत्या के लिए मजबूर करने का आरोप लगाया गया है। छात्रा द्वारा आत्महत्या किये जाने का मामला गुरुवार को प्रकाश में आया। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में मृत छात्रा के शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। पुलिस इस संबंध में दर्ज प्राथमिकी के आधार पर मामले की जांच कर रही है।

पर्वतझोरा में गणतंत्र दिवस समारोह के मद्देनजर में बैठक आयोजित

कोकराझाड़ (हि.स.)। कोकराझाड़ जिला के पर्वतझोरा महकमा के सभागार में गुरुवार को आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन के संबंध में एक बैठक आयोजित की गयी। कोकराझाड़ जिला के अतिरिक्त उपायुक्त और पर्वतझोरा महकमा के प्रभारी उप-विभागीय मजिस्ट्रेट अंशुला बसुमतारी की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों और बुद्धिजीवी की उपस्थिति में आगामी गणतंत्र दिवस समारोह के आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस बार गणतंत्र दिवस कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय के पास काजीगांव-गारोपारा यूथ स्पोर्ट्स क्लब मैदान में आयोजित किया जाएगा। आज की बैठक में देबज्योति गोगोई, राजू गोगोई, निरंजन ब्रह्म, सोमेश्वर प्रसाद वर्मा, डॉ. रहमत अली, अमिता विश्वास, आभा दास, निशांत गुप्ता, सुलेमान अली शेख, नूर अमीन अली, प्राणजीत ब्रह्म चौधरी, इंद्रमोहन नाथ, धर्मेश्वर दास, रमजान अली शेख, उदय प्रधान, विनय कुमार रॉय, शशांक नंदी, राखेब ब्रह्म, ज्योतिष दास, मंगलेश्वर चौधरी के साथ ही पर्वतझोरा महकमा सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विजय बेजबरुवा आदि उपस्थित थे।

सड़क दुर्घटना में एक की मौत

उदालगुड़ी (हि.स.)। उदालगुड़ी जिला के ओरांग बस स्टैंड के समीप हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात ओरांग के गोरुबंदा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग-15 पर हुई एक सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृत व्यक्ति मानसिक विकार ग्रस्त बताया गया है। सूत्रों ने बताया है कि तेजपुर से गुवाहाटी की ओर जा रही बस (एएस-13एसी-0961) की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृत व्यक्ति की शिनाख्त नहीं हो पाई है। पुलिस ने इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर लिया है।

हत्या के आरोपी को फांसी देने की मांग को लेकर पथावरोध

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के गौरीपुर के खमारा गांव में भू-माफिया के हमले में कॉलेज की एक छात्र की मौत के बाद स्थानीय लोगों ने राष्ट्रीय राजमार्ग अवरूद्ध कर हत्या के आरोपी को जल्द से जल्द फांसी दिए जाने की मांग की गयी। स्थानीय लोगों ने गुरुवार को बताया कि बुधवार को भू-माफिया के हमले में मफिजूर नामक छात्र की मौत हो गई। छात्र की मौत के बाद आज दूसरे दिन गुरुवार को राष्ट्रीय राजमार्ग-17 पर छात्र के शव को रखाकर यातायात अवरूद्ध करते हुए स्थानीय लोगों ने भू-माफियाओं को फांसी दिए जाने की मांग करते हुए जमकर विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि भू-माफिया को पुलिस जानबूझकर गिरफ्तार नहीं कर रही है। गौरीपुर के खामार गांव के फिरदोस, साहन, नाजिर सालेम और बबलू नामक 5 भू-माफिया माफिजूर के घर पर धारदार हथियार लेकर पहुंचे और उसकी बड़ी ही बेरहमी से पीट-पीटकर हत्या कर दिया। इस हमले में अन्य कई लोग घायल हो गए, जिनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस का इस घटना के संबंध में कहना है कि घटना में शामिल किसी भी आरोपित को बख्शा नहीं जाएगा, हम कानून के तहत कार्रवाई कर रहे हैं।

जंगली हाथी के हमले में एक व्यक्ति की मौत

बिश्वनाथ (हि.स.)। बिश्वनाथ जिला के मोनाबारी इलाके में जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि बीती रात खाद्य की तलाश में रिहायशी इलाके में घुस आये जंगली हाथी द्वारा किए गए हमले में जितेन सोना नामक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक मोनाबारी चाय बागान का रहने वाला बताया गया है। काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में जुड़े सातवे क्षेत्र के अंदर जलावन के लिए लकड़ी लेने के लिए जितेन गया था। इसी दौरान जंगली हाथी के हमले में उसकी मौत हो गई। जितेन के साथ अन्य लोग किसी तरह भागकर अपनी जान बचाकर घर पहुंचे। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने मृत व्यक्ति के शव को पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत

धुबड़ी (हि.स.)। धुबड़ी जिला के गौरीपुर के सिलाईपारा इलाके में एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत के बाद मृतक के परिजनों द्वारा महिला के पति और उसके परिवार के ऊपर हत्या किए जाने का आरोप लगाया है। स्थानीय लोगों ने गुरुवार को बताया कि गौरीपुर पुलिस थाना अंतर्गत सिलाइपारा इलाके में एक बच्चे की मां की संदिग्ध अवस्था में मौत के बाद मृतक के परिजनों ने महिला की हत्या किए जाने का आरोप लगाते हुए आरोपितों के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज करायी है। मिली जानकारी के अनुसार एक बच्चे की मां की संदिग्ध अवस्था में मौत के बाद मृतक के परिजनों ने आरोप लगाया कि शादी के बाद ही मृत महिला का पति मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताडड़ित किया करता था। गोलकगंज दामपुर गांव निवासी अब्दुल मुनाफ की बेटी मईनूमा अहमद उर्फ मखनी की शादी पास के ही सिलाइपारा गांव निवासी यादव अली के पुत्र सैफूर हक के साथ हुआ था। मृत महिला की एक बेटी है। वहीं इस घटना को लेकर पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही पता चल पाएगा कि महिला की हत्या की गई है या उसने आत्महत्या की है। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

जेसीआई, गुवाहाटी एंजल राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित

गुवाहाटी। दिल्ली में विगत दिनों आयोजित जूनियर चेंबर इंटरनेशनल, इंडिया के राष्ट्रीय अधिवेशन में समग्र भारत से प्रतिनिधियों का जमावड़ा हुआ। पूर्वोत्तर से जोन- 25 से भी बड़ी संख्या में प्रतिनिधि मंडल ने इस अधिवेशन के विभिन्न सत्रों में अंश ग्रहण किया। वर्ष भर के रचनात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने एवं सर्वश्रेष्ठ व उत्कृष्ट कार्य करने वाले चैप्टर एवं सदस्यों को विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कृत करने के लिए पुरस्कार समारोह का भी आयोजन किया गया। जोन- 25 के अंतर्गत गुवाहाटी से प्रतिनिधित्व करने वाली जेसीआई गुवाहाटी एंजेल को इस पुरस्कार एवं सम्मान समारोह में राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट महिला संगठन की ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इसी समारोह में जेसीआई गुवाहाटी एंजेल की अध्यक्ष जेसी सिल्की चौधरी को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष के रूप में चयनित कर पुरस्कृत किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष जेसी अंशु सराफ ने मुख्य अतिथि माननीय लोकसभा अध्यक्ष श्री ओमजी

बिरला के उपस्थिति में जेसीआई गुवाहाटी एंजल के स्थाई कार्यक्रम गांव को गोद लेने एवं उसके संरक्षण प्रति किए गए कार्य की भूरी भूरी प्रशंसा की। गुवाहाटी एंजेल्स महिलाओं का प्रतिनिधित्व करने वाली महिला शाखा के रूप में रचनात्मक कार्य कर रही है। इस पुरस्कार से महिलाओं में समाज उत्थान के लिए और एकाग्रता से कार्य करने की प्रेरणा बढी है तथा सभी सदस्य का मनोबल ऊंचा हुआ है। यह प्रेस विज्ञप्ति जेसीआई गुवाहाटी एंजल के जनसंपर्क अधिकारी द्वारा सर्वसाधारण की जानकारी हेतु प्रेषित।

अनियंत्रित बस दुकान में जा घुसी

गुवाहाटी (हि.स.)। गुवाहाटी (ग्रामीण) जिला के रंगिया के उदीयाना में तेज रफ्तार बस अनियंत्रित होकर दो बाइक को ठोकर मारते हुए एक दुकान में जा घुसी। पुलिस ने गुरुवार को बताया कि अल्ट्रा बस पहले दो बाइक को रौदते हुए एक दुकान में जा घुसी। हादसे में दुकान में मौजूद लोग बाल-बाल बचे गए। यह घटना राष्ट्रीय राजमार्ग-27 पर उदियाना चौक के समीप घटी। घटना के समय बस रंगिया से बरपेटा की ओर जा रहा थी। हालांकि, इस हादसे में कोई भी हताहत नहीं हुआ है। घटना की खबर मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने दुर्घटना में शामिल बस को जब्त कर लिया है। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। वहीं चराईदेव जिला मुख्यालय शहर सोनारी के दो नंबर वार्ड इलाके से एक नवजात बच्चे का शव देखे जाने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

हिंयुछाप का 31वां स्थापना दिवस मना

लखीमपुर। असम के सामाजिक जीवन में शामिल एक असम्बद्ध और गैर-राजनीतिक हिंदू संगठन, हिंदू युवा छात्र परिषद, असम का 31वां स्थापना दिवस सरकारी पेंशन भवन, लखीमपुर जिला समिति के कार्यालय में एक दिवसीय कार्यक्रम के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 6 बजे सामूहिक सफाई से हुई और अध्यक्ष जुगमज्योति दत्ता ने ध्वजारोहण किया। अध्यक्ष ने इस महान अवसर पर असम के हिंदू समुदाय के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त की ऐसे कई कारण हैं कि आपको इन उत्पादों को क्यों नहीं खरीदना चाहिए ।इन कारणों से आपको इन उत्पादों को नहीं खरीदना चाहिए इसलिए, इस तथ्य को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है और देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। इसलिए, इस तथ्य को ध्यान में रखना महत्वपूर्ण है कि देश की अर्थव्यवस्था तेजी से विकसित हो रही है। यूके में नौकरी पाने के कई तरीके हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यूके में नौकरी पाना है प्रभारी सचिव ने शहीदों को श्रद्धांजलि देने वाले महानुभावों के त्याग और बलिदान की बात कही इसलिए इस तथ्य को ध्यान में रखना जरूरी है कि देश की वर्तमान स्थिति पहले से बहुत अलग है इसलिए इस बात पर ध्यान देना जरूरी है कि देश की वर्तमान स्थिति बहुत अलग है। कार्यक्रम लखीमपुर के विभिन्न सरकारी कार्यालयों के अधिकारियों के बीच पौध वितरण के संयोजन में आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में देश भर से 1000 लोगों ने भाग लिया था। इस कार्यक्रम में पूरे देश से 1000 लोगों ने भाग लिया था। यूके में नौकरी पाने के कई तरीके हैं, लेकिन सबसे महत्वपूर्ण बात यूके में नौकरी पाना है।

मायुमं के एनईपीएल सीजन-6 का शुभारंभ

गुवाहाटी। मारवाड़ी युवा मंच गुवाहाटी शाखा का एनईपीएल सीजन-6 का उद्घाटन समारोह आज सुबह 9.30 बजे नगर के लताशील खेल मैदान में आयोजित किया गया। इस अवसर पर शाखाध्यक्ष सूरज जैन ने सभी का स्वागत करते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश भाजपा के कोषाध्यक्ष राजकुमार शर्मा, एनईपएल गवर्निंग काउंसिल के सदस्य रमेश चांडक, पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी युवा मंच के प्रांतीय अध्यक्ष हिमशिखर खंडेलिया, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव चांडक सहित एनईपीएल में भाग ले रही सभी टीमों के प्रोमटर्स उपस्थित थे। इस अवसर पर ब्लेजिंग बुल्स के रितेश खटेड़ एवं प्रशांत बुच्चा, बालाजी रॉयल्स के आलोक संथोलिया, चाय पियो लिजेंड्स के पुनीत सेठी, मेवरिक्स के अमित जैन, फालकोंस के सुमित अग्रवाल, मनोज कयाल एवं विनीत चोपदार, नामेरी टाइगर्स के लोकेश बोरड़, रमेश पारिक, रेंजर्स के राकेश जैन (रॉकी), ब्लेक टाइगर्स कुशल अग्रवाल, क्लाउड 7 एवेंजर्स विकास अग्रवाल, अभिषेक जैन, शाही वरियर्स मानस जैन, राज बजाज, सिरीश जैन को मोमेंटो एवं फूलाम गमछा से सम्मानित किया गया। सभा का संचालन शाखा मंत्री विनय कांकरिया ने किया। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजीव चांडक, प्रांतीय कोषाध्यक्ष, सुभाष सुराणा, पूर्व शाखाध्यक्ष राहुल शर्मा, निवर्तमान शाखाध्यक्ष मोहित मालू, गुवाहाटी ग्रेटर शाखाध्यक्ष पंकज भुरा, गुवाहाटी शीरोज शाखा की अध्यक्ष ज्योति डागा, गुवाहाटी प्रोफेशनल शाखाध्यक्ष चेतन गंगवाल सहित गुवाहाटी शाखा के सभी पदाधिकारी एवं काफी संख्या में सदस्यगण उपस्थित थे। यह जानकारी शाखा के जनसंपर्क अधिकारी आकाश शर्मा ने प्रेस विज्ञप्ति के जरिए दी है।

आईआईटी,गुवाहाटी के छात्र को मिला 2.4 करोड़ रुपए का सैलरी पैकेज

गुवाहाटी (विभास)। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गुआहाटी (आईआईटी, गुवाहाटी) में हाल ही में समाप्त हुए प्लेसमेंट सेशन में कंपनियों की ओर से 2.4 करोड़ तक का पैकेज ऑफर किया गया है। कॉलेज में 2022-23 के लिए प्लेसमेंट का पहला फेज समाप्त हो गया है इसमें अमेजन, गूगल, माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज टेक कंपनियों ने हिस्सा लिया था। कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग ब्रांच में अबकी बार कंपनियों की ओर से दिए गए पैकेज का औसत 41 लाख रुपए है जबकि पिछले साल यह औसत 28 लाख रुपए का था। देश के विभिन्न आईआईटी कॉलेज में दिसंबर में प्लेसमेंट ड्राइव शुरू हुआ था जिसमें से गुवाहाटी के आईआईटी कॉलेज ने अपने प्लेसमेंट के पहले फेज की समाप्ति की घोषणा कर दी है। बिजनेस टुडे की एक रिपोर्ट के मुताबिक इंस्टीट्यूट में कंपनियों की ओर से 2.4 करोड़ रुपए का अधिकतम सालाना पैकेज ऑफर

किया गया है। इस बार की प्लेसमेंट ड्राइव में अमेजन, गूगल और माइक्रोसॉफ्ट जैसी दिग्गज कंपनियों ने हिस्सा लिया था। कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच को सबसे ज्यादा और सबसे अच्छे पैकेज ऑफर किए गए हैं। इस बार के प्लेसमेंट सेशन में कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच को 41 लाख रुपए का औसत पैकेज मिला है। इसी ब्रांच में कंपनियों की ओर से 2.4 करोड़ रुपए सालाना पैकेज भी ऑफर किया गया है। इंस्टीट्यूट की ओर से कहा गया है कि कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग ब्रांच के स्टूडेंट केवल इसी क्षेत्र में ही नहीं, बल्कि बैंकिंग और डिजाइन में भी हायर किए गए हैं। प्लेसमेंट ड्राइव में एप्पल, सीसको, एसेंटूर, आईबीएम जैसी बड़ी कंपनियों के नाम भी शामिल रहे। ड्राइव में इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंस सेक्टर की ओर से भी स्टूडेंट्स का काफी संख्या में हायर किया गया। इसमें बीएलवाई मेलोन, गोल्डमेन साच्स, बैंक ऑफ अमेरिका,अमेरिकन एक्सप्रेस और स्कायेर पाइंट जैसे नाम शामिल थे। इसके अलावा भारतीय कंपनियों में रिलायंस, बजाज, एक्सिस बैंक और आईसीआईसीआई बैंक भी शामिल रहे। इसके अलावा रुबिक, इनफर्निया, कोहेसिटी, थॉटपोस्ट, एल्फाग्रेप, राकुटेन, शिमिजू और सैमसंग आदि कंपनियों ने भी इस प्लेसमेंट सेशन में हिस्सा लिया था। इससे पहले आईआईटी कानपुर में भी स्टूडेंट्स को 1 करोड़ रुपए से ज्यादा का जॉब ऑफर दिया गया था।

मप्र के जबलपुर में भी हुआ दिल्ली जैसा हादसा, ट्रक ने मेडिकल छात्रा को 50 मीटर तक घसीटा

जबलपुर, (हि.स.)। राष्ट्रीय राजमार्ग -34 के भेड़ाघाट से तिलवारा जाने वाले मार्ग पर बुधवार की रात दिल्ली जैसा दर्दनाक हासदा हो गया। एक तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। बाइक एक मेडिकल छात्र चला रहा था। ट्रक की टक्कर से छात्र दूर जाकर गिरा, वहीं पीछे बैठी मेडिकल छात्रा ट्रक में फंस गई। ट्रक चालक ने भागने के लिए ट्रक की रफ्तार बढ़ा दी और युवती ट्रक के साथ करीब 50 मीटर तक घिसटती रही। इस घटना में युवती की मौके पर ही मौत हो गई और उसका शव बुरी तरह से क्षत विक्षत हो गया। वहीं घायल छात्र को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ट्रक चालक की तलाश कर रही है। इस घटना से नाराज मेडिकल छात्र बड़ी संख्या में अस्पताल में जमा हो गए और देर रात तक हंगामा चलता रहा।

इस संबंध में गढ़ा थाना प्रभारी राकेश तिवारी ने बताया कि शहडोल निवासी रूबी ठाकुर व रीवा निवासी सौरभ ओझा नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कालेज अस्पताल में एमबीबीएस तृतीय वर्ष के छात्र थे। बुधवार रात सौरभ और रूबी तिलवारा घाट की ओर गए थे। रात लगभग दस बजे दोनों भेड़ाघाट बाइपास चौराहे से तिलवारा की तरफ जाने वाली वाली सर्विस लेन से होकर लौट रहे थे। इसी सडक पर एक ट्रक

भोपाल से नागपुर की तरफ जा रहा था। सौरभ और रूबी की बाइक चौराहे के पास पहुंची ही थी कि तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर के साथ ही सौरभ बाइक के साथ ही दूर जाकर गिरा। उन्होंने बताया कि रूबी दूसरी किनारे की तरफ गिरी और उसका शरीर ट्रक में फंस गया। ट्रक चालक ने घटना के बाद वाहन को तेजी से भगाने का प्रयास किया। जिस वजह से रूबी ट्रक में फंसी रही और करीब पचास मीटर तक घिसटती रही। उसका शरीर पूरी तरह से क्षत विक्षत हो गया। शरीर से अधिक मात्रा में खून बह गया और सिर व पूरे शरीर में गंभीर चोटें आने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। सड़क पर लगभग 50 मीटर तक मांस के लोथड़े और खून पड़ा हुआ था।

रेलवे ने वीडियो जारी कर किया दावा, बंगाल नहीं बिहार के इलाके से हुआ वंदे भारत पर पथराव

कोलकाता, (हि.स.)। पूर्वी भारत की पहली वंदे भारत ट्रेन पर गत सोमवार हुई पथराव की घटना में नया मोड़ आ गया है। रेलवे ने दावा किया है कि पथराव बंगाल से नहीं बल्कि बिहार के इलाके से किया गया है। पूर्व रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी एकलव्य चक्रवर्ती ने गुरुवार सुबह इस संबंध में सीसीटीवी फुटेज जारी किया है। उन्होंने बताया कि वंदे भारत की रेक में सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिस पर यह फुटेज कैद हुआ है। दावा है कि मालदा के कुमारगंज स्टेशन के बाद जहां पथराव किया गया वह इलाका बिहार में पड़ता है। फुटेज की मदद से चार-पांच लोग चिन्हित किए गए हैं जो हाथों में पत्थर लेकर खड़े थे और ट्रेन आने के बाद पत्थर फेंकते नजर आ रहे हैं। इन सभी की तलाश की जा रही है। उन्होंने बताया कि घटना को लेकर राजकीय रेल पुलिस (जीआरपी) और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने संयुक्त रूप से जांच की है। अब जबकि पत्थर फेंकने वालों की शिनाख्त हो गई है तो बिहार प्रशासन से संपर्क साध कर इनकी गिरफ्तारी की कोशिश शुरू कर दी गई है। उन्होंने बताया कि इस घटना को गंभीरता से लिया गया है और यात्रियों की सुरक्षा तथा राष्ट्रीय संपत्ति सुरक्षा को लेकर रेलवे प्रतिबद्ध है। उल्लेखनीय है कि वंदे भारत पर पथराव को

लेकर पश्चिम बंगाल में खूब राजनीति हुई। भारतीय जनता पार्टी ने आरोप लगाया है कि वंदे भारत ट्रेन को हरी झंडी दिखाए जाने के समय जय श्रीराम की नारेबाजी का बदला पत्थर फेंक कर लिया गया है। पार्टी की ओर से प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार और नेता प्रतिपक्ष शुभेंदु अधिकारी ने राज्यपाल सीवी आनंद बोस से मिलकर इस संबंध में शिकायत भी दर्ज कराई है।

उद्योग व खेती क्षेत्र को जल संरक्षण अभियान चलाना चाहिएः प्रधानमंत्री

अजय त्यागी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को लिखा कि उद्योग और खेती ऐसे क्षेत्र हैं जिसमें पानी की आवश्यकता अधिक होती है। इन दोनों क्षेत्रों को मिल कर जल संरक्षण अभियान चलाना चाहिए और लोगों को जागरूक करना चाहिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह देशभर के जल मंत्रियों की बैठक में अपने विचार साझा किए। बैठक का विषय "वाटरविजन @ 2047" है। 5-6 जनवरी को भोपाल, मध्य प्रदेश में थीम वाटरविजन @ 2047 के साथ जल पर पहला अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्रियों का सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। इस दौरान प्रधानमंत्री ने नदियों को दूषित होने से बचाने का आह्वान किया। साथ ही जल संरक्षण के क्षेत्र में भी सर्कुलर अर्थव्यवस्था की बड़ी भूमिका को रेखांकित किया। प्रधानमंत्री ने कहा

कि जल संरक्षण के लिए जन भागीदारी की सोच को जनता के मन में जगाना है। हम इस दिशा में जितना ज्यादा प्रयास करेंगे उतना ही अधिक प्रभाव पैदा होगा। जल संरक्षण से जुड़े अभियानों में हमें जनता जनार्दन को, सामाजिक संगठनों को और सिविल सोसायटी को ज्यादा से ज्यादा जोड़ना होगा। प्रधानमंत्री ने कहा कि देश में शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है ऐसे में हमें पानी के विषय में पूरी गंभीरता से सोचना चाहिए। इस संबंध में जब "स्वच्छ भारत अभियान" से लोग जुड़े तब जनता में भी चेतना और जागरूकता आई। सरकार ने संसाधान जुटाए, वाटर ट्रीटमेंट प्लांट और शौचालय जैसे अनेक कार्य किए। लेकिन अभियान की सफलता तब सुनिश्चित हुई जब जनता ने सोचा कि गंदगी नहीं फैलानी है। जनता में यही सोच जल संरक्षण के लिए भी जगानी होगी।

मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज के प्रशिक्षु अधिकारियों ने राष्ट्रपति से की मुलाकात

अजय कुमार

नई दिल्ली। मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज (एमईएस) के प्रशिक्षु अधिकारियों ने गुरुवार को राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से मुलाकात की। राष्ट्रपति ने प्रशिक्षु अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि निर्माण के क्षेत्र में युवा अधिकारियों के रूप में एमईएस अधिकारियों का मुख्य कर्तव्य पर्यावरण की देखभाल करना भी है। उन्होंने कहा कि एमईएस बड़ी संख्या में सौर फोटोवोल्टिक परियोजनाओं को पूरा करके राष्ट्रीय कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में बहुत योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि मिलिट्री इंजीनियर सर्विसेज के अधिकारियों के रूप में वे सेना, वायु सेना, नौसेना, तटरक्षक और अन्य संगठनों को रियर लाइन

इंजीनियरिंग सहायता प्रदान करने में सहायक होंगे। उनकी ओर से सशस्त्र बलों को दी जाने वाली समर्पित इंजीनियरिंग सहायता उनके समग्र प्रदर्शन को बढ़ाएगी और उन्हें किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार रखेगी। राष्ट्रपति ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त की कि एमईएस ने गुजरात के गांधीनगर में अब तक का पहला 3डी प्रिंटेड आवास का निर्माण पूरा कर लिया है। उन्होंने कहा कि जहां भी संभव हो रिसाइकलिंग को बढ़ावा देना चाहिए।

मध्य प्रदेश की राजधानी में राज्यों के जल मंत्रियों का सम्मेलन शुरू, प्रधानमंत्री मोदी ने किया संबोधित

भोपाल, (हि.स.)। जल पर आयोजित किया जा रहा प्रथम अखिल भारतीय वार्षिक राज्य मंत्रियों का सम्मेलन गुरुवार सुबह राजधानी भोपाल स्थित कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में शुरू हुआ। इस सम्मेलन को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज भारत जल सुरक्षा में अभूतपूर्व काम और निवेश कर रहा है। जल संरक्षण के लिए राज्यों के सामूहिक प्रयास लक्ष्यों को प्राप्त करने में बहुत सहायक होंगे। उन्होंने कहा कि जियो मैपिंग और जियो सेंसिंग जैसी तकनीक जल संरक्षण के कार्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। कई राज्यों ने इसमें अच्छा काम किया है और कई राज्य इस दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि जल संरक्षण के लिए जन भागीदारी की सोच को जनता के मन में जगाना है। हम इस

दिशा में जितना ज्यादा प्रयास करेंगे उतना ही अधिक प्रभाव पैदा होगा। जल संरक्षण के लिए देश हर जिले में 75 अमृत सरोवर बना रहा है और अब तक 25,000 अमृत सरोवर बन भी चुके हैं। देश की जल संबंधी समस्याओं पर मंथन करके राज्यों के जल मंत्री भोपाल में दो दिवसीय सम्मेलन में रोडमैप तैयार करने जा रहे हैं। इसमें वाटर विजन एट 2047 पर संवाद होगा। पानी बचाने से जुड़े हर पहलू पर चर्चा होगी। साथ ही जिन क्षेत्रों में पानी की खपत अधिक है उसे कम करने और संतुलन बैठाने के विषय पर भी चर्चा होगी। सम्मेलन में मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल राज्यों के जल मंत्रियों के साथ हिस्सा ले रहे हैं। सुबह 10 बजे यह कार्यक्रम शुरू हुआ। इस कार्यक्रम से पीएम मोदी भी वर्चुअली जुड़े।

अगरतला पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, जन विश्वास यात्राओं का करेंगे शुभारंभ

-धर्मनगर और सबरम में जन विश्वास यात्रा में लेंगे हिस्सा

अगरतला, (हि.स.)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह 'जन विश्वास यात्रा' का शुभारंभ करने के लिए गुरुवार को अगरतला पहुंच गए। दोपहर महाराजा बीर विक्रम हवाई अड्डे पर मुख्यमंत्री माणिक साहा और अन्य ने उनकी अगवानी की। दरअसल, आज केंद्रीय गृह मंत्री का अगरतला पहुंचना था, लेकिन घने कोहरे के कारण उनका विमान अगरतला में नहीं उतर सका। परिणामस्वरूप उनके विमान को गुवाहाटी में लैंड कराया गया। गुरुवार आज सुबह भी उन्हें घने कोहरे के कारण अगरतला आने में देरी हुई। अगरतला पहुंचने पर वे हेलिकॉप्टर से सीधे उत्तर त्रिपुरा के धर्मनगर गए। केंद्रीय गृह मंत्री आज जन विश्वास यात्रा का शुभारंभ

धर्मनगर और दोपहर 2 बजे सबरम से करेंगे। सबसे पहले वह कदमतला से हरी झंडी दिखाकर जन विश्वास जुलूस की शुरूआत करेंगे। उसके बाद धर्मनगर में जनसभा के बाद दक्षिण त्रिपुरा में सबरम जाएंगे। वह वहां जन विश्वास यात्रा की शुरूआत कर जनसभा में हिस्सा लेंगे। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह का एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री प्रो. (डॉ.) माणिक साहा, उपमुख्यमंत्री जिष्णु देबबर्मा, केंद्रीय मंत्री प्रतिमा भौमिक, सांसद बिप्लब कुमार देव, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राजीव भट्टाचार्य और भाजपा प्रभारी एवं सांसद संबित पात्रा एयरपोर्ट पर स्वागत किया।

सम्मेद शिखर मामले में हेमंत सोरेन ने केंद्रीय मंत्री को लिखा पत्र

रांची, (हि.स.)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने आज केंद्रीय मंत्री पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग भूपेंद्र यादव को पत्र लिखा है। पत्र में मुख्यमंत्री ने जैन अनुयायियों की धार्मिक भावनाओं को ध्यान में रखते हुए पारसनाथ सम्मेद शिखर के संबंध में पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना पर समुचित निर्णय लेने का आग्रह किया है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से कहा है कि पारसनाथ सम्मेद शिखर पौराणिक काल से जैन समुदाय का विश्व प्रसिद्ध पवित्र एवं पूजनीय तीर्थ स्थल है। मान्यता के अनुसार इस स्थान पर जैन धर्म के कुल 24 तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों ने निर्वाण प्राप्त किया है। इस स्थल के जैन धार्मिक महत्व के कारण भारत एवं विश्व के कोने-कोने से जैन धर्मावलंबी इस स्थान का तीर्थ करने आते हैं। झारखंड पर्यटन नीति 2021 में पारसनाथ को तीर्थ स्थल मानते हुए इस स्थल को धार्मिक तीर्थ क्षेत्र के रूप में विकसित करने का उल्लेख है। पूर्व में भी इस स्थल की पवित्रता अक्षुण्ण रखने के लिए राज्य सरकार ने प्रतिबद्धता दिखाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस स्थल के समुचित विकास एवं इस क्षेत्र में व्यावसायिक क्रियाकलापों के विनियमन के लिए राज्य सरकार द्वारा सचिव, पर्यटन की अध्यक्षता में पारसनाथ पर्यटन विकास प्राधिकार गठित है, जिसमें छह गैर सरकारी निदेशकों को भी सदस्य बनाया जाना है। उक्त प्राधिकार में गैर सरकारी निदेशकों के चयन की कार्रवाई चल रही है। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा उक्त स्थल की पवित्रता व शुचिता को बनाये रखने के लिए गिरिडीह जिला के जिलाधिकारी एवं आरक्षी अधीक्षक को आवश्यक निर्देश जारी किया गया है। मुख्यमंत्री ने आग्रह किया है कि इस स्थल की पवित्रता व शुचिता बनाये रखने एवं केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का.आ. 2795 (अ) दिनांक 02.08.2019 को निरस्त करने के लिए आवेदन प्राप्त हुए हैं। इस अधिसूचना के कंडिका 2.3 (श्क) व कंडिका 3 3) में पर्यटन सहित पारिस्थितिक पर्यटन का उल्लेख है, जिसपर जैन समुदाय को आपत्ति होने का उल्लेख प्राप्त आवेदनों में दर्ज है। इस अधिसूचना के क्रियान्वयन के निमित्त राज्य सरकार ने अभी तक कोई भी कदम नहीं उठाया है। इसलिए केंद्र इस पर विचार करे।

अनुराग ठाकुर कल वाई-20 शिखर सम्मेलन की थीम, लोगो व वेबसाइट करेंगे लॉन्च

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। केंद्रीय युवा कार्यक्रम और खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर 06 जनवरी यानी शुक्रवार को वाई-20 शिखर सम्मेलन के पूर्वावलोकन कार्यक्रम में वाई-20 की थीम, लोगो और वेबसाइट लॉन्च करेंगे। भारत पहली बार वाई-20 शिखर सम्मेलन की मेजबानी कर रहा है। वाई-20 युवाओं को जी-20 प्राथमिकताओं पर अपने दृष्टिकोण और विचार व्यक्त करने के लिए एक मंच प्रदान करता है। 06 जनवरी को आयोजित होने वाला कार्यक्रम को दो सत्रों में विभाजित होगा। पहले सत्र में युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर लोगो, वेबसाइट और थीम लॉन्च करेंगे। जबकि दूसरे सत्र में पैनल चर्चा (युवा एचीवर्स) होगी। कार्यक्रम दिल्ली के आकाशवाणी रंग भवन में आयोजित है। पैनल चर्चा के दौरान इस विषय पर विचार किया जाएगा कि भारत महाशक्ति बनने के लिए अपनी युवा आबादी का उपयोग कैसे कर सकता है। इसके साथ-साथ पैनल के सदस्यों की व्यक्तिगत सफलता की कहानियों पर चर्चा भी हो सकती है। वाई-20 इंगेजमेंट समूह में भारत का मुख्य ध्यान विश्व के युवा नेताओं को एक साथ लाने,

बेहतर भविष्य के लिए विचार-विमर्श करने तथा कार्यवाही एजेंडा तैयार करने पर है।

वाई-20 की गतिविधियां वैश्विक युवा नेतृत्व और साझेदारी पर केंद्रित होंगी। अंतिम वाई-20 शिखर सम्मेलन से पहले अगले आठ महीनों के लिए वाई-20 के पांच विषयों पर सम्मेलन होंगे और साथ-साथ देश के विभिन्न विश्वविद्यालयों में विभिन्न विचार-विमर्श तथा संगोष्ठियां आयोजित की जायेंगी। भारत के लिए जी-20 की अध्यक्षता "अमृतकाल" के प्रारंभ का भी प्रतीक है। अमृतकाल 15 अगस्त 2022 को भारत स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ से प्रारंभ होकर 25 साल की अवधि यानी स्वतंत्रता की शताब्दी तक मनाया जाएगा। यह एक भविष्यवादी, समृद्ध, समावेशी और विकसित समाज की ओर बढ़ने के लिए है, जिसके मूल में मानव-केंद्रित दृष्टिकोण है। भारत वसुधैव कुटुम्बकम के विचार को मूर्त रूप देते हुए समग्र कल्याण सुनिश्चित करने के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यावहारिक समाधान खोजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

झुग्गी हटाए जाने की डीडीए नोटिस से कालकाजी के लोगों का फूटा गुस्सा

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के कालकाजी विधानसभा क्षेत्र के नवजीवन और नेहरू कैम्प झुग्गियों को खाली कराए जाने के डीडीए के नोटिस के बाद यहां रहने वाले लोगों का गुस्सा फूट पड़ा है। लोग सड़कों पर इकट्ठा हो कर इसके खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। लोगों के इस विरोध प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी और कालकाजी से विधायक आतिशी भी डीडीए और बीजेपी का विरोध करती नजर आईं। इसी के खिलाफ डीडीए ऑफिस पहुंचे नेहरू कैम्प और नवजीवन कैम्प में रहने वाले लोगों के साथ आप विधायक लोगों के साईन किए हुए पेटिशन के साथ पहुंची थीं। इनका कहना है कि दिल्ली नगर निगम चुनाव के पहले प्रधानमंत्री ने दिल्ली के झुग्गी निवासियों से उनका पुनर्वास कर बेहतर जिंदगी देने का वादा किया था। लेकिन चुनाव नतीजे आने के बाद डीडीए ने झुग्गी निवासियों को अपना घर खाली करने का आदेश दिया है और कहा है कि उनके लिए डीडीए कोई वैकल्पिक इंतजाम कर रहा है। डीडीए ने इसे लेकर कुछ

झुग्गी बस्तियों में नोटिस चिपका कर झुग्गियों को खाली करने का आदेश जारी किया है। डीडीए की इस कार्रवाई पर आम आदमी पार्टी ने विरोध जताते हुए इसे झुग्गी वासियों के साथ धोखा करार दिया है।कालकाजी से आम आदमी पार्टी की विधायक अतिशी ने स्थानीय झुग्गी वासियों के साथ मिलकर बीजेपी पर वादाखिलाफी के आरोप लगाया। उन्होंने नारेबाजी की और कहा कि एमसीडी चुनाव में झुग्गी वासियों को उनके घर के पास ही पुनर्वास करने के वादे से बीजेपी मुकर रही है। सैकड़ों की संख्या में पहुंचे लोगों ने कालकाजी स्थित डीडीए ऑफिस के बाहर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन में आतिशी भी शामिल हुईं। उन्होंने बीजेपी पर जमकर हमला करते हुए कहा कि पहले चुनाव से पहले बीजेपी के लोग बोलते थे कि जहां झुग्गी वहीं मकान लेकिन अब एमसीडी के चुनाव खत्म हो गए तो अपने वादों से मुकर रहे हैं। उन्होंने इसे स्थानीय लोगों के साथ धोखा बताया। उन्होंने कहा कि जो लोग यहां पर रहते हैंयही पले बढ़े हैंउन्हें अब यहां से भेजने की तैयारी की जा रही है।उनकी मांग है कि यहां रह रहे लोगों को यही फ्लैट बना कर दिए जाएं। जबकि डीडीए उन्हें यहां से हटा कर नरेला भेजना चाह रहा हैइसका वो और यहां रहने वाले लोग विरोध करते हैं।आप की विधायक ने बीजेपी पर आरोप लगाते हुए कहा कि देश में एक ही सरकार है जो गरीबों के घरों पर बुलडोजर चला रही है।दिल्ली ही नहीं देश के अलग-अलग राज्यों में बीजेपी शासित राज्यों में गरीबों के घरों पर बुलडोजर चलाया जा रहा है।आम आदमी पार्टी इसका विरोध करती है। जहां भी इस तरह की कार्रवाई होगी वहां आम आदमी पार्टी के कार्यकर्ता नेता और विधायक सबसे पहले मौजूद रहेंगे। इसका विरोध करेंगे।

पानी बचाने में मील का पत्थर साबित होगा 'वॉटर विजन @ 2047' : शिवराज

भोपाल, (हि.स.)। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 'वॉटर विजन @2047' पानी बचाने में मील का पत्थर साबित होगा। कल मेरे साथ आप भी पेड़ लगाएं, उस गार्डन को हम नाम देंगे वॉटर विजन गार्डन। यह सम्मेलन की स्मृतियों को अक्षुण्ण रखेगा। मध्यप्रदेश में हमने 2007 में जलाभिषेक अभियान प्रारंभ किया। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि छोटी-बड़ी मिलाकर हमने कुल 4 लाख से ज्यादा वॉटर बॉडी बनाई हैं और लगातार काम जारी है। मुख्यमंत्री चौहान गुरुवार को राजधानी भोपाल में आयोजित प्रथम अखिल भारतीय राज्य मंत्रियों के सम्मेलन 'वॉटर विजन @2047' को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, केंद्रीय जलशक्ति राज्य मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल और प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसी सिलावट एवं अन्य राज्यों के मंत्रीगण मौजूद थे। सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी दिल्ली से वर्चुअली संबोधित किया। मुख्यमंत्री चौहान ने कहा कि हम सौभाग्यशाली हैं, हमारा देश सौभाग्यशाली है कि प्रधानमंत्री के रूप में हमें नरेंद्र मोदी जी मिले हैं। वे संकल्प लेते हैं, तो उसकी सिद्धि के लिए स्वयं को झोंक देते हैं। वे अद्भुत लीडर हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में जो विजन हमें दिया दिया, उसपर अमल करके मध्यप्रदेश बेहतर जलनीति बनाएगा। "वॉटर विजय 2047" के आयोजन

का दुर्लभ अवसर मध्यप्रदेश को मिला है। हमारी परंपरा अतिथि देवो भवः की है। प्रयास यह होगा कि सम्मेलन के दौरान किसी तरह का कष्ट न हो। आप सभी का हृदय से स्वागत है। उन्होंने कहा कि "वॉटर विजन 2047" भोपाल में हो रहा है, और भोपाल जल प्रबंधन का उत्तम उदाहरण है। हमारे यहां एक कहावत है "तालों में भोपाल ताल बाकी सब तलैया"। भोपाल ताल को बने हुए 1000 साल से ज्यादा हो गए। राजा भोज की प्रतिमा हमने इसी तालाब में लगवाई है। आज भी भोपाल को एक तिहाई पेयजल की आपूर्ति इसी बड़े तालाब से होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर यह तालाब ना हो तो भोपाल की पहचान ही खत्म हो जाएगी। मध्यप्रदेश में 2003 के आसपास हमारी कुल सिंचाई की क्षमता साढ़े 7 लाख हेक्टेयर थी। मुझे बताते हुए प्रसन्नता है कि आज मध्यप्रदेश की सिंचाई क्षमता बढ़कर 45 लाख हेक्टेयर हो गई है। मध्यप्रदेश कृषि प्रधान राज्य है, इसलिए हमने बांध और जल संरचनाएं बनाईं। बुंदेलखंड की धरती में लगभग 2000 से ज्यादा चंदेल कालीन जल संरचनाएं हैं। यह हमारी प्राचीन परंपरा भी है। मध्यप्रदेश के भी हर गांव में बिना तालाब के काम नहीं चलता था। माता गंगा की तरह हमारे यहां नदियां ग्लेशियर से नहीं निकलती हैं, बल्कि मध्यप्रदेश की जीवनदायिनी मां नर्मदा पेड़ों की जड़ों से निकलती हैं। हमने जनभागीदारी से नर्मदा सेवा यात्रा प्रारंभ की और नदी की स्वच्छता के साथ-साथ मैया नर्मदा के तटों पर असंख्य पौधे लगाये। प्रधानमंत्री जी मोटे अनाज की बात करते हैं। हमें कम पानी वाली फसलों पर भी ध्यान देना होगा। आज गुणीजनों के चिंतन-मंथन से जो अमृत निकलेगा, उसको मध्यप्रदेश की धरती पर जनता तक पहुंचाने में हम कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेंगे। जनभागीदारी से हम वॉटर विजन 2047 के लक्ष्यों को प्राप्त करने का हरसंभव प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में हमने 2007 में जलाभिषेक अभियान प्रारंभ किया। जिलों में जल संसद, जल सम्मेलन और गांवों में जल यात्राओं के माध्यम से जनता को जोड़ने का प्रयास किया। मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता है कि छोटी-बड़ी मिलाकर हमने 4 लाख से ज्यादा वॉटर बॉडी बनाईं। मध्यप्रदेश अपनी जलनीति बना रहा है। जिसमें सारे आयाम शामिल रहेंगे कि हम कैसे पानी बचाएं, कैसे पानी बढ़ाएं, कैसे वर्षा जल को रोककर रखें, कैसे वेस्ट वॉटर को रिसाइकिल करके उपयोग में लाएं। इसके प्रयास हम कर रहे हैं। कल मेरे साथ आप सभी पौधे लगाएं। पेड़ और पानी का चोली दामन का साथ है। हम उस गार्डन को वॉटर विजन गार्डन नाम देंगे। आइये, हम सब पौधे लगाकर पानी बचाने का संदेश पूरे देश को दें।

उप्र के निपुण विद्यार्थियों को सम्मानित करेगी योगी सरकार

-अभिभावकों और गणमान्य लोगों की उपस्थिति में किया जाएगा सम्मान
-हिंदी, गणित के निपुण लक्ष्यों को हासिल करने वाले कक्षा 1-3 के विद्यार्थी होंगे सम्मानित

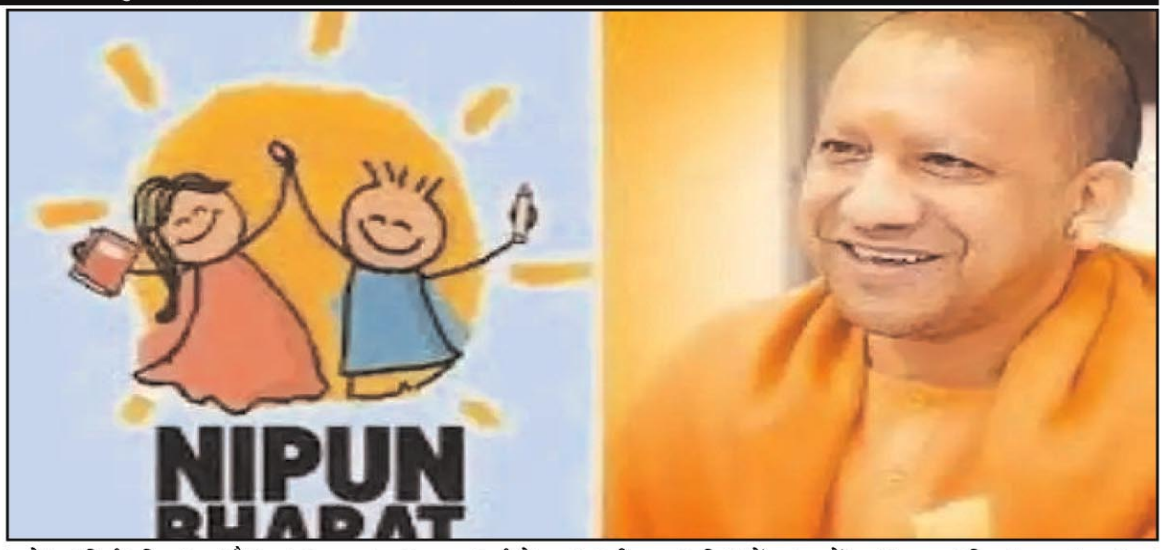

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर करने के लिए योगी सरकार नई शिक्षा नीति के तहत सुधार के कई कार्यक्रम चला रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने अब प्रत्येक माह निपुण सम्मान समारोह आयोजित करने का निर्णय लिया है। इस समारोह में बच्चों के अभिभावकों व समुदाय के गणमान्य लोगों की उपस्थिति में चयनित निपुण विद्यार्थियों का सम्मान किया जाएगा। इन निपुण विद्यार्थियों को बाकी छात्रों के लिए मिसाल के तौर पर पेश किया जाएगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत प्रदेश में विभिन्न गतिविधियों में तेजी लाने के निर्देश दिए थे। इन गतिविधियों के लिए कुछ मानक भी तय किए गए थे, ताकि 2025-26 तक निपुण लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। निपुण भारत मिशन के अंतर्गत कक्षा 1-3 में अध्ययनरत विद्यार्थियों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने एवं कक्षा के अनुरूप स्तर पर लाने के प्रयास किए जा रहे हैं।

बच्चों की निपुण दक्षता का होगा आकलन- महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद की ओर से सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों के प्राचार्यों व जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों को इस संबंध में आदेशित किया गया है। आदेश के अनुसार निपुण विद्यार्थी सम्मान के लिए कक्षा 1 से 3 के वे बच्चे पात्र होंगे जो अपनी कक्षा के हिंदी व गणित विषयों के निपुण लक्ष्यों को हासिल कर लेंगे। ऐसे बच्चों को विद्यालय स्तर पर सम्मानित किया जाएगा। इससे विद्यालय व जन समुदाय में सकारात्मक वातावरण बनेगा। साथ ही अन्य बच्चे भी प्रेरित व प्रोत्साहित होंगे। इसी क्रम में निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से बच्चों की निपुण दक्षता का आकलन कराए जाने का निर्णय लिया गया है। यह आकलन प्राचार्य डायट के नेतृत्व में डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा सुनिश्चित किया जाएगा। समारोह में बच्चों के अभिभावक व अन्य गणमान्य लोगों को भी आमंत्रित किया जाएगा तथा निपुण विद्यार्थी को सम्मानित करते हुए उन्हें एक बैज प्रदान किया जाएगा। इससे समुदाय के साथ विद्यालय का जुड़ाव भी बेहतर ढंग से हो सकेगा।

ऐसे होगी निपुण विद्यार्थियों की पहचान- डायट प्राचार्य के निर्देशन में वर्तमान सत्र (जनवरी से मार्च 2023) के लिए एक रोस्टर तैयार किया जाएगा जिसमें सभी डीएलएड प्रशिक्षुओं को विद्यालय आवंटित किए जाएंगे। आकलन वाले दिन ये प्रशिक्षु आवंटित विद्यालयों का भ्रमण करेंगे। रोस्टर इस प्रकार से बनाने के निर्देश दिए गए हैं कि माह जनवरी से मार्च तक जनपद के समस्त विद्यालयों में एक बार बच्चों का निपुण लक्ष्य एप पर आकलन पूर्ण हो जाए। 2 डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा संयुक्त रूप से प्रतिमाह 5 कार्यदिवसों में 10 विद्यालयों (2 विद्यालय प्रति कार्यदिवस) का भ्रमण किया जाएगा। प्रशिक्षुओं द्वारा कक्षा 1-3 के बच्चों का रैंडम आधार पर निपुण लक्ष्य एप के माध्यम से आकलन किया जाएगा। प्रत्येक प्रशिक्षु द्वारा एक विद्यालय में 30 बच्चों (प्रत्येक कक्षा में 10 बच्चे) का निपुण लक्ष्य एप पर मूल्यांकन किया जाएगा।

डीएलएड प्रशिक्षुओं को दी जाएगी ट्रेनिंग- राज्य सरकार के एक प्रवक्ता ने बताया कि आकलन की प्रक्रिया को गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने तथा निपुण लक्ष्य एप का प्रयोग कर आकलने करने पर समझ व कौशल बनाने के लिए समस्त डायट प्राचार्य एवं डीएलएड प्रशिक्षुओं का ऑनलाइन प्रशिक्षण कराया जाएगा। डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा स्वयं के स्मार्टफोन या टैबलेट के माध्यम से नामांकित बच्चों का आकलन किया जाएगा। इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि शिक्षक या डीएलएड प्रशिक्षुओं द्वारा बच्चों को सही उत्तर के संबंध में किसी प्रकार की मदद न की जाए। उत्तरों को दर्ज करने के पश्चात निपुण लक्ष्य एप पर स्वतः ही बच्चों के परिणाम आ जाएंगे तथा यह ज्ञात हो जाएगा कि विद्यालय के कितने बच्चे निपुण हैं। इसी आधार पर शिक्षकों द्वारा बच्चों को आवश्यकता आधारित समर्थन प्रदान किया जाएगा। आकलन के बाद प्राप्त परिणाम का डेटा विद्यालय के प्रधानाध्यापक तथा शिक्षकों से साझा किया जाएगा तथा मासिक प्रगति की संकलित सूचना प्राचार्य डायट एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को भी भेजी जाएगी। प्रत्येक डीएलएड प्रशिक्षु को प्रत्येक कार्यदिवस हेतु 500 रुपए की प्रोत्साहन राशि का भी भुगतान किया जाएगा। इसके अतिरिक्त अन्य कोई भत्ता नहीं प्रदान किया जाएगा।

राहुल गांधी को निकालना चाहिए माफी-मांगों यात्रा : केशव प्रसाद मौर्य

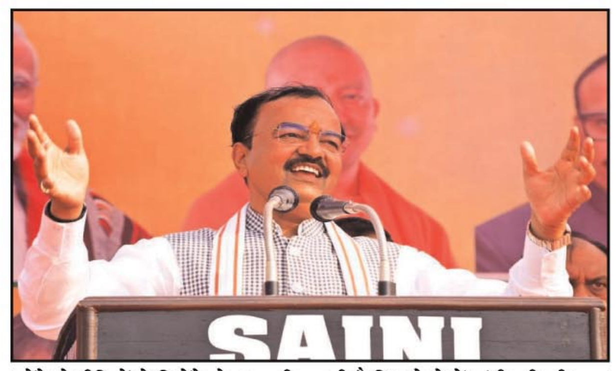

लखनऊ, (हि.स.)। भाजपा के वरिष्ठ नेता व उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने गुरुवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा पर तंज कसा है। उन्होंने ट्वीट कर कहा है कि राहुल गांधी को भारत-जोड़ो-यात्रा नहीं, कांग्रेस सरकारों के समय किए महापापों के लिए, माफी-मांगों-यात्रा निकालना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने जिक्र किया कि चीन को संयुक्त राष्ट्र संघ की स्थायी सदस्यता और भारतीय भू-भाग गंवाने, धारा-370 लगाने, सिखों का नरसंहार करने, आपातकाल और संघ पर प्रतिबंध लगाने के लिए माफी मांगों यात्रा निकालना चाहिए। मौर्य ने कहा कि राहुल गांधी आज आप कैराना जा रहे हैं, सपा सरकार में वहां के व्यापारियों को कश्मीर की तरह पलायन को मजबूर और भाजपा सरकार में सम्मान से वापसी हुई, यदि मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करेंगे तो पीड़ितों से मिलेंगे, प्रेम पुजारी आपकी कथनी व करनी का सच देश को पता चलेगा। उपमुख्यमंत्री ने कहा है कि भाजपा सरकार हर वर्ग को खास तौर पर गरीबों को सर्दी से राहत दिलाने के लिए दिन रात काम कर रही है। रोज कमाने खाने वालों के लिए सरकार ने जगह-जगह रैन बसेरा बना रखा है तथा अलाव की व्यवस्था की है। मौर्य ने प्रदेशवासियों से अपील की है कि कोहरे में लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें और सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करें। पूरे प्रदेश में शीत लहर से तापमान तेजी से गिर रहा है तथा ठंड बढ़ रही है। इसीलिए शीतलहर में आप अपना और अपने परिजनों का ध्यान रखें। मौसम के बदलते हुए स्वरूप को समझकर उसके अनुसार अपने-अपने प्रतिदिन के कार्यों को करें।

जिलाधिकारी ने जलीलपुर ब्लॉक में अस्थायी गौ आश्रय का उद्घाटन किया

बिजनौर, (हि.स.)। जिलाधिकारी बिजनौर ने गुरुवार को विकास खण्ड जलीलपुर की ग्राम पंचायत जलीलपुर में 100 गोवंश वाले नवनिर्मित अस्थायी गौ आश्रय स्थल का उद्घाटन किया। जिलाधिकारी ने उद्घाटन करते हुए बताया कि इस गौ आश्रय स्थल की क्षमता 100 गोवंश संरक्षित करने की है। गौ आश्रय स्थल पर अभी 20 गोवंश संरक्षित किये गए हैं। गौ आश्रय स्थल पर स्वच्छ पेयजल, हरा चारा व भूसा आदि की पर्याप्त व्यवस्था है तथा एक केयरटेकर की भी अस्थायी रूप से व्यवस्था की गयी है। मौके पर उपस्थित खण्ड विकास अधिकारी को विद्युत व्यवस्था सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये गये। ग्राम में बने पशु रजिस्टर की समीक्षा की गयी। उपस्थित ग्रामवासियों को जानकारी दी गयी कि आवारा पशुओं की समस्या से निपटने के लिए सभी ग्रामवासियों का सहयोग अपेक्षित है। ग्राम में पशुओं का रजिस्टर बन गया है, कोई भी ग्रामवासी अपने पशुओं को खुला न छोड़े, सभी ग्रामों में नियमित सर्वे कराया जा रहा है, यदि कोई व्यक्ति अपने पशुओं को खुला छोड़ता है, तो उस व्यक्ति की पहचान ग्राम में बने पशु रजिस्टर से करते हुए उसके विरूद्ध पशु क्रूरता अधिनियम के अन्तर्गत कार्यवाही करायी जायेगी। उद्घाटन के समय उप जिलाधिकारी चान्दपुर, खण्ड विकास अधिकारी, जलीलपुर, पुलिस क्षेत्राधिकारी, चान्दपुर व थानाध्यक्ष चान्दपुर, सम्बन्धित ग्राम पंचायत सचिव, ग्राम प्रधान व अन्य ग्रामवासीगण उपस्थित रहे।

गूंगी-बाहरी सरकार को लोकसभा चुनाव में सत्ता से बाहर करेगी जनता : रालोद

लखनऊ,(हि.स.)। उप में हुए उपचुनाव में पश्चिमी यूपी की जनता ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को मुंहतोड़ जवाब दिया है। यह सबक है जनविरोधी और किसान विरोधी ताकतों के लिए। यह बात खास बातचीत में राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष मनजीत सिंह ने कही। उन्होंने गुरुवार को बताया कि मुजफ्फरनगर की खतौली विधानसभा सीट पर बीते दिनों हुए उपचुनाव में जनता ने गठबंधन प्रत्याशी मदन भैया को जीत मिली है। यह किसान, बेरोजगार, नौजवान, मंहगाई से त्रस्त जनता का सत्ता में बैठी भाजपा सरकार के लिए लोकसभा चुनाव से पूर्व नाराजगी का संकेत है। आगे आने वाले लोकसभा चुनाव में देश एवं प्रदेश की जनता गूंगी बहरी सरकार को सत्ता से बाहर कर देगी। रालोद कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा खुद को किसान का हितैषी बताती है, लेकिन असल में यह उनकी विरोधी है। लगातार उप में किसानों का शोषण किया जा रहा है इसलिए गन्ने के नये मूल्य घोषित करने से योगी सरकार कतरा रही है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष चौधरी जयन्त सिंह के निर्देश पर पार्टी द्वारा पूरे प्रदेश में किसान संदेश अभियान की शुरुआत की गयी है जिसमें गन्ने का नये लाभकारी मूल्य घोषित कराने व बकाया भुगतान की मांग को लेकर किसानों के एक लाख से अधिक पत्र प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को भेजे जा रहे हैं। इससे पूर्व विधानसभा की सदस्यता लिए, जाने पर बीते दिनों राष्ट्रीय लोकदल के नवनिर्वाचित विधायक मदन भैया का प्रदेश मुख्यालय पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया था। विधायक ने कहा कि खतौली की जनता ने राष्ट्रीय लोकदल को अपना अपार स्नेह और आशीर्वाद दिया है।

सपा ने यूपी के नौसेना जवान की मौत पर जताया दुख

लखनऊ, (हि.स.)। समाजवादी पार्टी (सपा) ने केरल में हृदय गति रुकने से यूपी के प्रतापगढ़ निवासी नौसेना जवान की मौत पर दुख व्यक्त किया है। सपा ने शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की है। समाजवादी पार्टी के अधिकारिक ट्वीटर अकाउंट से गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि भारतीय नौसेना के जवान प्रतापगढ़ निवासी राजकुमार मौर्या केरल के कोचीन में हृदय गति रुकने से शहीद हो गए, अत्यंत दुःखद! ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं। भावभीनी श्रद्धांजलि!

एलआईसी में अंतरराष्ट्रीय सम्मान के लिए चुने गए मनोज गुप्ता

हरदोई,(हि. स.) भारतीय जीवन बीमा निगम के जोनल मैनेजर क्लब सदस्य एवं नगर निवासी मनोज गुप्ता को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान दिया जाएगा। इस सर्वोच्च सम्मान के लिए चुने जाने पर उनके शुभचिंतकों में हर्ष की लहर है। एलआईसी के मैनेजर अमित ओमर ने बताया कि 2022-23 सत्र में मनोज गुप्ता ने उत्कृष्ट कार्य कर एलआईसी में अपने झंडे फहराए हैं। उन्होंने बताया कि (मनोज गुप्ता) को बीमा क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सम्मान मिलेगा। श्री गुप्ता ने लगातार 5 वर्षों से पालिसी के आधार पर प्रथम स्थान प्राप्त किया है तथा यह उनको दूसरी बार सम्मान मिलेगा। मनोज गुप्ता को बरेली मंडल में विश्व स्तर के सम्मान के लिए चुना गया है। बताते हैं कि उन्हें जून में यह सम्मान प्रदान किया जाएगा। यह सम्मान उन्हें बीमा क्षेत्र के अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाले सम्मेलन में दिया जाएगा। इसे लेकर उनके साथियों में हर्ष की लहर है। यह सम्मेलन यूएसए में आयोजित होगा। भारतीय जीवन बीमा निगम में इस सम्मान को एमडीआरटी सम्मान कहा जाता है। बीमा क्षेत्र में यह बेहद श्रेष्ठ एवं सफलतम सम्मान माना जाता है। चीफ मैनेजर अजय शर्मा, अमित ओमर, सतीश चंद्रा, विवेक चौहान, ओपी सागर, अरुण त्रिपाठी ने उनको शुभकामनाएं भी दी हैं। गौरतलब है कि श्री गुप्ता पूर्व में पत्रकारिता क्षेत्र से भी जुड़े रहे हैं। सीएलआईए मैनेजर विवेक चौहान ने बताया कि इस सत्र में 160 पॉलिसी कर पहले पायदान पर बने हुए हैं तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बीमा अभिकर्ताओं के सम्मेलन में उन्हें यह सम्मान दिया जाएगा, जिसके लिए उन्हें शीघ्र ही भारतीय जीवन बीमा निगम की ओर से न्यौता भी दिया जाएगा।

कल्याण सिंह का प्रेरणादायी जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय : योगी

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. कल्याण सिंह की जयंती पर आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत भाजपा के वरिष्ठ नेताओं ने श्रद्धांजलि अर्पित की है। योगी आदित्यनाथ ने ट्वीट कर लोकप्रिय जननेता, सुशासन के संवाहक, श्री राम जन्मभूमि मंदिर आंदोलन के अग्रदूत, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री, पद्म विभूषण श्रद्धेय कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि दी है। उन्होंने अपने संदेश में कहा है कि राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित बाबू जी का प्रेरणादायी जीवन हम सभी के लिए अनुकरणीय है। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने भी उप्र के पूर्व मुख्यमंत्री, राजस्थान व हिमाचल प्रदेश के पूर्व राज्यपाल एवं पद्म विभूषण से सम्मानित श्रद्धेय कल्याण सिंह बाबूजी की जयंती पर उन्हें नमन किया है। केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि गरीबों, वंचितों एवं पिछड़ों को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने तथा उनका उत्थान करने के लिए आपको सदैव स्मरण किया जाएगा। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने ट्वीट किया कि श्रीराम जन्मभूमि के आंदोलन के अग्रणी नायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय कल्याण सिंह की जयंती पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं। श्रद्धेय बाबूजी जी ने सेवा, सुशासन एवं सामाजिक न्याय के लिए जो अतुलनीय आदर्श स्थापित किए हैं, वो सदैव प्रेरणादायक रहेंगे।

महापौर ने स्व. कल्याण सिंह की प्रतिमा पर किया पुष्पार्चन- लखनऊ की महापौर संयुक्ता भाटिया ने लखनऊ नगर निगम के सामने लगी कल्याण सिंह की प्रतिमा पर पुष्पार्चन कर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर भाजपा नेता विन्ध्यवासिनी कुमार और रजनीश गुप्ता प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

बेसिक शिक्षा में नवाचार के लिए मनीष मिश्रा को मिला राष्ट्र रत्न पुरुस्कार

औरैया, (हि.स.)। कुरुक्षेत्र हरियाणा में आयोजित नवोदय क्रांति परिवार भारत द्वारा राष्ट्रीय आवासीय कार्यशाला का आयोजन एक से तीन जनवरी तक किया गया। जिसमें पूर्व माध्यमिक विद्यालय नियामतपुर अजीतमल औरैया के शिक्षक मनीष मिश्रा ने बेसिक शिक्षा व सरकारी स्कूलों में सुधार के लिए कई सुझाव दीजिए। इन सुझावों से प्रभावित होकर आयोजकों ने मनीष मिश्रा को राष्ट्रीय स्तर का राष्ट्र रत्न सम्मान से सम्मानित किया है। यह जानकारी गुरुवार को उनके जनपद पहुंचने पर दी गई। नवोदय क्रांति परिवार भारत द्वारा आयोजित आवासीय कार्यशाला में मनीष मिश्रा को आमंत्रित किया गया। जिसमें मनीष मिश्रा द्वारा स्वयं खर्च टी एल एम, सुंदर लेखन, योगा, खेल खेल में शिक्षण गतिविधियां, शैक्षिक गतिविधियां, वैदिक गणित, नई शिक्षा पॉलिसी आदि कई बिंदुओं पर अपने सुझाव कार्यशाला में प्रस्तुत किए। इस कार्यशाला में पूरे भारतवर्ष से कुल 16 प्रदेशों के 130 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम शुभारंभ अमेरिका के शिक्षाविद श्री ओम प्रकाश वर्मा ने आनलाइन किया। राष्ट्रीय कार्यशाला के समापन के अवसर पर मुख्य अतिथि अफ्रीका के डा0 शिवदान सिंह तरार ने एव नवोदय क्रांति परिवार के संस्थापक संदीप ढिल्लो जी कार्यशाला में उत्कृष्ट प्रस्तुतीकरण एवं सुझाव देने पर मनीष मिश्रा को राष्ट्र रत्न सम्मान से सम्मानित किया।

मोतिहारी सांसद को लोगों ने चांदी के सिक्के तौला था, फिर भी हालात जस की तस : प्रशांत किशोर

मोतिहारी,(हि.स.)। जन सुराज पदयात्रा के दौरान पिपराकोठी प्रखंड के पंडितपुर गांव में आम सभा को संबोधित करते हुए प्रशांत किशोर ने कहा कि मोतिहारी में हूं,तो किसी ने मुझे आकर बताया कि मोतिहारी के लोगों ने पांच बार से सांसद रहे राधा मोहन सिंह को चांदी के सिक्कों से तौला था।ऐसे में मैं कहना चाहता हूं कि आपने उन्हें चांदी के सिक्कों से तौला चाहे नहीं तौला, पर लोगों ने वोट करके उन्हें सोने के तिजोरी में बैठा तो दिया।फिर भी आज बेरोजगारी,भ्रष्टाचार,खेती किसानी,यूरिया संकट और न जाने कितनी परेशानियों से आप लोग क्यूं घिरे हैं। प्रशांत किशोर ने कहा कि इतनी समस्या से घिरने के बाद भी आप लोग एक ही व्यक्ति को पांच बार से कैसे जीता रहे हैं ? उन्होंने कहा कि गलती तो हम जनता में है,जो काम नहीं करने वाले नेताओं को सत्ता की कुर्सी में बार बार बिठाते हैं। प्रशांत ने कहा कि बिहार में शायद ही ऐसा कोई परिवार होगा जिसके घर से कोई आदमी रोजगार के लिए दूसरे राज्यों में नहीं गया होगा। आज बिहार में एक बार कोई जवान हो गया तो अपने पीठ पर झोला लेकर रोजगार की तलाश में दूसरे राज्यों में चला जाता है। अगर आपने उन्हें ट्रेन में जाते देखा होगा, तो पाया होगा कि भेड़-बकरी की तरह ट्रेन से जा रहे होते हैं दूसरे राज्यों में मजदूरी करने। उन्होंने कहा कि गरीब घर के मां-बाप अपने बेटे को पेट काट व स्वयं भूखे पेट रहकर बच्चों को जवान करते हैं,फिर मजबूरी में काम करने के लिए दूसरे राज्यों में भेज देते हैं। पूरी जवानी दूसरे राज्यों में काम करते है और साल में एक बार छठ में आते है। परदेश में छोटे-छोटे कमरों में 4 से 5 लोग रहते हैं और 12 से 14 घंटे ओवर टाइम काम करते हैं ताकि 12-15 हजार रुपये मिल सके, जिसमें से 5 से 6 हजार अपने घरों में भेज सके ताकि उनका बच्चा घर पर भूखे पेट न सोए,लेकिन ये हालात बदलनी चाहिए।

भागलपुर के कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा समेत सात को एक साल की सजा और जुर्माना

पटना /भागलपुर,(हि.स.)। भागलपुर के एमपी-एमएलए कोर्ट ने कांग्रेस के भागलपुर विधायक सह बिहार विधानमंडल दल के नेता अजीत शर्मा समेत सात दोषियों को एक साल की सजा सुनाया है। साथ ही आर्थिक जुर्माना भी लगाया है। कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा समेत सात लोगों पर साल 2020 के विधानसभा चुनाव में वोटिंग के दौरान चुनाव कार्य में बाधा डालने का आरोप है। एमपी-एमएलए कोर्ट के विशेष न्यायाधीश विवेक कुमार सिंह ने बुधवार को सभी को दोषी मानते हुए सजा सुनाया। सजा पाने वालों में कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा के अलावा मो. रियाजउल्ला अंसारी, मो. शफकतउल्ला, मो. नियाजउल्ला उर्फ आजाद, मो. मंजरउद्दीन उर्फ चुन्ना, मो. नियाजउद्दीन और मो. इरफान खान उर्फ सिंटू हैं। विशेष जज ने धारा 341 में 15 दिन और धारा 353 के तहत एक-एक साल की सजा और एक हजार रुपये का जुमार्ना लगाया है। सजा में डिफाल्ट होने पर तीन हजार रुपये का जुर्माना देना होगा। कोर्ट ने सजा के बाद सभी को प्रोविजनल बेल दे दी। इस दौरान कांग्रेस विधायक अजीत शर्मा समेत सभी सात अभियुक्त कोर्ट में मौजूद रहे। उल्लेखनीय है कि विधानसभा चुनाव के दौरान 3 नवंबर, 2020 को भीखनपुर के समीप चलंत मतदान केंद्र को विधायक अजीत शर्मा ने जमात के साथ घेर लिया था। अजीत शर्मा ने चलंत मतदान केंद्र के साथ चल रहे दंडाधिकारी बाल्मीकि कुमार से अभद्रता भी की थी। उस समय अधिकारी के रूप में मौजूद आईटीआई के निदेशक मुनीर निवासी बाल्मीकि कुमार ने चुनाव कार्य में बाधा डालने का आरोप लगाते हुए इशाकचक थाने में यह केस दर्ज कराया था।

समाधान यात्रा का मकसद जिलों में हुए विकास कार्यों का जायजा लेना है : मुख्यमंत्री

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने गुरुवार को पश्चिम चंपारण (बेतिया) जिले से समाधान यात्रा का शुभारंभ किया। भ्रमण के दौरान पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री ने कहा कि यात्रा का मकसद है कि जिलों में अलग-अलग जगहों पर जाकर देखें कि वहां पर कितना काम हुआ है। जो काम चल रहा है उसमें कितना प्रोग्रेस हुआ है। काम पूरा करने में कोई बाधा तो नहीं आयी है। समय पर काम पूरा हुआ है या नहीं। अगर काम पूरा हो गया है तो आगे और क्या होना चाहिए। सीएम ने कहा कि यहां पर आकर हमने सभी चीजों को देखा है। यहां पर जो काम हुए है उसे देखकर मुझे अच्छा लगा। जो काम अभी पूरा नहीं हुआ है उसको लेकर हमने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि इसे जल्द से जल्द पूरा करायें। अधिकारियों को सभी जगहों पर चल रहे कार्यों को देखना है। उसे रिपोर्ट करना है। एक से डेढ़ महीने के बाद हम सभी अधिकारियों से पूछेंगे कि चल रहे विकास कार्यों का क्या हुआ, कितना प्रोग्रेस हुआ है। साथ चल रहे अधिकारी एक-एक प्वाइंट को नोट कर रहे हैं ताकि कोई चीज छूटे नहीं। समाधान यात्रा को लेकर की जा रही राजनीति के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि जिसको जो मन में आये वो बोले। हमको इससे कोई लेना-देना नहीं है। हम काफी पहले से घूमते रहे हैं। कोई पहली बार नहीं घूम रहे हैं। पहले भी हम विभिन्न जगहों पर जाकर देखते रहे हैं। देश की यात्रा करने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि अभी हम बिहार की यात्रा पर हैं। काफी दिनों से हम बिहार में काम करवा रहे हैं। हम चाहते हैं कि अगर कहीं कुछ पेंडिंग काम है तो, उसे पूरा करवा दें। हमें आगे भी विकास का कार्य करना है। समाधान यात्रा के बाद विधानसभा का सत्र है, उसके बाद आगे इन चीजों को देखेंगे। इससे पहले आज वाल्मीकिनगर अतिथि भवन प्रांगण में स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं नेताओं ने मुख्यमंत्री को पुष्प गुच्छ भेंटकर उनका अभिनंदन किया एवं 'समाधान यात्रा' प्रारंभ करने के लिए धन्यवाद दिया। समाधान यात्रा के पहले दिन मुख्यमंत्री ने प्रखंड बगहा - 2 के संतपुर सोहरिया पंचायत अंतर्गत दरुआबारी ग्राम में सरकार द्वारा चलाई जा रही विकास कार्यों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में मुख्यमंत्री ने समेकित थरुहट विकास अभिकरण अंतर्गत सामुदायिक भवन सह वर्कशेड का शिलान्यास एवं कार्यारंभ किया। इस क्रम में मुख्यमंत्री ने लाभुकों के बीच सतत जीविकोपार्जन योजना अंतर्गत किट का वितरण किया। दरुआबारी ग्राम में मुख्यमंत्री सोलर स्ट्रीट लाइट योजना, नल-जल योजना एवं जल-जीवन-हरियाली योजना अंतर्गत पोखरा के सौंदर्यीकरण कार्य का मुख्यमंत्री ने जायजा लिया। दरुआबारी पोखरा के सौंदर्यीकरण कार्य का निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने पोखरा में मछली छोड़ा। बिहार महादलित विकास मिशन के तहत संचालित रमाबाई किशोरी समूह, दरुआबारी के छात्राओं से मिलकर मुख्यमंत्री ने उनकी समस्याएं सुनी और उसके त्वरित समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिया। दरुआबारी ग्रामीणों की मांग पर मुख्यमंत्री ने गांव तक सुगमतापूर्वक आवागमन के लिए सड़क बनाने का अधिकारियों को निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि इस काम में विलंब नहीं होनी चाहिए और सड़क के दोनों तरफ वृक्षारोपण जरूर करायें। मुख्यमंत्री ने विश्व मानव सेवा आश्रम, नरकटियागंज द्वारा दरुआबारी ग्राम में लगाए गए स्टॉल का अवलोकन किया। विश्व मानव सेवा आश्रम के संस्थापक शत्रुघ्न झा ने बुनकरों द्वारा चरखा से सूत काटने एवं खादी का कपड़ा बनाने के विषय में मुख्यमंत्री को जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी नई पीढ़ी के लोग गांधी जी को याद रखें हैं, यह बहुत अच्छी बात है। मुख्यमंत्री ने पारसनगर में बांध की ऊंचाई और अधिक बढ़ाने का निर्देश दिया ताकि नदी तट के आसपास रहनेवाले लोग प्रभावित न हों।

संपादकीय

विदेश मंत्री ने पाकिस्तान को घेरा

आतंकवाद पर भारत की नीति एकदम स्पष्ट है। अब भारत बिना किसी लागलपेट के आतंकवाद के पैरोकारों को आईना दिखाने का काम करता है। जबसे एस. जयशंकर विदेश मंत्री बने हैं, तब से भारत की विदेश नीति में आमूलचूल परिवर्तन दिखाई दे रहा है। अब भारत अंतरराष्ट्रीय मंचों पर आत्मविश्वास के साथ अपनी बात रखता है। दुनिया के अनेक देश भारत के विदेश मंत्री के वक्तव्यों को गंभीरता से सुनते हैं। ऑस्ट्रिया के दौरे पर विदेश मंत्री जयशंकर ने पत्रकारों से बात करते हुए आतकंवाद के पोषक पाकिस्तान की बखिया उघाड़ दी। पत्रकार ने जब उनसे पूछा कि "आप डिप्लोमेट रहे हैं लेकिन कुछ हफ्ते पहले आपने अपने पड़ोसी पाकिस्तान को आतंकवाद का केंद्र कहा था। यह शब्द डिप्लोमेटिक तो नहीं है"। इस पर जयशंकर ने जो जवाब दिया, वह सीखने और समझने लायक है। उन्होंने बिना किसी संकोच के तत्काल उत्तर दिया कि वह चाहें तो इससे भी कड़े शब्दों का उपयोग कर सकते हैं। एक राजनयिक का काम बातों को घुमा-फिराकर कहना नहीं है। हमारे साथ जो कुछ घट रहा है, उसे देखते हुए 'केंद्र' ज्यादा डिप्लोमेटिक शब्द है। यकीनन आतंकवाद को बढ़ाने में जिस तरह की भूमिका पाकिस्तान की है, उसे देखकर पाकिस्तान को और भी बहुत कुछ संज्ञाएं दी जा सकती हैं। पाकिस्तान ने जिस तरह से मानवता के दुश्मन दैत्य आतंकवाद को खड़ा किया है, उसको लेकर यदि किसी प्रकार की ढुलमुल नीति ही अपनायी जाती रहेगी, तब आतंकवाद का खत्म होना बहुत मुश्किल है। भारत यही तो कहता आया है कि आतंकवाद पर दो मुंह नहीं होने चाहिए। सबको एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध कठोर निर्णय लेने ही होंगे। चूँकि ज्यादातर देश डिप्लोमेसी में ही फंसे हुए हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद से निपटने के लिए अभी तक कोई एक नीति नहीं बन सकी है। उन्हें आतंकवाद से लड़ना तो है लेकिन आतंकवाद का पोषण करनेवाले देशों के प्रति कठोर नहीं होना है। जब डिप्लोमेसी का उपयोग स्वार्थपूर्ति के लिए हो, तब उसका कोई अर्थ नहीं रह जाता है। भारत यह ढुलमुल रवैया लेकर आतंकवाद से नहीं लड़ सकता। इसलिए उसने अपना संकल्प पहले ही जाहिर कर दिया है कि आतंकवाद पर वह शून्य सहनशीलता की नीति का पालन करेगा। जिस पाकिस्तान ने पिछले 70 वर्षों में भारत को अस्थिर करने और उसे हजार जगहों पर घाव देने के उद्देश्य से सीमापार से आतंकवाद को बढ़ावा दिया हो, उसे भारत आतंकवाद की जननी या आतंकवाद का केंद्र नहीं कहेगा, तब क्या कहेगा? असल में पाकिस्तान को तो आतंकवादियों का सरदार कहना चाहिए। भारत में आतंकवादी हमले करनेवाले खूंखार आतंकी पाकिस्तान में शरण पा रहे हैं। अमेरिका को दहलानेवाला आतंकी ओसामा बिन लादेन ने भी पाकिस्तान में जाकर ही शरण ली थी। पाकिस्तान की सेना हो या फिर सत्ता, दोनों ही न केवल आतंकी गिरोहों का उपयोग करती हैं अपितु उनका प्रशिक्षण भी सम्पन्न कराती हैं। इसलिए पाकिस्तान के लिए 'आतंकवाद का केंद्र' शब्द का उपयोग कहीं से भी असंसदीय और गैर-राजनीतिक नहीं हैं। बहरहाल, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पाकिस्तान को बेनकाब करने रहने के ये प्रयास जारी रखने चाहिए।

> भारत यही तो कहता आया है कि आतंकवाद पर दो मुंह नहीं होने चाहिए। सबको एकजुट होकर आतंकवाद के विरुद्ध कठोर निर्णय लेने ही होंगे। चूँकि ज्यादातर देश डिप्लोमेसी में ही फंसे हुए हैं, इसलिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद से निपटने के लिए अभी तक कोई एक नीति नहीं बन सकी है। उन्हें आतंकवाद से लड़ना तो है लेकिन आतंकवाद का पोषण करनेवाले देशों के प्रति कठोर नहीं होना है। जब डिप्लोमेसी का उपयोग स्वार्थपूर्ति के लिए हो, तब उसका कोई अर्थ नहीं रह जाता है। भारत यह ढुलमुल रवैया लेकर आतंकवाद से नहीं लड़ सकता। इसलिए उसने अपना संकल्प पहले ही जाहिर कर दिया है कि आतंकवाद पर वह शून्य सहनशीलता की नीति का पालन करेगा। जिस पाकिस्तान ने पिछले 70 वर्षों में भारत को अस्थिर करने और उसे हजार जगहों पर घाव देने के उद्देश्य से सीमापार से आतंकवाद को बढ़ावा दिया हो, उसे भारत आतंकवाद की जननी या आतंकवाद का केंद्र नहीं कहेगा, तब क्या कहेगा? असल में पाकिस्तान को तो आतंकवादियों का सरदार कहना चाहिए। भारत में आतंकवादी हमले करनेवाले खूंखार आतंकी पाकिस्तान में शरण पा रहे हैं। अमेरिका को दहलानेवाला आतंकी ओसामा बिन लादेन ने भी पाकिस्तान में जाकर ही शरण ली थी। पाकिस्तान की सेना हो या फिर सत्ता, दोनों ही न केवल आतंकी गिरोहों का उपयोग करती हैं अपितु उनका प्रशिक्षण भी सम्पन्न कराती हैं।

एक भक्त का कोई काम हो जाता है तो वह श्रद्धावश बाबाजी की प्रशंसा के गीत गाने लग जाता है

श्रद्धा का मकडज़ाल...

पी. के. खुराना

> यह धर्म-भीरुता बहुत खतरनाक है जो अंततः सिर्फ अपराध को ही बढ़ाने के काम आएगी। ऐसे बाबाओं के खिलाफ जब कानूनी कार्रवाई होने लगती है तो अक्सर बड़ी संख्या में उनके भक्त कानून और प्रशासन के विरोध में सडक़ों पर उतर आते हैं, रास्ते जाम करते हैं, तोडफोड़ करते हैं और धन-संपत्ति का नुकसान करने या हिंसा फैलाने से भी गुरेज नहीं करते। यह हमारे समाज की कमजोरी है। हमें खुद इससे उबरना होगा और जनता में जागृति पैदा करनी होगी। इसके लिए सामाजिक व्यवस्था को दुरुस्त करना, न्याय को सस्ता और साध्य बनाना भी आवश्यक है वरना बहुत से भोले-भाले लोग ठग बाबाओं के षड्यंत्रों का शिकार होते रहेंगे।

यह दुनिया सतरंगी है, हर तरह के लोगों से मिलकर बनी है। कुछ लोग बहुत अच्छे हैं और कुछ लोग बहुत अच्छे के वेष में हैं। ऐसे लोगों में संत कहलाने वाले लोगों की भी कमी नहीं है। सतलोक आश्रम के स्वयंभू मुखिया और खुद को कबीर का अवतार बताने वाले रामपाल, बापू के नाम से प्रसिद्ध आसाराम, डेरा सच्चा सौदा के मुखिया गुरमीत राम रहीम के बारे में कुछ भी कहने की आवश्यकता नहीं है। पंजाब के नूरमहल में स्थित दिव्य ज्योति जागृति संस्थान के मुखिया आशुतोष की मृत्यु पर उनके उत्तराधिकारियों ने उन्हें 'समाधि में लीन' बताना आरंभ कर दिया। इस दौरान आश्रम व आश्रम की संपत्ति पर नियंत्रण को लेकर अदालत में मुकद्दमे भी आए, इसी से पता चलता है कि समाधि में लीन बताने की असलियत क्या है। जरूरी नहीं है कि ऐसे किसी आश्रम अथवा संस्थान से जुड़ा हर व्यक्ति पाखंडीस, झूठा या फरेबी हो, पर यह अवश्य हो सकता है कि वह श्रद्धावश सच्चाई को समझने की कोशिश ही न कर रहा हो। स्वर्गीय फिल्म अभिनेता विनोद खन्ना ने 12 वर्ष ओशो के आश्रम में काटे और फिर मोहभंग होने पर वापस फिल्मी दुनिया में लौट आए। ऐसा नहीं है कि ओशो विद्वान नहीं थे। उनके तर्क अकाट्य होते थे और वे मौलिक सोच के मालिक थे, लेकिन उनके जीवन के आखिरी कुछ वर्ष उनकी व्यक्तिगत असलियत बताने के लिए काफी थे। ओशो के अतिरिक्त बाल ब्रह्मचारी, साईं बाबा, निर्मल बाबा आदि को लेकर समय-समय पर विवाद होते रहे हैं, फिर भी देश में बाबाओं की संख्या और विवाद बढ़ते जा रहे हैं। वस्तुतः हमारे देश में 'गॉड इंडस्ट्री' खूब फल-फूल रही है। सवाल यह है कि ऐसा क्यों है? इसके कई कारण हैं। हमारे समाज में दलितों का शोषण एक आम बात है। उनकी बड़ी संख्या गरीबी, अशिक्षा और अभावों से भरपूर है। ऐसे लोगों को अध्यात्म के नाम पर फुसलाना कदरन आसान होता है। बाबाओं को दूसरा लाभ यह है कि बड़े पदों पर बैठे तथा समाज में प्रभाव रखने वाले कुछ लोग भी जब उनके शिष्य बन जाते हैं तो वे उनके माध्यम से अन्य शिष्यों के काम करवाना आरंभ कर देते हैं। शक्तिसंपन्न लोग ऐसा श्रद्धावश करते हैं और जिनका काम हो जाता है वे इसे 'गुरुजी का प्रसाद' और 'भगवद्कृपा' मानने लग जाते हैं, बिना यह समझे कि यह मात्र सांसारिक 'नेटवर्किंग' का कमाल है। ज्योतिषियों और बाबाओं का एक दूसरा वर्ग आभिजात्य वर्ग वाला भी है जो स्वयं पढ़े-लिखे हैं, अंग्रेजी में प्रवचन देते हैं और उद्योगपतियों, नौकरशाहों तथा बड़े राजनीतिज्ञों को 'आध्यात्मिक शांति' प्रदान करते हैं। उनके शिष्यों में इतने प्रभावशाली लोग होते हैं कि वे देश की नीतियों तक में परिवर्तन कर सकते हैं। यह भी सांसारिक नेटवर्किंग का ही उदाहरण है। अंधश्रद्धा के इस सिलसिले में पढ़े-लिखे और बुद्धिजीवी माने जाने वाले लोगों का भी जमघट इसलिए शामिल हो जाता है क्योंकि अक्सर उनका पेशेवर जीवन अत्यंत तनावपूर्ण होता है और इससे मुक्ति के लिए किसी गुरू की शरण में जाकर वे रीचार्ज हो जाते हैं और नई शक्ति के साथ अपने काम पर वापस लौटते हैं। ऐसे बाबाओं के शिष्य समाज के किसी भी वर्ग से हों, जब किसी एक भक्त का कोई काम हो जाता है तो वह श्रद्धावश बाबाजी की प्रशंसा के गीत गाने लग जाता है और उसे देख-देखकर शेष लोग भी बाबा जी के शिष्य बनने लगते हैं और बाबा जी का रुतबा बढ़ता चला जाता है। ऐसे बाबाओं की प्रसिद्धि में चिकित्सा व्यवसाय में प्रचलित उक्ति 'प्लैसीबो इफैक्ट' की भी बड़ी भूमिका है। उदाहरणार्थ किसी व्यक्ति की बीमारी प्रकृति प्रदत्त कारणों से या दवाइयों से ठीक हो गई लेकिन उसका श्रेय बाबाजी को मिल गया। प्रसिद्धिप्राप्त ऐसे किसी बाबा के शिष्यों की संख्या जब बढ़ जाती है तो वोट के खरीददार राजनीतिज्ञ उनके सामने शीश नवाने चले आते हैं। राजनीतिज्ञों का समर्थन पाकर ये बाबा लोग और भी निरंकुश हो जाते हैं। कुछ सत्ता के दलाल बन जाते हैं और अपने हित में सत्ता का दुरुपयोग करने लगते हैं। आज ऐसे बाबाओं की कमी नहीं है जो हजारों करोड़ का व्यवसाय करते हैं। अक्सर हम इन संतों के विवादित आचरण से दो-चार होते रहते हैं, परंतु धर्मभीरू भारतीय इन पर बहुत ज्यादा ध्यान नहीं देते। वोट लेने के लिए लगभग हर राजनीतिक दल के नेता इन बाबाओं की शरण में जाते रहते हैं। कांग्रेस, भाजपा, आम आदमी पार्टी आदि में से कोई भी इसका अपवाद नहीं है। यही बाबा जी अगर कानून के शिकंजे में आ जाएं तो सारे राजनीतिज्ञ उनसे पल्ला झाड़ लेते हैं। खेद का विषय यह है कि इन बाबाओं के बड़े-बड़े आश्रमों का जब अवैध निर्माण हो रहा होता है तो पुलिस, प्रशासन, राजनेता और मीडिया में से कोई भी शोर नहीं मचाता, उनकी पोल नहीं खोलता, उन पर कार्रवाई की मांग नहीं करता। उससे भी ज्यादा आश्चर्य का विषय है कि ये बाबा लोग अपनी निजी 'सेनाएं' बना लेते हैं, तब भी इनका विरोध नहीं होता और कोई दुर्घटना घट जाने के बाद ही जब इनकी शिकायत होती है तो समाज हरकत में आता है। अपराध होने से पहले अपराध की पृष्ठभूमि बनने दी जाती है। यह हमारे समाज और प्रशासन की सबसे बड़ी कमजोरी है। हम जब तक इस दृष्टिकोण से मुक्ति नहीं पाएंगे, इन कथित संतों के नए-नए अवतार उगते और फलते-फूलते रहेंगे। धार्मिक माने जाने वाले बहुत से संस्थान स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, वाचनालय, पुस्तकालय आदि चलाते हैं और समाज सेवा के कई अन्य कार्य भी करते हैं, जबकि समाज सेवा के कार्यों में लगने वाला यह पैसा उनकी कुल आय का बहुत छोटा-सा भाग होता है और समाज सेवा के सारे कार्य दिखावे के लिए किए जाते हैं ताकि समाज में उनकी अच्छी छवि बनी रहे। यह भी एक तथ्य है कि बहुत से धार्मिक संस्थान एनजीओ के रूप में रजिस्टर्ड हैं। हमारे समाज के बहुत से लोग अक्सर यह देख कर चुप रह जाते हैं कि बाबा लोग यदि कमाई कर रहे हैं तो कुछ न कुछ समाज का भला भी कर रहे हैं। लेकिन आधारभूत सवाल आय का नहीं है, बल्कि यह है कि ऐसे बहुत से धार्मिक अथवा आध्यात्मिक कहे जाने वाले संस्थान भ्रष्टाचार और दुराचार के अड्डे बन जाते हैं और जब तक उनके विरुद्ध शिकायतों की संख्या बहुत न बढ़ जाए, कोई उनका विरोध करने का साहस नहीं करता अथवा आवश्यकता ही नहीं समझता। यह धर्म-भीरुता बहुत खतरनाक है जो अंततः सिर्फ अपराध को ही बढ़ाने के काम आएगी। ऐसे बाबाओं के खिलाफ जब कानूनी कार्रवाई होने लगती है तो अक्सर बड़ी संख्या में उनके भक्त कानून और प्रशासन के विरोध में सडक़ों पर उतर आते हैं, रास्ते जाम करते हैं, तोडफोड़ करते हैं और धन-संपत्ति का नुकसान करने या हिंसा फैलाने से भी गुरेज नहीं करते। यह हमारे समाज की कमजोरी है। हमें खुद इससे उबरना होगा और जनता में जागृति पैदा करनी होगी। इसके लिए सामाजिक व्यवस्था को दुरुस्त करना, न्याय को सस्ता और साध्य बनाना भी आवश्यक है वरना बहुत से भोले-भाले लोग ठग बाबाओं के षड्यंत्रों का शिकार होते रहेंगे।

हल्द्वानी विरोध के स्वरूप ने साबित किया- 'शाहीन बाग' संयोग नहीं प्रयोग था जोकि दोहराया जा रहा है

> सुप्रीम कोर्ट पहुँच चुका है तो नेताओं को बड़बोले बयान देने की बजाय अदालत के आदेश का इंतजार करना चाहिए। वैसे हल्द्वानी में आंदोलन का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उससे एक बात साबित हो गयी है कि शाहीन बाग कोई संयोग नहीं बल्कि प्रयोग था जोकि अब जगह-जगह दोहराया जा रहा है। जहां तक हल्द्वानी मामले की बात है तो आपको बता दें कि अवैध कॉलोनी बताये जा रहे बनभूलपुरा के पांच हजार से ज्यादा घरों पर संकट मंडराने लगा है क्योंकि रेलवे ने अपनी जमीन पर कब्जा छुड़ाने के लिए जो याचिका दायर की थी उस पर सुनवाई के बाद उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने जमीन खाली कराने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद सियासत ऐसी शुरू हो गयी है कि इस पहाड़ी राज्य के नेताओं से लेकर हैदराबाद के ओवैसी तक इस मामले में कूद गये हैं। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुँच चुका है और पांच जनवरी को इस पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका स्थानीय निवासियों के साथ हल्द्वानी के कांग्रेस विधायक ने दाखिल की है। उनके वकील सलमान खुर्शीद हैं। दूसरी याचिका वकील प्रशांत भूषण ने दाखिल की है।

अवैध कॉलोनियों से जब भी अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाती है तो उसे सियासी लोग धार्मिक रंग देने का काम करते हैं। दिल्ली में पिछले साल एमसीडी का बुलडोजर शाहीन बाग समेत कई अन्य इलाकों में पहुँचा तो इस कार्रवाई को एक धर्म विशेष के लोगों के खिलाफ अभियान करार दिया गया। अब उत्तराखंड चर्चा में है क्योंकि हल्द्वानी रेलवे स्टेशन के पास रेलवे की जमीन पर बनी अवैध कॉलोनी से कब्जा हटाने का जो आदेश उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने दिया है उसके खिलाफ सियासत शुरू हो गयी है। एकदम शाहीन बाग के आंदोलन की तर्ज पर महिलाओं और बच्चों को ठंड के मौसम में आगे कर प्रदर्शन करवाया जा रहा है, कैंडल मार्च निकाले जा रहे हैं। यहाँ हमें समझना होगा कि सरकारी जमीन सार्वजनिक संपत्ति होती है किसी एक की बपौती नहीं। सरकारी जमीन से कब्जा छुड़वाने के प्रयास को अन्याय का रूप देना गलत है। देश संविधान से चलता है ना कि भावनात्मक या धार्मिक आधार पर। अब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुँच चुका है तो नेताओं को बड़बोले बयान देने की बजाय अदालत के आदेश का इंतजार करना चाहिए। वैसे हल्द्वानी में आंदोलन का जो स्वरूप दिखाई दे रहा है उससे एक बात साबित हो गयी है कि शाहीन बाग कोई संयोग नहीं बल्कि प्रयोग था जोकि अब जगह-जगह दोहराया जा रहा है। जहां तक हल्द्वानी मामले की बात है तो आपको बता दें कि अवैध कॉलोनी बताये जा रहे बनभूलपुरा के पांच हजार से ज्यादा घरों पर संकट मंडराने लगा है क्योंकि रेलवे ने अपनी जमीन पर कब्जा छुड़ाने के लिए जो याचिका दायर की थी उस पर सुनवाई के बाद उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने जमीन खाली कराने के निर्देश दिये हैं। इसके बाद सियासत ऐसी शुरू हो गयी है कि इस पहाड़ी राज्य के नेताओं से लेकर हैदराबाद के ओवैसी तक इस मामले में कूद गये हैं। यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट भी पहुँच चुका है और पांच जनवरी को इस पर सुनवाई होगी। सुप्रीम कोर्ट में एक याचिका स्थानीय निवासियों के साथ हल्द्वानी के कांग्रेस विधायक ने दाखिल की है। उनके वकील सलमान खुर्शीद हैं। दूसरी याचिका वकील प्रशांत भूषण ने दाखिल की है। रेलवे की 29 एकड़ जमीन पर अतिक्रमण हटाने के उत्तराखंड उच्च न्यायालय के निर्देश को चुनौती देने वाली याचिका पर प्रधान न्यायाधीश डी.वाई. चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति एस.ए. नजीर और न्यायमूर्ति पी.एस. नरसिम्हा सुनवाई करेंगे। हम आपको बता दें कि उत्तराखंड उच्च न्यायालय ने 20 दिसंबर को हल्द्वानी में बनभूलपुरा में रेलवे की जमीन पर अतिक्रमण करके बनाए गए ढांचों को गिराने के आदेश दिए थे। न्यायालय ने कहा था कि अगर जरूरत पड़े तो जिला प्रशासन अतिक्रमण हटाने के लिए पैरा मिलिट्री फोर्स की मदद ले, फिर भी कोई दिक्कत हो तो बलपूर्वक कार्रवाई की जाए। इसके बाद जगह खाली करने के लिए स्थानीय समाचार पत्रों की मदद से नोटिस दिये गये। जिसके बाद हल्द्वानी से कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश के नेतृत्व में क्षेत्र के निवासियों ने उच्च न्यायालय के फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती दी। इलाके के लोगों का कहना है कि वे लोग इस क्षेत्र में 70 साल से रह रहे हैं। वहां 20 मस्जिदें, 9 मंदिर, पानी की टंकी, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र, 1970 में डाली गई एक सीवर लाइन, दो इंटर कॉलेज और एक प्राथमिक विद्यालय है इसलिए यह क्षेत्र अवैध कब्जे वाला नहीं है। इलाके के लोगों का कहना है कि हम प्रधानमंत्री, रेल मंत्री और मुख्यमंत्री से अपील करते हैं कि वे इस तथा-कथित अतिक्रमण को हटाने पर मानवीय पहलू से विचार करें। इलाके के लोग सवाल उठा रहे हैं कि अगर यह रेलवे की जमीन थी तो सरकार ने इसे पट्टे पर कैसे दिया था? इस मामले में क्षेत्र के कांग्रेस विधायक सुमित हृदयेश ने कहा, "करीब सौ साल से इस क्षेत्र में लोग बसे हुए हैं। यहां 70 साल पुरानी मस्जिदें और मंदिर हैं। यहां नजूल जमीन, पूर्ण स्वामित्व वाली भूमि और लीजधारक हैं।" उन्होंने कहा, "रेलवे जिस 78 एकड़ जमीन को अपना बताता है, उसे खाली करने का विरोध करने के लिए हम व्यक्तिगत रूप से उच्च न्यायालय गये। हम उच्चतम न्यायालय भी गये जहां हमारे वरिष्ठ नेता सलमान खुर्शीद मामले की पैरवी कर रहे हैं लेकिन जिस सरकार ने जमीन पर स्कूल एवं अस्पताल बनवाये, उसने अपने नागरिकों की कोई परवाह नहीं की।'' विधानसभा में हल्द्वानी सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे सुमित हृदयेश ने हाल में प्रदर्शनकारियों के धरने में भी हिस्सा लिया था। हम आपको बता दें कि यह सीट पारंपरिक रूप से वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं उनकी मां इंदिरा हृदयेश जीतती थीं। जहां तक इस पूरे मामले का सवाल है तो आपको बता दें कि उत्तराखंड उच्च न्यायायल ने हल्द्वानी के इस इलाके में रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने का 20 दिसंबर को आदेश दिया था। न्यायालय ने अतिक्रमणकर्ताओं को वह जगह खाली करने के लिए एक हफ्ते का नोटिस देने का आदेश दिया था। हालांकि बनफूलपुरा के हजारों बाशिंदों ने अतिक्रमण हटाने का यह कहते हुए विरोध किया कि वे बेघर हो जायेंगे और स्कूल जाने वाले उनके बच्चों का भविष्य तबाह हो जाएगा। इस बीच, कांग्रेस ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भी अनुरोध किया है कि वे अतिक्रमण हटाने संबंधी इस आदेश पर मानवीय तरीके से विचार करें क्योंकि ऐसा होने पर हजारों लोग बेघर हो जाएंगे। उत्तराखण्ड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नाम एक खुला पत्र लिखते हुए इसे सोशल मीडिया पर शेयर भी कर दिया है। उन्होंने मुख्यमंत्री से अपील की है कि कानूनी पक्ष के इतर मानवीय दृष्टिकोण से मामले में कोई बीच का रास्ता निकालना चाहिए। हरीश रावत ने अपने पत्र के माध्यम से सवाल भी किया है कि यदि 50 हजार से ज्यादा लोगों को हटाया जाएगा तो ये लोग कहां जाएंगे? हरीश रावत ने कहा है कि अशांति का वातावरण पूरे हल्द्वानी और कुमाऊं के अंचल में फैलेगा जोकि ठीक नहीं होगा। उन्होंने कहा कि आज भले कुछ लोग चुप हों लेकिन जब स्थितियां बिगड़ेंगी तो वो लोग भी सरकार के विवेक पर उंगली उठाएंगे। हरीश रावत ने पत्र के माध्यम से चेतावनी भी देते हुए कहा है कि जहां तक सवाल हमारे कर्तव्य का है, तो हम केवल इतना भर कर सकते हैं कि जब घर तोड़ने के लिए हथौड़ा उठेगा तो हम उसके आगे बैठ सकते हैं। वहीं एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि प्रधानमंत्री को इंसानियत की बुनियाद पर हल्द्वानी के लोगों की मदद करनी चाहिये और उन्हें वहां से नहीं निकालना चाहिए।

देश दुनीया से

व्यवस्था परिवर्तन की ओर कुछ कदम

नई चुनी हुई सरकारों के संदर्भ में यदि पिछले कुछ वर्षों का इतिहास देखा जाए और उनकी कार्यप्रणाली का मोटे तौर पर अध्यनन किया जाए तो सभी सरकारों की कार्यप्रणाली लगभग एक जैसी ही रही है। सरकार बनते ही कैबिनेट की पहली मीटिंग में पिछली सरकार द्वारा की गई घोषणाओं की समीक्षा के निर्णय के साथ ही जनता के किसी न किसी वर्ग को राहत देने के लिए कोई बड़ा निर्णय लिया जाता रहा है। पूर्ववर्ती सरकार ने भी अपनी पहली ही कैबिनेट मीटिंग में पिछली सरकार के निर्णयों की समीक्षा के अलावा बुजुर्गों को दी जाने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन का दायरा अस्सी वर्ष से घटाकर 70 वर्ष कर दिया था। इसके अलावा एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल और बड़े स्तर पर तबादले भी नई सरकारों की कार्यप्रणाली का एक अहम हिस्सा रहे हैं। अमूमन कैबिनेट की पहली बैठक में पिछले निर्णयों की समीक्षा करने का निर्णय आज तक केवल कागजों तक ही सीमित रहा है और इक्का दुक्का घटनाओं को छोडक़र कभी भी बड़े स्तर पर पिछली सरकार के निर्णयों को नहीं पलटा गया। इसके अलावा जब सरकारें चुनावी वर्ष में होती थीं, तब भी सभी पूर्व की सरकारों की कार्यप्रणाली लगभग एक जैसी ही रही है। आखिरी वर्ष में घोषणाओं के दम पर सरकारों को रिपीट करने की कोशिश की जाती रही है लेकिन पिछले तीन दशकों में कोई भी पार्टी इसमें कामयाब नहीं हो पाई है। लगभग नब्बे प्रतिशत की साक्षरता दर वाले इस पहाड़ी राज्य के वोटरों ने अपने सोचने और समझने का अंदाज बदल लिया है। चुनावी वर्ष में घोषणाओं के राजनीतिक दलों के अंदाज को जनता भली भांति समझ चुकी है, लेकिन अभी तक राजनीतिक दल और उनके रणनीतिकार जनता के इस बदले हुए अंदाज को समझ नहीं पाए हैं। जनता की बदलती हुई सोच के अनुसार ही यदि घोषणाएं की जाएं और निर्णय लिए जाएं तो शायद राजनीतिक दलों को इसका अधिक लाभ मिल सकता है। इस बार हिमाचल प्रदेश की नई चुनी हुई सरकार मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व में एक नए अंदाज में कार्य कर रही है और ये नया अंदाज जनता की वाहवाही पाने में सफल भी रहा है। नई सरकार द्वारा बिना किसी कैबिनेट की मीटिंग के ही चुनावी वर्ष में खुले सैंकड़ों कार्यालयों को बंद करने का निर्णय बहुत ही साहसिक कार्य है। इस निर्णय को भले ही मौजूदा सरकार ने इसलिए लिया है कि इन कार्यालयों को चुनावी घोषणाओं के रूप में खोला गया था, लेकिन फिर भी इस निर्णय को एक बड़े परिप्रेक्ष्य में देखने की आवश्यकता है। हमने पिछले दिनों कोविड-19 के समय घरों में रहकर यह सीख लिया है कि सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में घरों और कार्यालयों की दूरी कोई ज्यादा अहमियत नहीं रखती। कार्यालय जनता की पहुंच में है या नहीं इसका कोई ज्यादा प्रभाव आजकल नहीं पड़ता। कुछ ही समय के बाद 5-जी रफ्तार का आनंद सभी प्रदेशवासी उठाने वाले हैं। ऐसे में सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से मोबाइल पर एक क्लिक से घरों और कार्यालयों की दूरी को बिल्कुल खत्म किया जा सकता है। इसके अलावा सडक़ों का जाल हर गांव, शहर में बिछ चुका है और यातायात के साधनों की भी कोई कमी नहीं है। इसलिए कार्यालय घर के नजदीक हों या दूर, कोई मायने नहीं रखता। इसके अलावा यह भी बात ध्यान देने योग्य है कि जनता को समस्या पीने के पानी की है और इस समस्या का समाधान जल शक्ति विभाग का कार्यालय घर के पास खोलकर पूरी करने की कोशिश की जाती है तो न तो इसका लाभ जनता को होगा और न ही किसी राजनीतिक दल को। जल शक्ति विभाग का कार्यालय खोलने से ज्यादा जरूरी है कि प्रतिदिन समय पर पानी की आपूर्ति घरों में की जाए और ये कार्य कार्यालय में बैठकर नहीं बल्कि फील्ड में उतर कर पूरा किया जाता है। बिजली के दफ्तरों से ज्यादा जरूरी चौबीस घंटे बिजली की आपूर्ति है ताकि जनता को दफ्तरों के चक्कर न काटने पड़ें। लोक निर्माण विभाग के कार्यालय के बजाय अच्छी सडक़ों का निर्माण और मरम्मत का कार्य अधिक जरूरी है। इसलिए कार्यालयों से कहीं अधिक आवश्यकता कार्यप्रणाली में सुधार की है।

> सरकार बनते ही कैबिनेट की पहली मीटिंग में पिछली सरकार द्वारा की गई घोषणाओं की समीक्षा के निर्णय के साथ ही जनता के किसी न किसी वर्ग को राहत देने के लिए कोई बड़ा निर्णय लिया जाता रहा है। पूर्ववर्ती सरकार ने भी अपनी पहली ही कैबिनेट मीटिंग में पिछली सरकार के निर्णयों की समीक्षा के अलावा बुजुर्गों को दी जाने वाली सामाजिक सुरक्षा पेंशन का दायरा अस्सी वर्ष से घटाकर 70 वर्ष कर दिया था। इसके अलावा एक बड़ा प्रशासनिक फेरबदल और बड़े स्तर पर तबादले भी नई सरकारों की कार्यप्रणाली का एक अहम हिस्सा रहे हैं। अमूमन कैबिनेट की पहली बैठक में पिछले निर्णयों की समीक्षा करने का निर्णय आज तक केवल कागजों तक ही सीमित रहा है।

अमृत कलश

प्रेम-ज्ञान और आनन्द में ईश्वरीय अनुभूति

योगानन्द ने वर्ष 1917 में 'कैसे जीना है' स्कूल की स्थापना की। आधुनिक शिक्षा को योग प्रशिक्षण और आध्यात्मिक आदर्शों से जोड़ा गया। भारत में परमहंस योगानंद के कार्य को 'योगदा सत्संग सोसायटी ऑफ इंडिया' (वाईएसएस) के रूप में जाना जाता है। इसकी स्थापना परमहंस योगानंद ने 1917 में की थी। परमहंस योगानन्द 19 सितंबर, 1920 को बोस्टन अमेरिका पहुंचे। वहां उन्हें धार्मिक उदारवादियों की अंतर्राष्ट्रीय कांग्रेस में 'धर्म के विज्ञान' विषय पर व्याख्यान दिया। परमहंस योगानन्द जी ने अपनी आत्मकथा 'योगी कथामृत' में क्रिया योग का विस्तार से वर्णन किया है। क्रिया योग की दीक्षा उन योगदा साधकों को दी जाती है, जो परमहंस योगानन्द जी द्वारा योगदा सत्संग पाठमाला में सिखाई गई तीन प्राथमिक विधियों का अंगीकार करते हैं। परमहंस योगानन्द जी ने अपनी आत्मकथा 'योगी कथामृत' में क्रिया योग का विस्तार से वर्णन अध्याय 26 में किया है। दरअसल, क्रियायोग एक सरल मनःकायिक प्रणाली है जिसके द्वारा मानव रक्त कार्बन रहित होकर ऑक्सीजन से परिपूरित हो जाता है। इस अतिरिक्त ऑक्सीजन के अणु प्राण-धारा में रूपांतरित हो जाते हैं, जो मस्तिष्क और मेरुदंड के चक्रों में नव शक्ति का संचार कर देती है। शिराओं में बहने वाले अशुद्ध रक्त का संचय रुक जाने से योगी उत्तकों में होने वाले ह्रास को रोक सकता है या कम कर सकता है। उन्नत योगी अपनी कोशिकाओं को प्राणशक्ति में रूपांतरित कर देता है। भगवद्गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने क्रियायोग की चर्चा की है। ईश्वर साकार है या निराकार? आध्यात्मिक जगत में अक्सर ही यह परिचर्चा का विषय बनता है। इस विषय पर परमहंस योगानन्द जी कहते हैं- 'ईश्वर साकार और निराकार दोनों ही हैं, और वे स्वयं को स्वेच्छानुसार जैसे चाहे व्यक्त करते हैं। वे अपने सन्तों को उसी रूप में दर्शन देते हैं जो प्रत्येक सन्त को प्रिय होता है। एक ईसाई क्राइस्ट को देखता है, तो हिन्दू कृष्ण या जगन्माता के रूप में दर्शन करता है, आदि आदि। जो भक्त निराकार रूप में उपासना करते हैं, वे प्रभु को एक अनन्त प्रकाश या ॐ की अद्भुत ध्वनि, मूल शब्द, पवित्र आत्मा, के स्वरूप में जानते हैं।

बोध कथा

संकल्प की शक्ति

टायरोन को खेलों से बहुत लगाव था। जैसे-जैसे वे बड़े होते गए वैसे-वैसे उनका झुकाव एनबीए बास्केटबॉल की तरफ होता गया। वे हर तरह से स्वस्थ व चुस्त थे लेकिन उनका कद महज पांच फुट तीन इंच था। ऐसे में जब टायरोन लोगों से अपनी यह इच्छा व्यक्त करते कि वे एनबीए बास्केटबॉल खेलना चाहते हैं तो लोग उन पर व्यंग्य करते। जब लोग छोटे कद के बारे में बोलकर उनका उत्साह तोड़ने की कोशिश करते तो वे कहते, 'बेशक मेरा कद लम्बा नहीं है लेकिन मेरी गति, स्टेमिना और लक्ष्य की सटीकता शायद एनबीए बास्केटबॉल के अन्य खिलाड़ियों से अधिक है।' वे सफल होने के लिए प्रतिबद्ध थे, इसलिए नकारात्मक बोलने वाले व्यक्तियों को वे नज़रअंदाज करते हुए अपनी खेलने की क्षमता को बढ़ाते रहे। आखिर एक दिन उनका चुनाव एनबीए बास्केटबॉल के लिए कर लिया गया। उनकी विशेष खेल क्षमता को देखकर सभी दंग रह गए। वे कोर्ट में अपनी लंबाई की कमी को अपनी तूफानी गति और चुस्ती से पूरा कर लेते थे। उन्होंने अपनी इच्छा को अपने संकल्प के माध्यम से पूरा कर लिया। पांच फुट तीन इंच वाले टायरोन एनबीए के इतिहास में सबसे छोटे खिलाड़ी थे।

नागरिक बोध

आत्म सुख की कुंजी तप,त्याग और सेवा में,सुख बाहर में नही भीतर में है

भगवान महावीर ने कहा था साधु ही सबसे सुखी है। यह एसलिए कहा कि साधु के जीवन मे त्याग है। इच्छा और आसक्ति दोनों साधु त्याग देता है।सच्चा सुख बाहर नही है। वह तो आपके भीतर आपकी आत्मा में है। आत्मा का सूख तप त्याग और सेवा से मिलता है। कष्ठ उठाना,दुःख अपनाना तप है। सुख देना त्याग है और अपनी योग्यता और सामर्थ्य से किसी के काम आना सेवा है। हमने एक रोटी कम खाई ,यह तप हो गया। वह एक रोटी किसी को खिलाने का निश्चय त्याग है और वह रोटी किसी को खिलाई यह सेवा है। सेवा में अहंकार होगा तो हम सेवा के भागी नही होंगे। याद रखिये खाने वाला हम पर अहसान करता है। हम अपने कल्याण के लिए खिला रहे है। खिलाते समय यह हमने यह सोच लिया कि हम दूसरे का कल्याण कर रहे है तो हम नीचे जाएंगे। ऊपर नही उठेंगे। अपनी योग्यता से भी सेवा करे। तप,त्याग सेवा की साधना हम निश्चय ही सुख के द्वार पर पहुंच सकते है। और फिर उस सुख के अधिकारी बनेंगे। जिसे प्राप्त करने पर मनुष्य जीवन भर प्रयत्नशील रहता है और फिर उस सुख को प्राप्त नही कर सकते है। संसार मे सुख खोजोगे तो सुख मिलेगा,जिसकी नींव दुःख पर खड़ी है। संयोग में बड़ा सुख है। लेकिन एक दिन वियोग का दुःख अनिवार्य रूप से मिलेगा,यह निश्चय जान ले। सच्चा सुख वह है,जो हमेशा रहता है। और जहा संयोग वियोग का द्वंद्वनही है अतः धर्म के मार्ग पर चलकर उस सच्चे सुख को अपनी आत्मा में प्राप्त करो और वह प्राप्त होगा तप सेवा त्याग से। आप हम जो पाना चाहते है,उसे फेंकिये और जो पाना नही चाहते उसे अपनाइए।सुख पाना चाहते है तो सुख बांटिए।दुःख हटाने चाहते है तो दुःख अपनाइए। दुःख अपनाना तप है और सुख बांटना त्याग और सेवा है।आत्म सुख की कुंजी तप,त्याग सेवा में है।

नदियों से है हमारा अस्तित्व

इस बार के रेडियो प्रोग्राम मन की बात में प्रधानमंत्री ने गंगा को साफ करने के लिए जो नमामि गंगे योजना चलाई है, उसका जिक्र किया। मोदी सरकार ने गंगा को संभालने और इसके संरक्षण के उद्देश्य से वर्ष 2014 में नमामि गंगे नामक योजना लॉन्च की थी। यह योजना कितनी कामयाब हुई, इस पर सबके अपने-अपने विचार हो सकते हैं। सरकार ने बेशक गंगा को साफ-सुथरा करने के उद्देश्य से नमामि गंगे योजना अमल में लाई है, लेकिन गंगा तभी पूरी तरह साफ होगी जब हम इसे साफ-सुथरा रखने का मन बनाएंगे। लोग गंगा नदी के किनारे जाते हैं पुण्य कमाने, लेकिन गंगा में पॉलीथीन या अन्य गंदगी डालने से परहेज नही करते। फिर यह क्या पाप हुआ या पुण्य, यह कैसी संस्कृति है? गंगा भारत की मात्र एक नदी ही नही, बल्कि भारतीय संस्कृति की एक अनोखी पहचान भी है। नदियों से हमारा अस्तित्व है।

अब राजनीति में अपनी बेटी गंगा को आगे बढ़ा रहे हैं पुष्प कमल दहल

काठमांडो ।
नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल की राजनीति में अपनी बेटी को आगे बढ़ाने की कोशिश की चर्चा यहां के सियासी हलकों में गर्म है। उनके दल कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (माओइस्ट सेंटर) के नेताओं ने दहल की इस मंशा की पुष्टि की है। दहल बीते 25 दिसंबर को अपनी छोटी गंगा दहल को राजनीतिक मंच पर ले आए। उसी रोज दहल ने पाला बदल कर नए गठबंधन से जुड़ गए थे। उस रोज गंगा दहल को कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ नेपाल (यूएमएल) के नेता और पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से हाथ मिलाते देखा गया। दहल अभी जिस गठबंधन सरकार का नेतृत्व कर रहे हैं, उसमें यूएमएल सबसे बड़ी पार्टी है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक पिछले नवंबर में हुए आम चुनाव के समय से गंगा दहल की सक्रियता चर्चित रही है। बताया जाता है कि दहल और ओली के बीच मेलमिलाप कराने में गंगा ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। इन दोनों कम्युनिस्ट नेताओं में पहले छत्तीस का आंकड़ा था। ओली से हाथ मिलाते हुए गंगा दहल की बहुचर्चित तस्वीर ओली के बालकोट स्थित निवास पर खींची गई थी। माओइस्ट सेंटर के नेता युवराज चौलागइन ने बताया- 'ये फोटो उस समय की है, जब पुष्प कमल दहल ओली से यह कह रहे थे कि गंगा आपकी प्रशंसक है और हमेशा वामपंथी एकता की समर्थक रही है। हालांकि पार्टी का कोई औपचारिक पद गंगा के पास नहीं है, लेकिन वह दहल की निजी सचिव के रूप में काम करती रही हैं। ऐसा लगता है कि अब दहल अपनी बेटी को राजनीति में आगे बढ़ा रहे हैं।' दरअसल, सिर्फ बालकोट में दहल और ओली के बीच हुई मुलाकात ही अकेला ऐसा मौका नहीं था, जब गंगा राजनीतिक बैठकों के दौरान अपने पिता के साथ देखी गई हो। मीडिया कर्मियों के मुताबिक अब दहल जहां कहीं किसी महत्त्वपूर्ण मौके पर जाते हैं, गंगा उनके साथ देखी जाती है। प्रधानमंत्री बनने के पहले के तीन हफ्तों में जब दहल सियासी समीकरण बैठाने में जुटे हुए थे, तो पार्टी के अंदर की हर बैठक में गंगा मौजूद रही। इसके अलावा वह सार्वजनिक सभाओं और यहां तक विदेशी राजनयिकों से दहल की मुलाकात के मौकों पर भी मौजूद रही है।

न्यूज ब्रीफ

रूसी नागरिकों के लिए 'बर्थ टूरिज्म' की पसंदीदा जगह बना अर्जेंटीना

ब्यूनस आयर्स । पिछले साल फरवरी में यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से अर्जेंटीना में रूसी बच्चों के जन्म की संख्या तेजी से बढ़ी है। ये बात सुनने में हैरतअंगेज लग सकती है, लेकिन सचमुच ऐसा ही हुआ है। इसकी वजह 'बर्थ टूरिज्म' (जन्म पर्यटन) के लिए अर्जेंटीना जाने वाले रूसी दंपतियों की संख्या में हुई तेज बढ़ोतरी है। वैसे 'बर्थ टूरिज्म' कोई नई बात नहीं है। जिन देशों में जाना आसान हो और जहां बच्चे के जन्म देने में मेडिकल खर्च कम होता हो, वहां लोग प्रसव के समय जाते हैं। लेकिन रूसी लोगों के अर्जेंटीना जाने के पीछे कारण सिर्फ यह नहीं है। पिछले साल वहां रूसियों के आने की संख्या इसलिए तेजी से बढ़ी, क्योंकि पश्चिमी देशों के प्रतिबंध के कारण उनका बहुत से देशों में आना-जाना ठहर गया। इसके अलावा बड़ी संख्या में रूसी नागरिक अब कहीं और जाकर बसने की इच्छा भी रखने लगे हैं। रूस और अर्जेंटीना के बीच एक दूसरे के नागरिकों को बिना वीजा के आने-जाने की सुविधा देने का समझौता है। रूसी नागरिकों ने इसी का लाभ उठाया है। रूसी नागरिक बिना वीजा के 90 दिन तक अर्जेंटीना में रह सकते हैं। इसके बाद रहने की अनुमति पाने की प्रक्रिया भी आसान है। अर्जेंटीना स्थित रूसी दूतावास वाणिज्य विभाग के प्रमुख ग्रेगरी पॉलिन ने बताया इस वर्ष रूस से अर्जेंटीना गए लोगों की संख्या से दो से ढाई हजार के बीच है। इनमें से अनेक रूसी महिलाएं थीं, जो अपने बच्चे को जन्म देने के लिए यहां आईं। पॉलिन ने कहा- 'नए साल में ये संख्या दस हजार तक पहुंच सकती है। रूसी नागरिक चेरेपोवित्सकया ने द गार्जियन से कहा- 'यूक्रेन शुरू होने के कुछ दिन बाद मैं गर्भवती हो गई। मैंने देखा की दुनिया के कई देशों की सीमाएं रूसी नागरिकों के लिए बंद हो रही हैं। तब हम ऐसी जगह की तलाश में थे, जहां हम आसानी से जा सकें। अर्जेंटीना का पासपोर्ट मिलने से मेरे बच्चे के लिए कई दरवाजे खुल जाएंगे।' अर्जेंटीना के कानून के मुताबिक वहां जन्म लेने वाले बच्चे को स्वाभाविक रूप से यहां की नागरिकता मिल जाती है।

ब्रिटिश राजघराने में मारपीटः क्वीन एलिजाबेथ के पोतों के बीच हाथापाई, प्रिंस हैरी बोले- भाई ने मुझे पटका

लंदन । प्रिंस हैरी ने अपनी आत्मकथा स्पेयर में अपने निजी जीवन की चौंकाने वाली घटनाओं का विस्तृत

विवरण दिया है, जो 10 जनवरी को प्रकाशित होने वाली है। उन्होंने अपने बड़े भाई प्रिंस विलियम पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। इन आरोपों में एक ऐसा आरोप है जिससे रॉयल परिवार में उथल-पुथल मच गया है। दरअसल, प्रिंस हैरी ने अपने बड़े भाई प्रिंस विलियम पर शारिरिक हमले करने का आरोप लगाया है। इस आरोप से पता चल रहा है कि रॉयल परिवार में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। प्रिंस हैरी ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मेरे बड़े भाई प्रिंस विलियम ने आपसी बहस के दौरान मेरा कॉलर पकड़ लिया और मुझे फर्श पर पटक दिया जिससे मैं कुत्ते के कटोरे पर जा गिरा। इससे मेरे कपड़े फट गए और पीठ पर कई जख्म हो गए। मैं एक पल के लिए वहीं पड़ा रहा, चकित रह गया, फिर अपने पैरों पर खड़ा हो गया और उसे बाहर निकलने के लिए कहा। हालांकि वह अड़ा रहा। वहीं इस खुलासे से रॉयल परिवार में हड़कंप मच गया है। ऐसा लग रहा है कि ब्रिटेन की महारानी एलिजाबेथ द्वितीय के निधन के बाद रॉयल परिवार का माहौल और बिगड़ रहा है।

नाक से लिए नमूने में छिपे वायरस का चल सकता है पता, पुराने नमूनों की जांच में मिला संक्रमण

वॉशिंगटन । नाक से लिए सैंपल की जांच से कोरोना वायरस की प्रारंभिक चेतावनी मिल सकती है। अमेरिकी शोधार्थियों ने एक अध्ययन में दावा किया है कि नाक से लिए सैंपल यानी नेजल स्वैब के परीक्षण से छिपे हुए वायरस का पता चल सकता है। मेडिकल जर्नल द लैंसेट माइक्रोब में प्रकाशित अध्ययन में शोधार्थियों ने कहा है कि वायरस की पहचान मानक परीक्षणों में नहीं की गई है लेकिन नेजल स्वैब में इसे पकड़ा जा सकता है। अमेरिका की येल यूनिवर्सिटी के एसोसिएट प्रोफेसर एलेन फॉक्समैन ने कहा, एक खतरनाक नए वायरस का पता लगाना भूसे के ढेर में सुई खोजने जैसा है। हमें घास के ढेर के आकार को काफी कम करने का एक तरीका मिला है।

टीटीपी की नई धमकी से पाकिस्तान में घबराहट, बड़े नेताओं की सुरक्षा की चिंता बढ़ी

इस्लामाबाद ।

आतंकवादी संगठन तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के पाकिस्तान सरकार के खिलाफ 'युद्ध का एलान' कर देने से पाकिस्तान में पहले से मौजूद सुरक्षा संबंधी चिंताएं बेहद गहरा गई हैं। इस बार खास बात यह है कि टीटीपी ने सीधे पाकिस्तान के सत्ताधारी नेताओं को निशाना बनाने की घोषणा की है। उसने सत्ताधारी गठबंधन में शामिल पार्टियों से कहा है कि वे अपने नेताओं के खिलाफ 'ठोस कार्रवाई' करें, वरना उसके हमलों के लिए तैयार रहें।

पर्यवेक्षकों के मुताबिक यह पहला मौका है, जब किसी आतंकवादी संगठन ने इस तरह सरकार के सर्वोच्च नेतृत्व को निशाने पर लिया है। उसने सीधे तौर पर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी का नाम लिया है। शरीफ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के अध्यक्ष हैं, जबकि भुट्टो जरदारी पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के सह-अध्यक्ष हैं। ये दोनों पार्टियां मौजूदा सत्ताधारी गठबंधन पाकिस्तान डेमोक्रेटिक एलायंस (पीडीएम) में शामिल सबसे बड़े दल हैं।

टीटीपी ने चेतावनी का अपना संदेश व्हाट्सएप के जरिए मीडिया को भेजा। संदेश टीटीपी के प्रवक्ता मोहम्मद खोरासानी की तरफ से भेजा गया। इसमें कहा गया कि है टीटीपी ने लंबे समय से राजनीतिक दलों के खिलाफ कार्रवाई नहीं की है। लेकिन अब उसका समय आ गया है। व्हाट्सएप संदेश में कहा गया- 'अगर ये दोनों पार्टियां अपने मौजूदा रुख पर कायम रहती हैं, तो उनके नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। लोगों को चाहिए कि वे उन नेताओं के करीब जाने से बचें।' टीटीपी ने यह भी कहा है कि उसका निशाना पाकिस्तान के सुरक्षा बल हैं, जो पश्चिमी देशों की मर्जी के मुताबिक अपनी देश की जनता के हित के खिलाफ काम कर रहे हैं।

टीटीपी ने यह धमकी पाकिस्तान की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति (एनएससी) की बैठक के दो दिन के बाद जारी की है। एनएससी पाकिस्तान में सुरक्षा संबंधी मामलों की सर्वोच्च समिति है। बीते हफ्ते इसकी बैठक टीटीपी के बढ़ रहे खतरों का मुकाबला करने के लिए बुलाई गई थी। बैठक के बाद एनएससी के बयान में कहा गया कि समिति ने आतंकवाद के प्रति शून्य सहिष्णुता की नीति अपनाने का फैसला किया है। यह निर्णय भी लिया गया कि हिंसा का सहारा लेने वाले सभी गुटों के खिलाफ कदम उठाए जाएंगे। एनएससी की बैठक में प्रधानमंत्री शरीफ और सेनाध्यक्ष जनरल असीम मुनीर भी शामिल हुए थे।

समझा जाता है कि टीटीपी ने एनएससी के सख्त बयान का अब जवाब दिया है। लेकिन उसकी धमकी को यहां हल्के से नहीं लिया जा रहा है। हाल के महीनों में टीटीपी ने अपने हमले तेज कर रखे हैं, जिसमें कई सैनिक भी मारे गए हैं। सुरक्षा विशेषज्ञों की राय है कि टीटीपी के पास देश के बड़े नेताओं पर हमला करने की क्षमता है।

इन विशेषज्ञों ने ध्यान दिलाया है कि टीटीपी ने यह धमकी विदेश मंत्री भुट्टो जरदारी के एक महत्त्वपूर्ण नीतिगत बयान देने के एक दिन बाद दी है। भुट्टो जरदारी मंगलवार को कहा था कि पीडीएम सरकार आतंकवादियों के 'तुष्टिकरण' की नीति को बदल रही है। पूर्व इमरान खान सरकार ने टीटीपी के साथ बातचीत की नीति अपनाई थी। भुट्टो जरदारी ने उसे आतंकवादियों के तुष्टिकरण की नीति करार दिया। भुट्टो जरदारी ने अफगान तालिबान और टीटीपी के बीच फर्क करते हुए कहा था कि अफगान तालिबान एक हकीकत है, जिसका एक इतिहास रहा है, जबकि टीटीपी आतंकवादी संगठन के अलावा और कुछ नहीं है।

कोरोना से निपटने के चीन के रवैये से चिंतित हुआ अमेरिका, राष्ट्रपति बाइडन ने ड्रैगन को दे डाली नसीहत

वाशिंगटन ।
चीन के कोरोना से निपटने के रवैये से डब्ल्यूएचओ समेत दुनिया के कई देश चिंतित दिख रहे हैं। चीन जिस तरह से कोरोना के आंकड़े छिपा रहा है उससे पड़ोसी देश तो सतर्क हो ही गए हैं उससे भी अधिक सतर्क अमेरिका दिख रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने बयान जारी कर ड्रैगन को नसीहत तक दे डाली है। बाइडन ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि हां मैं चीन के कोरोना से निपटने के इस रवैये से चिंतित हूं। चीन मामले की गंभीरता को समझ नहीं रहा है। इसलिए भारत, अमेरिका समेत कई देशों ने चीन से आने वाले यात्रियों के लिए जांच अनिवार्य कर दिया है। यानी जो भी यात्री चीन से आएंगे उन्हें 72 घंटे भीतर के निगेटिव रिपार्ट के साथ-साथ टेस्ट से भी गुजरना होगा।

राष्ट्रपति बाइडन ने कहा कि चीन फिलहाल कोरोना महामारी के लिहाज से बेहद संवेदनशील देश है। चीन को पारदर्शिता बरतनी चाहिए। चीन अपने फायदे के लिए महामारी को नजरअंदाज कर रहा है। बाइडन ने कहा कि चीन को टेस्टिंग बढ़ानी चाहिए ताकि सही आंकड़े सामने आ सके। चीन इसे नियंत्रण में करे और विवेकपूर्ण कदम उठाए ताकि हम किसी भी संभावित वेरिएंट के प्रसार को रोकने के लिए वह सब कुछ करें जो हम कर सकते हैं। वहीं विदेश विभाग के प्रवक्ता नेड प्राइस ने संवाददाताओं से कहा कि कोविड कहीं भी फैल रहा है, लेकिन विशेष रूप से चीन जैसे घनी आबादी वाले देश में, निश्चित रूप से वेरिएंट के उभरने की पूरी आशंका है। उन्होंने कहा कि हमने देखा है कि दुनिया के अन्य क्षेत्रों से वेरिएंट उभर कर सामने आए हैं जो अंततः संयुक्त राज्य में पहुंच गए हैं। आतंकी समूह के खिलाफ कार्रवाई पर अमेरिका और पाकिस्तान ने दिखाई साझा रुचि बाइडेन प्रशासन ने बुधवार को कहा कि अमेरिका और पाकिस्तान का यह सुनिश्चित करने में साझा मत है कि तालिबान आतंकवादी समूहों के खिलाफ कार्रवाई करे और उन्हें अपने क्षेत्र का इस्तेमाल नहीं करने दे। आतंकवाद एक अभिशाप बना हुआ है जिसने इतने सारे पाकिस्तानी, अफगान और अन्य निर्दोष लोगों की जान ले ली है।

पूर्व आर्मी चीफ बाजवा मेरी हत्या करवाना चाहते थे, इमरान खान ने लगाए बड़े आरोप

लाहौर ।

पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पूर्व आर्मी चीफ जनरल कमर जावेद बाजवा पर एक बार फिर बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने एक बार फिर बाजवा पर अपनी हत्या की साजिश रचने का आरोप लगाया है। इमरान खान ने आरोप लगाया है कि पूर्व सेना प्रमुख बाजवा उनकी हत्या करवाना चाहते थे और देश में आपातकाल लगाना चाहते थे।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के अध्यक्ष इमरान खान ने लाहौर में एक निजी चैनल के साथ एक साक्षात्कार के दौरान चौंकाने वाला आरोप लगाया। इमरान खान ने कहा कि कई लोगों ने उन्हें बाजवा के खिलाफ आरोप लगाना बंद करने के लिए कहा था क्योंकि वह सेवानिवृत्त हो चुके हैं, इस पर इमरान के कहा कि वह जनरल बाजवा द्वारा किए गए अपराधों पर पर्दा नहीं डाल सकते।

उन्होंने दावा किया कि जनरल बाजवा अपने कार्यकाल का और ज्यादा विस्तार चाहते थे। ऐसे में वे उन्हें मरवाकर पाकिस्तान में आपातकाल लगाना चाहते थे। बता दें कि इमरान को अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए सत्ता से बेदखल कर दिया था इसके बाद उनके और बाजवा के बीच तनाव देखने को मिला था।

वहीं तीन नवंबर को उनके ऊपर जानलेवा हमला हुआ था और उनके दाहिने पैर में गोली लगी थी। उनके ऊपर दो बंदूकधारियों ने लाहौर से लगभग 150 किलोमीटर दूर वजीराबाद इलाके में गोलियों की बौछार कर दी थी, जहां वह लांग मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। उस दौरान वह एक कंटेनर-माउंटेड ट्रक पर खड़े होकर लोगों को संबोधित कर रहे थे।

ईरान ने स्टार एक्ट्रेस अलीदूस्ती को किया रिहा, हिजाब प्रदर्शन के दौरान हुई थी गिरफ्तारी

तेहरान ।

ईरान ने अभिनेत्री तारानेह अलीदूस्ती को 18 दिन की हिरासत के बाद बुधवार को जमानत पर रिहा कर दिया। ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी के हवाले से अभिनेत्री को रिहा करने की जानकारी दी गई है। बीते साल दिसंबर में अलीदूस्ती को हिजाब को लेकर विरोध प्रदर्शनों में शामिल एक व्यक्ति को फांसी देने की आलोचना करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था।

अलीदूस्ती के वकील ने आईएसएनए को बताया कि अभिनेत्री को जमानत पर रिहा कर दिया गया है। अलीदूस्ती की रिहाई के बाद सोशल मीडिया पर उनकी कई तस्वीरें साझा की गई हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, अलीदूस्ती की रिहाई के बाद समर्थकों ने फूलों से उनका स्वागत किया। 2016 की ऑस्कर विजेता फिल्म द सेल्समैन में अभिनय करने वालीं अलीदूस्ती को ईरानी सिनेमा उद्योग में आंदोलन में उनकी सक्रियता के लिए जाना जाता है। साथ ही हिजाब को लेकर विरोध प्रदर्शनों का समर्थन करने वाली कई ईरानी हस्तियों में से एक थीं। इससे पहले एवेंजर्स स्टार मार्क रफ्फालो ने एक फोटो शेयर की थी, जिसमें कहा गया था कि दुनियाभर के 600 से ज्यादा कलाकारों ने अलीदूस्ती की रिहाई के लिए हस्ताक्षर किए हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एमा थॉम्पसन, मार्क रुफ्फालो, पेनेलोप क्रूज, केट विंसलेट और क्रिस्टन स्टीवर्ट सहित कई हस्तियों ने फ्री तारानेह अलीदूस्ती शीर्षक वाले खुले पत्र पर हस्ताक्षर किए गए थे।

अभिनेत्री के एक पोस्ट पर मचा था बावल

स्टार एक्ट्रेस तारानेह अलीदूस्ती को इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट करने के एक हफ्ते बाद हिरासत में लिया गया था। अभिनेत्री ने पोस्ट में राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शनों के दौरान कथित अपराधों के लिए मृत्युदंड पाए पहले व्यक्ति के प्रति एकजुटता व्यक्त की थी। एक रिपोर्ट में कहा गया था कि अभिनेत्री को इसलिए गिरफ्तार किया गया, क्योंकि वह अपने दावों के अनुरूप कोई दस्तावेज उबलब्ध नहीं करा पाई थीं।

अभिनेत्री ने अपने पोस्ट में लिखा था, उसका नाम मोहसिन शेखरी था। हर अंतरराष्ट्रीय संगठन जो इस खून खराबे को देख रहा है और कार्रवाई नहीं कर रहा है, वह मानवता के लिए शर्म की बात है।

क्या चीन और फिलीपींस में अब मेलमिलाप हो गया है

फिलीपींस ।
फिलीपींस के राष्ट्रपति फर्डिनैंड मारकोस जूनियर ने दोनों देशों के बीच बढ़े तनाव के माहौल में दो दिन की चीन यात्रा की। दक्षिण चीन सागर में दोनों देशों के बीच पुराना इलाकाई विवाद दिसंबर के आखिरी हफ्ते में काफी भड़क गया था। लेकिन ऐसा लगता है कि मारकोस की बीजिंग यात्रा पर उस विवाद का ज्यादा साया नहीं पड़ा है।

चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ मारकोस की बुधवार को शिखर वार्ता हुई। इसके बाद जारी बयान में कहा गया कि दोनों देश द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाएंगे। शी जिनपिंग ने दक्षिण चीन सागर में साझा तौर पर तेल और गैस का पता लगाने की कोशिशों को फिर से शुरू करने की पेशकश मारकोस के सामने रखी। साथ ही उन्होंने कहा- 'चीन समुद्री मुद्दों को दोस्ताना ढंग से और राय-मशविरे के जरिए हल करने को तैयार है। साथ ही वह गैर-विवादित क्षेत्रों में तेल और गैस क्षेत्र के साझा विकास, और ग्रीन एनर्जी, पवन ऊर्जा और नई ऊर्जा के क्षेत्रों में सहयोग के लिए भी तैयार है।

कूटनीति विशेषज्ञों ने इसे महत्त्वपूर्ण बताया है कि मारकोस ने चीनी राष्ट्रपति की इस पहल का स्वागत किया। दोनों देशों के साझा बयान के मुताबिक फिलीपींस के राष्ट्रपति ने कहा- 'मुझे इस बात की वास्तविक आशा है कि हम बातचीत जारी रखने की घोषणा करने में सफल होंगे और हमें उम्मीद है कि उन वार्ताओं से का अच्छा परिणाम निकलेगा।'

फिलीपींस और चीन के बीच दक्षिण चीन सागर में लंबे समय से इलाकाई विवाद चल रहा है। इस मामले में एक अंतरराष्ट्रीय ट्रिब्यूनल ने 2016 में चीन के खिलाफ फैसला दिया था। ट्रिब्यूनल ने कहा था कि विवादित इलाकों में फिलीपींस को तेल और गैस की खोज करने का अधिकार है। लेकिन चीन ने उस फैसले को मानने से इनकार कर दिया।

विश्लेषकों ने ध्यान दिलाया है कि फिलीपींस ने पहले भी चीन के साथ साझा तौर पर तेल और गैस की खोज करने के प्रस्ताव पर विचार किया है। उसने इस मामले में चीन के साथ सहमति बनाने की कोशिश की है। लेकिन ये कोशिशें कामयाब नहीं हुई हैं। इसे देखते हुए फिलीपींस के तत्कालीन राष्ट्रपति रोड्रिगो दुतेर्ते ने पिछले जून में चीन के साथ बातचीत खत्म करने का एलान कर दिया था। दुतेर्ते प्रशासन ने कहा था कि फिलीपींस के संविधान के मुताबिक देश की सरकार उस मुद्दे पर बातचीत नहीं कर सकती, जिसका संबंध देश की संप्रभुता से है।

पिछले महीने मारकोस ने दक्षिण चीन सागर में जारी विवाद को चीन-फिलीपींस संबंध में एक बड़ी अड़चन बताया था। उसके बाद खबर आई कि चीन ने विवादित इलाकों में अपने जहाज भेज दिए हैं। उससे बढ़े तनाव के बीच तब अटकलें लगाई गई थीं कि मारकोस की चीन यात्रा टल सकती है। लेकिन समझा जाता है कि फिलीपींस के कारोबारी समूह चीन से रिश्ता सुधारने के पक्ष में हैं। फिलीपींस के धनी कारोबारी मैनुएल पैन्गिलिनन ने बिना ज्यादा ब्योरा दिए पिछले महीने कहा था कि उनकी तेल और गैस कंपनी चीनी कंपनियों के साथ बातचीत कर रही है। अब लगता है कि कारोबारी हित मारकोस सरकार की नीति को प्रभावित करने में सफल रहे हैं।

प्रियंका के सलाहकार का ट्वीट

राजतिलक की तैयारी है, पर जंग अभी भी जारी

जयपुर (हिंस)। भारत जोड़ो यात्रा के तहत राजस्थान आए राहुल गांधी ने भले ही नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों को खारिज कर दिया हो, लेकिन प्रियंका गांधी के सलाहकार आचार्य प्रमोद के एक ट्वीट ने गुरुवार को कांग्रेस पार्टी में खलबली मचा दी। आचार्य प्रमोद का ये ट्वीट राजस्थान की सियासत में पायलट के कद को मजबूती दे रहा है लेकिन सवाल ये है कि कुर्सी पर अशोक गहलोत बैठे है और इस साल के आखिर में राजस्थान में विधानसभा चुनाव है। आचार्य ने ट्वीट में सचिन पायलट से राज्याभिषेक की तैयारी करने को कहा है। आचार्य प्रमोद का चार जनवरी को जन्मदिन था और सचिन पायलट ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी। इसके जवाब में आचार्य ने उसे री-ट्वीट करते हुए राजतिलक की तैयारी करने का जवाब दिया। उन्होंने लिखा कि राजतिलक की तैयारी है, पर जंग अभी भी जारी है। भारत जोड़ो यात्रा के दौरान राहुल गांधी ने मुश्किल से पायलट और गहलोत की सियासी गर्माहट को कम किया था लेकिन इस ट्वीट ने एक बार फिर इस विवाद को हवा दे दी है। वर्ष 2022 में पायलट और गहलोत के बीच की लड़ाई ने समूची राजस्थान कांग्रेस में बवाल पैदा कर दिया था। यहां तक की 92 विधायकों ने विधानसभा अध्यक्ष सीपी जोशी को अपना इस्तीफा भी सौंप दिया था। गहलोत सरकार मुश्किल में आ गई थी। मामला दिल्ली पहुंचा और तत्कालीन कांग्रेस की अतंरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी ने अशोक गहलोत से मुलाकात की, लेकिन बात फिर भी नही बनी। गहलोत की तीखी बयानबाजी जारी रही, लेकिन राहुल की कोशिशों से ये विवाद थम गया। अब आचार्य के ट्वीट से राजनीतिक बहस एक बार फिर शुरू हो गई है।

मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद पटवारियों की हड़ताल समाप्त

कैथल (हिंस)। पे ग्रेड बढ़ाने की मांग को लेकर पिछले 10 दिनों से चली आ रही पटवारी एसोसिएशन ने गुरुवार को मुख्यमंत्री के आश्वासन के बाद हड़ताल समाप्त कर दी। पटवारी गिरदावर एसोसिएशन के नेताओं की दिल्ली में सीएम के साथ हुई बातचीत के बाद यह ऐलान किया गया है। शुक्रवार से सभी पटवारी अपने काम पर लौट जाएंगे। पटवारियों का धरना प्रदर्शन खत्म होने से जल्द ही तहसीलों का काम अपनी पटरी पर लौट जाएगा। पटवारी एसोसिएशन के प्रदेश प्रधान जय वीर चहल ने बताया कि मुख्यमंत्री ने पटवारी एसोसिएशन को आश्वासन दिया है कि 26 जनवरी को उनकी सारी जायज मांगों को पूरी कर दी जाएगी। जिसके बाद पटवारी एसोसिएशन अपना आंदोलन समाप्त कर दिया है।

पीएनबी में महिला कैशियर पर पिस्तौल तानकर लाखों लूटे, बैंक कर्मचारियों को बनाया बंधक

भरतपुर (हिंस)। वैर कस्बे में गुरुवार सुबह पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में घुसे तीन नकाबपोश बदमाशों ने पिस्तौल दिखाकर बैंक कर्मचारियों को बंधक बना लिया। बदमाश बैंक से 6 लाख रुपए लूटकर ले गए। बदमाशों ने जाते समय बैंक के मुख्यद्वार को बाहर से बंद कर दिया। पुलिस अधीक्षक श्याम सिंह ने बताया कि वारदात के समय बैंक में 7 कर्मचारी और 2 ग्राहक मौजूद थे। बैंक में घुसते ही एक बदमाश महिला कैशियर के काउंटर पर गया और पिस्तौल तान दी। कैशियर के पास 6 से 8 लाख रुपए थे। वहीं दो अन्य बदमाशों ने बैंक के दूसरे स्टाफ को बंधक बनाया और एक कोने में खड़ा कर दिया। कैश काउंटर से बैग में रुपए भरने के बाद बदमाश फरार हो गए। घटना के बाद सीओ निहाल सिंह और थानाधिकारी सुमेर सिंह मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है, फिलहाल नाकाबंदी कर बदमाशों की तलाश में टीमें लगा दीं। बदमाश बैंक से कितने रुपए लूटकर ले गए, इसको लेकर संशय बना हुआ है। पुलिस अफसरों का कहना है कि बदमाश 6 लाख रुपए लूटकर ले गए है। जबकि बैंक के अधिकारी

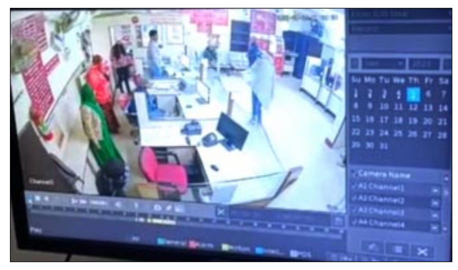

8 लाख रुपए लूटने का दावा कर रहे हैं। हालांकि पुलिस रिकॉर्ड व पूछताछ के आधार पर पता लगा रही है कि कितने रुपए की लूट हुई है। बैंक के सहायक मैनेजर मुकेश मीणा ने बताया कि तीन बदमाश थे। उनके पास हथियार थे। उन्हें देखते ही बैंक के सभी कर्मचारी घबरा गए। बदमाशों ने जाने से पहले सभी बैंक कर्मियों को एक कोने में इकट्ठा किया और फिर धमकाते हुए बैंक से बाहर निकल गए। बदमाशों ने फरार होने से पहले बैंक के मेन गेट को बाहर से बंद कर दिया। बदमाशों के जाने के बाद पुलिस को सूचना दी गई।

भ्रष्टाचारी व अपराधी बेनकाब होने चाहिए, पर तुगलकी फरमान से सरकार बचा रही भ्रष्टाचारी को : डॉ. सतीश पूनियां

डूंगरपुर (हिंस)। कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने वाले तुगलकी आदेश को लेकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने वक्तव्य जारी कर कहा कि राजस्थान की अशोक गहलोत सरकार ठगी और वादाखिलाफी के लिए कुख्यात हो चुकी है, यहां किसानों और नौजवानों से वादाखिलाफी की गई है। जीरो टॉलरेंस और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने की बात कहने वाली अशोक गहलोत सरकार ने एक तुगलकी फरमान जारी किया है, जिसमें साफ दिख रहा है कि यह आदेश भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने और भ्रष्टाचार को बढ़ावा देने वाला आदेश है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम में पब्लिक डोमेन में स्वीकार किया गया कि तबादलों के लिए रिश्वत ली जाती है। राजस्थान में एसीबी की कार्रवाई का उल्लेख करें तो लगभग प्रतिवर्ष 600 मामले निशाने पर आते हैं। कांग्रेस शासन में कोई ऐसी जगह बची नहीं जहां भ्रष्टाचार नहीं होता हो, ऐसा लगता है कि राजस्थान के पाताल से लेकर आकाश तक भ्रष्टाचार का बोलबाला है। एक आकलन है कि कांग्रेस सरकार के शासन में हर 12 किलोमीटर पर भ्रष्टाचार होता है, भ्रष्टाचार इस चरम पर है कि भ्रष्टाचार का मैन्यू कार्ड बना हुआ है, दबे सुर में अधिकारी भी इस बात को स्वीकार करते हैं। पूनियां ने कहा कि राजस्थान की जनता के बीच में यह स्थापित हो चुका है कि अब तक की राजस्थान की सबसे भ्रष्ट कोई सरकार है तो कांग्रेस की अशोक गहलोत सरकार है। एसीबी ने जो कल आदेश जारी किया उसमें बताया कि अब जो भ्रष्टाचारी ट्रैप किए जाएंगे, उनकी फोटो और नाम जगजाहिर नहीं किए जाएंगे, सार्वजनिक नहीं किए जाएंगे। यह तो कहा जाता है कि अपराधी को समाज के समक्ष लाओ, जिससे वह शर्मिंदा भी हो, उसकी मानहानि भी हो, कानून अपना काम करेगा, लेकिन इस तरीके से कांग्रेस सरकार के तुगलकी फरमान से तो लगता है जो भ्रष्टाचारी, जो अपराधी बेनकाब होना चाहिए, कांग्रेस सरकार उनको बचाना चाहती है।

भारत जोड़ो यात्रा मोहब्बत की खुशबू से लबरेज कर रही : कुमारी शैलजा

सोनीपत (हिंस)। कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव व छत्तीसगढ़ की प्रभारी कुमारी शैलजा गुरुवार को गन्नौर पहुंची और भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए 50 रथों को हरी झंडी दिखाई। यूथ कांग्रेस हरियाणा के पूर्व प्रदेश उपाध्यक्ष राजेश पहलवान पुरखासिया की ओर से आयोजित इस कार्यक्रम में कुमारी शैलजा ने जीटी रोड पर पत्रकारों से कहा कि भारत जोड़ो यात्रा मोहब्बत की खुशबू से लबरेज कर रही है। शैलजा ने कहा कि राहुल गांधी के नेतृत्व में भारत जोड़ो यात्रा चल रही है। हरियाणा में प्रवेश करने के बाद पंजाब से होते हुए कश्मीर पहुंचेगी और वहीं में राहुल गांधी तिरंगा फहराएंगे। जनता का पुरजोर समर्थन मिल रहा है। मेहनती सच्चे कार्यकर्ता ऐसे होते हैं जैसे कि गन्नौर विधानसभा क्षेत्र से युवा कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ हरियाणा के पूर्व उपाध्यक्ष राजेश पहलवान

पुरखासिया ने अपने साथियों के साथ 50 रथों का बेहतर इंतजाम किया है ताकि जन-जन तक राहुल गांधी जी की भारत जोड़ो यात्रा का संदेश पहुंच सके और ज्यादा से ज्यादा संख्या में हमारे भाई बहन बच्चे इस यात्रा से जुड़ सकें। उन्होंने कहा कि भाजपा देश में नफरत फैलाती है और कांग्रेस मोहब्बत की खुशबू देती हैं। देश में बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, शिक्षा का गिरता स्तर सभी देखस रहे हैं। बेरोजगारी में तो हरियाणा पूरे देश में पहले नंबर पर है। हरियाणा सरकार खेल मंत्री को बचाने का प्रयास कर रही है यह निंदनीय है। इस मामले की निष्पक्ष जांच हो। एसवाईएल के मुद्दे पर कहा कि दोनों मुख्यमंत्रियों के बीच में वार्ता में पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान और हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर शामिल रहे यह बैठक बेनतीजा रही। कांग्रेस पार्टी पहले भी कहती रही है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी एक सिक्के के दो पहलू हैं जबकि सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के मुताबिक फैसला हो चुका है कि हरियाणा को उसका हक मिले और हरियाणा को उसके हिस्से का पानी मिले।

किसानों ने मिल में गन्ने की सप्लाई और तोल रोका, किया प्रदर्शन

यमुनानगर (हिंस)। हरियाणा में गन्ने का रेट बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन लगातार तेज होता जा रहा है। किसानों ने प्रदेश की सभी शुगर मिलों में गुरुवार को 2 घंटे के लिए गन्ने की सप्लाई रोक दी और शुगर मिलों के बाहर प्रदर्शन किया गया। किसानों ने चेतावनी दी कि अगर 9 जनवरी तक कोई हल नहीं निकला तो 10 जनवरी को करनाल में महापंचायत करके शुगर मिलों की तालाबंदी अथवा जीटी रोड जाम करने जैसे बड़े फैसले लिए जा सकते हैं। यमुनानगर में सरस्वती शुगर मिल में भारी संख्या में किसान इकट्ठा हुए और उन्होंने 2 घंटे के लिए गन्ने की सप्लाई और तोल बंद करवा दिया। किसानों ने यहां सरकार के खिलाफ नारेबाजी की और गन्ने का रेट 4 सौ

50 रुपए प्रति क्विंटल किए जाने की मांग की। किसान नेता संजू गूंदीयाना का कहना है कि अभी सरकार को चेतावनी देने के लिए 2 घंटे का तोल बंद और गन्ने की सप्लाई बंद की गई है। अभी आज से 9 जनवरी तक पूरे हरियाणा की शुगर मिलों के बाहर सुबह से शाम तक धरने लगाए जाएंगे। अगर सरकार ने फिर भी गन्ने के रेट में बढ़ोतरी नहीं की तो 10 जनवरी को करनाल में अनाज मंडी में महापंचायत करके शुगर मिल में तालाबंदी अथवा जीटी रोड जाम करने जैसा कोई बड़ा फैसला लिया जा सकता है। उन्होंने कहा कि गन्ने का रेट आज भी 3 सौ 62 रुपए है, जबकि पिछले साल भी यही था। जबकि महंगाई लगातार बढ़ी रही है। जिसको लेकर अब किसानों ने कड़े फैसले लेने का निर्णय लिया है। किसान लगातार गन्ने के रेट बढ़ाने की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं। हरियाणा सरकार ने इसको लेकर कृषि मंत्री की अध्यक्षता में एक कमेटी का गठन किया है। जो 15 दिन में अपनी रिपोर्ट देगी।

नगर कीर्तन के दौरान हुआ खूनी खेल जमकर चली अंधाधुंध गोलियां

मलसियां : नई मॉडल टाऊन कालौनी में दो पक्षों की आपसी रंजिश के चलते चलीं अंधाधुंध गोलियों ने क्षेत्र की कानून व्यवस्था की स्थिति पर फिर से प्रश्न चिन्ह लगा दिया गया है। जानकारी के अनुसार आज दशम पिता श्री गुरु गोबिंद सिंह जी की जयंती को समर्पित नगर कीर्तन का आयोजन किया गया था। इसी बीच आज दोपहर चिट्टी वेईं के पास एक धार्मिक कुटिया के समीप पुरानी रंजिश को लेकर दो पक्षों में कहासुनी हो गई। मारपीट शुरू होने से पहले ही मौके पर पुलिस के पहुंचने से दोनों पक्ष वहां से फरार हो गए। इसके बाद नई मॉडल टाऊन कालौनी में दोनों पक्षों में खूनी संघर्ष छिड़ गया। खूब ईंट-पत्थर चले और अनगिनत गोलियां चलीं। मौके पर मौजूद लोगों ने बताया कि करीब 25 से 30 गोलियां चलाई गईं। इसी बीच दोनों पक्षों के 4 युवक हरजिंदर सिंह (29) पुत्र रेशम सिंह निवासी शाला नगर (मलसियां), अर्शदीप सिंह (25) पुत्र राज कुमार निवासी गांव फखरूवाल (शाहकोट), राजविंदर सिंह (22) पुत्र बलकार सिंह वासी मोहल्ला बागवाला शाहकोट, विनोद कुमार (23) पुत्र पप्पू वासी जैन कॉलोनी शाहकोट गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस पार्टी के साथ मौके पर पहुंचे डीएसपी शाहकोट गुरप्रीत सिंह गिल और थानाध्यक्ष गुरिंदरजीत सिंह नागरा ने बताया कि विनोद कुमार के पेट में, अर्शदीप सिंह के पैर में और राजविंदर सिंह के टांग में गोली लगी है। हरजिंदर सिंह भी पैर में गोली लगने से घायल हो गया। थानाध्यक्ष नागरा ने बताया कि पुलिस ने मौके से करीब एक दर्जन चलीं हुई गोलियों के खोखे बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि घायल युवकों के बयान पर प्राथमिकी दर्ज की जा रही है। पुलिस द्वारा सीसीटीवी कैमरों की जांच की जा रही है और आरोपियों की तलाश में लगातार छापेमारी की जा रही है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि सभी घायलों की हालत स्थिर और खतरे से बाहर है। उक्त घटना से इलाके में पूरी तरह से दहशत का माहौल बना हुआ है।

फनरस फैक्ट्री में बॉयलर फटने से मंची अफरा-तफरी

साहनेवाल। साहनेवाल के नजदीक भैरोमुन्ना रोड स्थित एक फनरस फैक्ट्री में बॉयलर फटने से धमाका हो गया। इस हादसे में 3 गंभीर घायलों सहित 8 वर्कर घायल हो गए। धमाका इतना जबरदस्त था कि आस-पास की फैक्ट्रियों और घरों के शीशे तक टूट गए। जानकारी के अनुसार बुधवार देर रात फैक्ट्री नें अचानक जोरदार बॉयरलर फट गया और काम कर रहे मजदूरों में अफरा-तफरी मच गई। इस हादसे में करीब 4 मजदूर गंभीर घायल हो गए। जिन्हें तुरंत एंबुलैंस की मदद से निजी अस्पताल में पहुंचा दिया। थाना साहनेवाल के जांच अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच दौरान सामने आया कि बॉयलर में कोई भारी लोहे का ड्रम आदि फंसने से तापमान ज्यादा बढ़ गया, जिस कारण धमाका हो गया।

स्वयं से पहले समाज के बारे में सोचने वाला भाजपा का आदर्श कार्यकर्ता : ब्रह्म ज्योत सत्ती

सर्द मौसम को देखते हुए जरूरतमंदों में बांटे कंबल और ऊनी कपड़े

जम्मू। जम्मू में भाजपा के वरिष्ठ नेता ब्रह्म ज्योत सत्ती ने सामाजिक कार्यक्रम आयोजित कर जरूरतमंदों को कंबल और ऊनी कपड़े बांटे। घटते तापमान और सर्द मौसम को देखते हुए ब्रह्म ज्योत को ऐसे जरूरतमंद लोगों की सूची मिली जो इस कड़ाके की सर्दी में बिना कंबल के काफी परेशानी झेल रहे हैं। इसलिए इस बात का संज्ञान लेते हुए ब्रह्म ज्योत सत्ती ने कार्यक्रम आयोजित कर जम्मू में इन लोगों के बीच कंबल और ऊनी कपड़े बांटे। सुरिंदर चौधरी (पार्षद), रवि मेहरा (उपाध्यक्ष भाजपा ओबीसी मोर्चा जेके-यूटी), केवल वर्मा (सचिव ओबीसी मोर्चा जेके-यूटी), अजय गुप्ता जी (सामाजिक कार्यकर्ता), राजेश कुमार सोनू जी (सामाजिक कार्यकर्ता), संजय कुमार गुगा जी, पवन कुमार इस अवसर पर उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन राजेश कुमार व पवन

कुमार ने किया। मौके पर बोलते हुए ब्रह्म ज्योत ने कहा कि भाजपा का आदर्श कार्यकर्ता वह है जो अपने से पहले समाज के बारे में सोचता है और भाजपा हमेशा राष्ट्र पहले, पार्टी दूसरी और स्वयं अंतिम की विचारधारा पर काम करती है और हम हमेशा जरूरतमंदों के लिए उपलब्ध रहते हैं। उन्होंने कहा कि अब मौसम बदल रहा है और हम विशेष रूप से रात के समय शीत लहर का अनुभव कर रहे हैं और अब जम्मू-कश्मीर विशेष रूप से रात में सर्द लहरों की चपेट में है। इसलिए आज हमने महिलाओं सहित कुछ जरूरतमंद लोगों के बीच कंबल वितरित किए जो नया गर्म सामान खरीदने में सक्षम नहीं हैं। वे स्थिर वित्तीय स्थिति में नहीं हैं कि वे नए कंबल खरीद सकें। उन्होंने कहा कि यह भाजपा की विचारधारा है, इसलिए भाजपा कार्यकर्ता जमीनी स्तर पर काम कर रहे हैं और मानवता की सेवा कर रहे हैं जो सबका साथ सबका विकास का सच्चा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि हम हमेशा दूसरों की मदद करते हैं और मुश्किल समय में हम किसी का साथ नहीं छोड़ते। उन्होंने पवन कुमार और राजेश कुमार जैसे सामाजिक कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद दिया और उनकी सराहना की जो हमेशा जरूरतमंदों की मदद करने और मानवता की सेवा करने के लिए उपलब्ध रहते हैं।

उदयपुर मेगा जॉब फेयर में बोले सीएम : राज्य सरकार युवाओं को दे रही रोजगार के सुनहरे अवसर

उदयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि राजस्थान देश में युवाओं को निजी और सरकारी क्षेत्रों में रोजगार उपलब्ध करवाने वाला अग्रणी राज्य है। राज्य सरकार द्वारा 3 लाख से अधिक सरकारी नौकरियां देने का कार्य किया जा रहा है। वहीं निजी क्षेत्र में भी राज्य सरकार की नीतियों से निवेश के लिए अनुकूल माहौल बना है तथा बड़े स्तर पर रोजगार के अवसर सृजित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत सरकार के आंकड़ों के अनुसार राजस्थान 11.04 प्रतिशत की जीडीपी वृद्धि दर के साथ देश में दूसरे स्थान पर है। गहलोत गुरुवार को उदयपुर के जोनल रेलवे ट्रेनिंग ग्राउंड में आयोजित मेगा जॉब फेयर के अन्तिम दिन युवाओं को संबोधित कर रहे थे। यहां मुख्यमंत्री ने युवाओं से संवाद किया एवं रोजगार प्राप्त करने वाले युवाओं को ऑफर लैटर प्रदान किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए एमएसएमई कानून के माध्यम से सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है। इससे नए उद्यमियों को ब्याज-मुक्त ऋण मिल रहा है। साथ ही, राज्य में लेबर अनरेस्ट की भी कोई स्थिति नहीं है। इन सुविधाओं के चलते राजस्थान निवेशकों का मुख्य आकर्षण बन चुका है। उन्होंने कहा कि हाल ही में आयोजित इन्वेस्ट राजस्थान समिट में 11 लाख करोड़ रुपए के एमओयू हुए हैं। इनसे लगभग 10 लाख रोजगार उत्पन्न होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पूरा देश बढ़ती महंगाई से परेशान है। राजस्थान की जनता को महंगाई की मार से राहत पहुंचाने और रसोई का खर्च कम करने के लिए राज्य सरकार उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों, बीपीएल एवं आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को अप्रेल से 500 रुपए में गैस सिलेंडर उपलब्ध कराएगी, ताकि उन्हें आर्थिक सम्बल मिल सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि विभिन्न योजनाओं के माध्यम से युवाओं को प्रशिक्षित बनाया जा रहा है। प्रदेश के युवाओं को रोजगार देने के लिए आयोजन में चॉइस फिनसर्व प्राइवेट लि., आमधने प्रा. लि., क्वेस कॉर्प लि., चेकमेट सर्विसेज प्रा. लि., डिजायर कॉर्पोरेट सर्विसेज प्रा.लि., यस बैंक, लोहागढ़ रिसोर्ट्स प्रा.लि. एवं राजस्थान कौशल एवं आजीविका विकास निगम (आरएसएलडीसी) के बीच एमओयू किया गया।

अब न्यायालयों के आदेश हिंदी में मिल सकेंगे, अधिवक्ताओं ने जताई खुशी

फरीदाबाद (हिंस)। न्यायालय के आदेश अब हिंदी में मिल सकेंगे, इस निर्णय पर अधिवक्ताओं ने खुशी जाहिर करते हुए सेक्टर-12 अदालत परिसर में लड्डू बांटे। इस मौके पर बार काउंसिल पंजाब एंड हरियाणा के पूर्व मनोनित सदस्य शिवदत्त वशिष्ठ एडवोकेट ने कहा कि अभी तक कार्रवाई अंग्रेजी में ही होने से कम पढ़े-लिखे लोगों को दिक्कते होती थी लेकिन अब बहुत ही जल्दी न्यायालय के आदेश हिंदी में होने लगेंगे। उन्होंने कहा कि पंजाब एंड हरियाणा के उच्च न्यायालय के अधीनस्थ न्यायालय व अधिक्रणों में हिंदी के उपयोग के लिए बनाए गए हरियाणा राज भाषा अधिनियम 1969 में संशोधन पर राज्यपाल ने मुहर लगा दी है। सूचना जन संपर्क एंव भाषा विभाग द्वारा जारी अधिसूचना पहली अप्रैल से लागू होगी। चूंकि दैनिक जीवन में लोग हिंदी भाषा का ज्यादा उपयोग करते है इसलिए अदालती कार्रवाई के दौरान आमजन को असहज स्थिति से बचाने के लिए हरियाणा सरकार ने जनवरी में अदालती आदेशों को हिंदी में ही जारी कराने की मंजूरी दी थी। नियमों में बदलाव के बाद उच्च न्यायालय के अधीनस्थ हिंदी में काम किया जाएगा। वशिष्ठ ने कहा कि हिंदी में आदेश मिलने से आमजन मानस को बहुत फायदे होंगे। जिन लोगों को अंग्रेजी पढ़ने में दिक्कते आती है अब हिंदी में आदेश मिलने से अपने हक के आदेशों को पढ़ने में दिक्कते नहीं आएगी। इससे पहले भी कई राज्यों में न्यायालयों के आदेश हिंदी में आने से उन राज्य के लोगों की सुविधा बढ़ी है। जबकि इंगलिश में आदेशों के आने पर व्यक्ति दूसरों पर अधारित रहता है। अब स्वयं अपने आदेशों को पढ़ व समझ सके। इस मौके पर वरिष्ठ अधिवक्ता सतबीर शर्मा, विनोद कौशिक, मदन दलाल, धनसिंह, कुलदीप जौशी, सतपाल नागर, विजय पाल यादव, अफाक खान, हरदीप बसोया, सागर, नागर, प्रदीप सिद्धु, कपिल तिवारी, बिल्लू धनकड़, कमल दलाल, नमन बसंल, सुरेन्द्र लोहिया आदि अधिवक्तागण मौजूद थे।

जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल 2023 में गूंजेगी सशक्त महिलाओं की आवाज

जयपुर (हिंस)। आइकोनिक जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल का आयोजन 19 से 23 जनवरी को होटल क्लार्क्स आमेर जयपुर में होगा। इस साल, अपने 16वें संस्करण में, फेस्टिवल में उल्लेखनीय लेखिकाओं की कलम के रंग बिखरेंगे। फेस्टिवल के कई महत्वपूर्ण सत्र लेखिकाओं की उपलब्धि को समर्पित होंगे, जिनमें उनके लेखन के माध्यम से उनके सफर को बुना जाएगा। एक विशेष सत्र, फीमेल गे पर आधारित होगा। जब कोई कथानक किसी महिला के नजरिए से लिखा जाता है, तो वो कैसे दूसरे से भिन्न होता है? ये *फीमेल गे?* महिलाओं को पोर्ट्रेट करने का नजरिया बदल देता है और वो महज एक *वस्तु* से ऊपर उठ पाती है। इस सत्र में शामिल होने वाले वक्ता हैं: एमिली पर्किन्स, यूजेनिया कुजनेत्सोवा, एना फिलोमिना अमराल और ताध्ग मैक डोंने। इनसे संवाद करेंगी लेखिका सस्क्या जैन। सत्र में, ये वक्ता महिला नजरिये से लेखन के सामाजिक-सांस्कृतिक और राजनैतिकनिहितार्थों की व्याख्या करेंगे। बुकर प्राइज विजेता बेर्नार्दिन एवारिस्तो का संस्मरण, मेनिफेस्टो: ऑन नेवर गिविंग अपउनके संघर्षमय जीवन की कहानी कहता है। कैसे उन्होंने दशकों तक लड़ाई लड़ी, जिससे वो अपनी बात दुनिया के सामने रख सकें। फेस्टिवल में, एवारिस्तोसे संवाद करेंगी पत्रकार और लेखक, नंदिनी नायर। एक अन्य सत्र में, इंटरनेशनल बुकर विजेता गीतांजलि श्री और अनुवादकडेजी रॉकवेलके साथ संवाद करेंगे साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार के विजेता तनुज सोलंकी। हिंदी कायह सत्र मूल उपन्यास रेत समाधि पर आधारित होगा, जिसमें स्टोरीटेलिंग के प्रयोग, नए उपमानों की खोज और अस्सी बरस की नायिका की नजर से विभाजन पर चर्चा होगी। लोककल्याणकारी, लेखिका सुधा मूर्तिएक प्रेरक व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने अपनी सहज कहानियों के माध्यम से युवा पीढ़ी तक संस्कृति को पहुंचाया है। सत्र के दौरान, मूर्ति सेपेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की भूतपूर्व एडिटर-इन-चीफ, मेरु गोखले संवाद करेंगी। एक अन्य साहित्यिक सत्र में लेखिका, प्रकाशक और फेस्टिवल को-डायरेक्टर नमिता गोखलेसे संवाद करेंगी पत्रकार मंदिरा नायर। सत्र में गोखले की किताबों के माध्यम से उनके जीवन के सफर पर रौशनी डाली जाएगी। एक अन्य सत्र में, लेखिका अलका सरावगी और टोकरी में दिगंत के लिए साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित कवयित्री, अनामिकाके माध्यम से हिंदी साहित्य की गहनता पर चर्चा होगी। इनसे संवाद करेंगी प्रसिद्ध पत्रकार निष्ठा गौतम। भारत की पॉप आइकन और प्लेबैक सिंगर उषा उथुप अपने गायन से कई पीढ़ियों को मंत्रमुग्ध करती रही हैं। पत्रकार विकास कुमार झाद्वारा लिखीउनकी जीवनी का अंग्रेजी अनुवाद, द क्वीन ऑफ इंडियन पॉप, सृष्टि झा ने किया है, जिसमें उथुप के रंगीन और प्रेरक कैरियर को बेहद खूबसूरती से दर्ज किया गया है। लेखिका सत्या सरन के साथ संवाद में, उथुप और झा संगीत, यादों, महत्वपूर्ण पड़ावों और किताब के बारे में बात करेंगी। एक सत्र, *लता जी-ए लाइफ इन म्यूजिक* में लोकप्रिय कवि, संगीत और सिनेमा के विद्वान यतीन्द्र मिश्र से अनुवादक और लेखिका अनु सिंह चौधरी संवाद करेंगी। स्वर्गीयलता मंगेशकर के लम्बे और शानदार संगीतमय सफर को बयां करते हुए मिश्र अपनी किताब, लता: सुर गाथाऔर इरा पांडे द्वारा किए गए उसके अंग्रेजी अनुवाद की विस्तार से चर्चा करेंगे। फेस्टिवल में जानी-मानी अदाकारा दीप्ति नवल से, उनकी नई किताब ए कंट्री कॉल्ड चाइल्डहुडपर उद्यमी सूरीना नरूला चर्चा करेंगी। इस संस्मरण में नवल ने बड़ी ईमानदारी से अपने काम और जीवन को दर्ज किया है। एक अन्य सत्र में, पुरस्कृत लेखिका किश्वर देसाईसे नौकरशाह और आईआरएस ऑफिसर निरुपमा कोत्रू संवाद करेंगी। देसाई की किताब, द लांगेस्ट किस: द लाइफ एंड टाइम्स ऑफ देविका रानी में इंडिया की पहली इंटरनेशनल सुपरस्टार, देविका रानी के जीवन और कैरियर का ब्यौरा है। एक अन्य सत्र में, कामयाब लेखिका और अकादमिक चित्रा बनर्जी दिवाकरुनी से उनके उपन्यास इंडिपेंडेंस पर चर्चा करेंगी इतिहासकार और लेखिका आंचल मल्होत्रा। दिवाकरुनी का उपन्यास तीन बहनों और 1947 के विभाजन पर उनके अलग-अलग नजरियों पर आधारित है।

एयर इंडिया ने डीजीसीए को दी जानकारी, महिला ने शिकायत वापस ली इसलिए नहीं दी नियामक को जानकारी

नई दिल्ली ।
एयर इंडिया के विमान में एक यात्री के सहयात्री महिला पर पेशाब करने के मामले में एयरलाइन ने बड़ा बयान दिया है। एयरलाइन ने बताया चूंकि पीड़ित महिला ने कार्रवाई के लिए प्रारंभिक शिकायत वापस ले ली उनके स्टॉफ ने नियामक को इसकी शिकायत नहीं की। एयरलाइन ने कहा कि मामले में पीड़ित महिला और कथित आरोपी के बीच लगता है कि सुलह समझौता हो गया है, इसलिए हमने मामले की रिपोर्ट नहीं की। एयर इंडिया ने डीजीसीए को बताया कि मामले में पीड़ित महिला को उड़ान का पूरा किराया वापस कर दिया गया है।

मामले की जानकारी रखने वाले सूत्रों ने कहा कि एयर इंडिया ने गुरुवार को डीजीसीए के 4 जनवरी के नोटिस का जवाब भेजा, जिसमें 26 नवंबर, 2022 की एआई 102 उड़ान में हुई घटना का विवरण दिया गया है। बयान में कहा गया है कि बिजनेस क्लास के अज्ञात आरोपी को एयर इंडिया की आंतरिक समिति की रिपोर्ट आने तक 30 दिनों के लिए उड़ान भरने से प्रतिबंधित कर दिया गया है। सूत्रों ने एयर इंडिया के जवाब के हवाले से बताया कि समिति ने आवश्यक दस्तावेज हासिल कर लिए हैं और पहली सुनवाई की है। उधर, दिल्ली के पालम पुलिस स्टेशन ने भी मामला दर्ज कर लिया है, जबकि पीड़ित यात्री को फ्लाइट का किराया वापस कर दिया गया है।

एयर इंडिया ने डीजीसीए को बताया कि उसके चालक दल के सदस्यों को 26 नवंबर, 2022 को एआई 102 में सवार एक महिला यात्री से शिकायत मिली थी कि एक पुरुष सह-यात्री ने सीट के पास पेशाब कर उसके कपड़े और बैग गंदे कर दिए थे। चालक दल ने महिला यात्री को उसी श्रेणी में एक अलग सीट पर बैठाया और सूखे कपड़े और चप्पलों का एक सेट प्रदान किया। महिला यात्री ने शुरू में अनुरोध किया कि विमान की लैंडिंग के बाद दोषी के खिलाफ कार्रवाई की जाए। हालांकि बाद में उन्होंने अपना अनुरोध वापस ले लिया क्योंकि संभवतः दोनों पक्षों ने आपस मे मामला सुलझा लिया था।

न्यूज ब्रीफ

नए साल में ताइवान देगा हर नागरिक को 200 डॉलर, आर्थिक लाभ बुजुर्गों के साथ भी किया जाएगा साझा

ताइपे । ताइवान ने नए साल पर अपने हर नागरिक को करीब 200 डॉलर नकद (करीब 16,000 रुपये) देने की योजना बनाई है। राष्ट्रपति सु त्सेंग-चैंग बुधवार को इसकी घोषणा करते हुए देश की आर्थिक वृद्धि की जानकारी देशवासियों के साथ साझा की। सु ने संवाददाताओं से कहा, आर्थिक उपलब्धियों का लाभ युवा से लेकर बूढ़े सभी नागरिकों के साथ साझा किया जाएगा। सु ने 20 जनवरी से शुरू होने वाली सप्ताहभर की छुट्टियों का जिक्र करते हुए कहा, हम सभी नागरिकों को चंद्र नववर्ष की शुरुआत के बाद नए साल का आशीर्वाद देना चाहते हैं। इसके तहत लोगों को यह राशि दी जाएगी। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि सरकार भुगतान कैसे करेगी। 2021 में ताइवान की वृद्धि दर 6.45 फीसदी रही थी, जो 2010 की 10.25 फीसदी की वृद्धि दर के बाद सबसे ज्यादा थी। ब्रिटेन के पीएम ऋषि सुनक ने बुधवार को अगले चुनाव से पूर्व अपनी असंतुष्ट कंजर्वेटिव पार्टी को आश्वस्त करने के उद्देश्य से एक भाषण में मुद्रास्फीति कम करने से लेकर अवैध प्रवासन को समाप्त करने तक, देश की सबसे गंभीर समस्याओं से निपटने का वादा किया। उन्होंने कहा कि वह ब्रिटेन में सभी विद्यार्थियों को 18 वर्ष की आयु तक किसी न किसी रूप में गणित का अध्ययन सुनिश्चित कराने की योजना पर विचार कर रहे हैं। उनकी सरकार आगामी पीढ़ियों के लिए बेहतर भविष्य का निर्माण करेगी। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा के अपोलो-7 मिशन के अंतरिक्ष यात्री वॉल्टर कनिंघम (90) का निधन हो गया। वॉल्टर कनिंघम नासा के अपोलो कार्यक्रम के पहले सफल मानवयुक्त अंतरिक्ष अभियान के चालक दल के अंतिम अंतरिक्ष यात्री थे, जो अभी तक जीवित हालांकि, अभी उनकी मृत्यु के कारणों खुलासा नहीं हुआ है।

ऑनलाइन ऑटोक्रिशा बुकिंग में पांच फीसदी सेवा शुल्क सीमा पर रोक, हाईकोर्ट का फैसला

बेंगलुरु । कर्नाटक हाईकोर्ट ने बुधवार को परिवहन विभाग की उस अधिसूचना पर रोक लगा दी, जिसमें ऑनलाइन ऑटोरिक्शा बुकिंग सुविधा देने वाली कंपनियों की तरफ से लिए जाने वाले सेवा शुल्क पर पांच फीसदी की सीमा तय कर दी गई थी। अधिसूचना 25 नवंबर 2022 को जारी की गई थी। इसे ऑनलाइन टैक्सी बुकिंग सेवा देने वाली कंपनियों ओला और उबर ने चुनौती दी थी। इससे पहले अधिसूचना में ऐसी सेवा को मान्यता नहीं देने को भी चुनौती दी गई थी। हाईकोर्ट के हस्तक्षेप के बाद नई अधिसूचना जारी की गई। कोर्ट ने मामले में सभी पक्षों के विचारों पर गौर करने का निर्देश दिया।

हैदराबादी नडेला चैटजीपीटी से बोले- बिरयानी को टिफिन बोल ना कर अपमान, सॉफ्टवेयर ने मांगी माफी

नई दिल्ली । माइक्रोसॉफ्ट के कार्यकारी अध्यक्ष और सीईओ सत्य नडेला की चैटजीपीटी से असहमति थी और सॉफ्टवेयर ने माफी मांगी। यह सब बिरयानी पर। चैटजीपीटी एक लोकप्रिय एआई-सक्षम सॉफ्टवेयर और एक चैट-रोबोट है। नडेला ने चैटजीपीटी से भविष्य में सबसे लोकप्रिय दक्षिण भारतीय टिफिन आइटम के बारे में बताया उसने इडली, डोसा और वड़ा के के बारे में बताया। इसमें एक विकल्प बिरयानी का भी था। जिस पर नडेला ने अहसमति जताई। उन्होंने चैटजीपीटी से कहा कि वे एक हैदराबादी हैं ऐसे में सॉफ्टवेयर बिरयानी को दक्षिण भारतीय टिफिन कहकर उनकी बुद्धिमत्ता का अपमान नहीं कर सकता। इसके बाद सॉफ्टवेयर ने जवाब दिया, मुझे खेद है! नडेला बुधवार को बेंगलुरु में फ्यूचर रेडी टेक्नोलॉजी समिट में बोल रहे थे और उन्होंने भारत में हो रहे अत्याधुनिक एआई और क्लाउड इनोवेशन के बारे में अपनी प्रस्तुति देने से पहले भीड़ को हल्के-फुल्के चैटजीपीटी (लोकप्रिय एआई-सक्षम सॉफ्टवेयर) वार्तालाप से परिचित कराया।

आयकर का दायरा बढ़ेगा या जीएसटी का भार, एफएम के पिटारे में इस बार क्या होगा खास

नई दिल्ली ।
नव वर्ष 2023 के आगाज के साथ ही बाजार व निवेशकों की नजर केंद्रीय बजट 2023-24 और उससे जुड़े संकेतों पर टिक जाएगी। अप्रैल-मई 2023 में होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल का यह पूरे साल का आखिरी बजट होगा।

एक फरवरी को संसद में पेश किया जा सकता है आम बजट - इक्विटी मार्केट के विशेषज्ञों और विश्लेषकों ने पहले ही बजट से उम्मीदों के मुताबिक अपनी स्थिति का आकलन करना शुरू कर दिया है। वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बजट 1 फरवरी, 2023 को पेश किए जाए जाने की संभावना है। बाजार को नए बजट से सुधारों और कर लाभों की उम्मीदें हैं। बाजार को उम्मीद है कि वित्त मंत्री राजकोषीय घाटे और मुद्रास्फीति को नियंत्रण में रखते हुए विकास की रफ्तार को बनाए रखेंगी।

बजट 2023 में किसी बड़ी घोषणा से बच सकती है सरकार - एचडीएफसी सिक्योरिटीज ने अपनी नवीनतम रिपोर्ट में कहा, हमारी राय है कि सरकार राजकोषीय विवेक को दर्शाएगी और किसी बड़ी कट्टरपंथी घोषणा या सुधारों का सहारा नहीं लेगी। इस बात की उम्मीद है कि केंद्र देश के बुनियादी ढांचा के स्थायी विकास, व्यापक कैपेक्स और विनिर्माण आधारित विकास की मौजूदा रणनीति को जारी रखेगा।

निवेश आधारित विकास बना रहेगा सरकार का मूलमंत्र - ब्रोकरेज हाऊस को उम्मीद है कि सरकार पूरे साल के राजकोषीय घाटे को जीडीपी के 6.4प्रतिशत के अनुमानित लक्ष्य के भीतर रखने की कोशिश करेगी। उम्मीद है कि प्रमुख उपभोग क्षेत्रों के लिए प्रत्यक्ष वित्तीय सहायता के स्थान पर निवेश आधारित विकास सरकार का मंत्र बना रहेगा। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुमानों के अनुसार, इस वित्तीय वर्ष में सकल कर संग्रह अक्टूबर 2022 तक 16.1 लाख करोड़ रहा है।

आयकर संरचना में बदलाव की उम्मीद कर रहा बाजार - इस बीच, डेलॉइट इंडिया ने भी आयकर संरचना में कुछ बदलावों को अमलीजामा पहनाने का सुझाव दिया है। डेलॉइट इंडिया का मानना है कि आयकर की 30 प्रतिशत की उच्चतम कर दर को घटाकर 25प्रतिशत किया जाना चाहिए और उच्चतम कर दर की सीमा को 10 लाख रुपये की वार्षिक आय से बढ़ाकर 20 लाख रुपये सालाना कर देनी चाहिए ताकि लोगों की क्रय शक्ति बढ़े।

महंगाई को देखते हुए धारा80 सी के तहत निवेश की सीमा बढ़ाने पर हो विचार - धारा 80 सी के तहत निवेश के लिए 1,50,000 की वर्तमान सीमा भी काफी कम है। रहने की लागत और मुद्रास्फीति में वृद्धि को देखते हुए सरकार को इसकी सीमा बढ़ाने पर विचार करना चाहिए। इससे दोहरा लाभ होगा। डेलोइट इंडिया के पार्टनर तापती घोष ने एक रिपोर्ट में कहा, करदाता अधिक बचत करने के इच्छुक होंगे और कम टैक्स लगने से लाभान्वित होंगे, जिससे विभिन्न वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि को पूरा करने के लिए जरूरी आय में वृद्धि होगी।

वैश्विक मंदी की आशंकाओं के बीच आ रहे बजट पर टिकी रहेंगी सबकी निगाहें - बजट 2023 ऐसे समय में आएगा जब दुनिया भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं से जूझ रही है। अर्थव्यवस्थाएं धीमी वृद्धि के कारण चिंतित हैं। केंद्रीय बैंकों और सरकारों की ओर से किए गए उपायों के बावजूद मुद्रास्फीति उच्च स्तर पर बनी हुई है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं और एक संभावित मंदी को ध्यान में रखते हुए, डेलॉइट इंडिया ने वित्त वर्ष 2022-23 के दौरान 6.5-7.1प्रतिशत और 2023-24 के लिए 5.5-6.1प्रतिशत की रेंज में जीडीपी वृद्धि का अनुमान लगाया है।

बजट 2023 पर परामर्श के लिए कई बैठकें कर चुकी हैं वित्त मंत्री - बजट 2023 के लिए नीतियां बनाते समय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को राजनीतिक मजबूरियों के अलावा देश की आर्थिक व्यवस्था को भी ध्यान में रखना होगा। बता दें कि वित्त मंत्री ने अपना बजट पूर्व परामर्श के लिए पिछले महीने कई बैठकें की। इन बैठकों में बड़ी संख्या में उद्योग जगत के विशेषज्ञों और विश्लेषकों ने लिया। इन बैठकों के दौरान जानकारों ने वित्त मंत्री को बजट से जुड़े जरूरी सुझाव दिए। इन्हीं बैठकों के दौरान होटल के कमरों पर अधिकतम तस्ञ्ज 12प्रतिशत करने का सुझाव भी वित्त मंत्री को दिया गया था। अब इन सुझावों में से कितने को वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गंभीरतापूर्वक विचार करते हुए बजट 2023 का हिस्सा बनाती हैं यह जानने के लिए बजट सत्र का इंतजार करना पड़ेगा। तब तक अटकलों का दौर जारी रहेगा।

बैंक लोकपाल के पास एटीएम कार्ड की सर्वाधिक शिकायतें, साढ़े चार महीने में 1.86 लाख मामले दर्ज

मुंबई ।
बैंक लोकपाल को एक अप्रैल से 11 नवंबर, 2021 के दौरान ग्राहकों से सबसे ज्यादा एटीएम-डेबिट कार्ड और मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग से जुड़ी शिकायतें मिलीं। आरबीआई ने बुधवार को जारी रिपोर्ट में कहा कि लोकपाल योजना-उपभोक्ता शिक्षा और संरक्षण प्रकोष्ठ के तहत 2021-22 के दौरान मिली शिकायतों की संख्या 2020-21 के मुकाबले 9.39 फीसदी बढ़कर 4,18,184 पहुंच गई। इनमें 3,04,496 शिकायतों का प्रबंधन आरबीआई के 22 लोकपाल कार्यालयों ने किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि ग्राहकों से मिली कुल शिकायतों में सबसे ज्यादा 14.65 फीसदी एटीएम-डेबिट कार्ड से संबंधित थीं।

13.64 फीसदी शिकायतें मोबाइल-इलेक्ट्रॉनिक बैंकिंग से जुड़ी थीं। कुल शिकायतों में से करीब 90 फीसदी ऑनलाइन शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) पोर्टल, ई-मेल और केंद्रीकृत सार्वजनिक शिकायत समाधान एवं निगरानी प्रणाली समेत डिजिटल माध्यमों से प्राप्त हुईं। इनमें 66.11 फीसदी शिकायतों का समाधान आपसी समझौते या सुलह या मध्यस्थता के जरिये किया गया।

शिकायतों के समाधान में बढ़ोतरी

रिपोर्ट के मुताबिक, लोकपाल के जरिये शिकायतों का समाधान 2021-22 में बढ़कर 97.97 फीसदी पहुंच गया। 2020-21 में यह आंकड़ा 96.59 फीसदी रहा था।

साढ़े चार महीने में 1.86 लाख से ज्यादा मामले

पिछले वित्त वर्ष के अंत में आरबीआई लोकपाल के दायरे का विस्तार किया गया था। इसमें 50 करोड़ रुपये या इससे अधिक जमा वाले गैर-अनुसूचित शहरी सहकारी बैंकों (यूसीबी) को शामिल किया गया था। इसके अलावा, क्रेडिट इन्फॉर्मेशन कंपनियों को भी एक सितंबर, 2022 को इसके दायरे में लाया गया था। इसके तहत आरबीआई लोकपाल को 12 नवंबर से 31 मार्च, 2022 तक कुल 1,86,268 शिकायतें मिलीं। आरबीआई चंडीगढ़ में केंद्रीकृत रसीद एवं प्रसंस्करण केंद्र ने ई-मेल या भौतिक माध्यम के जरिये मिलीं 1,49,419 शिकायतों की जांच की।

अमेजन में 18000 कर्मी निकाले जाएंगे, कुल कार्यबल में 6प्रतिशत की कटौती होगी

नई दिल्ली ।
आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी अमेजन 18,000 से अधिक नौकरियों को घटना चाहती है। कंपनी यह कदम लागत में कटौती करने के लिए उठा रही है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंडी जेसी ने कर्मचारियों को भेजे एक नोट में कहा कि प्रभावित कर्मियों को 18 जनवरी से इसकी सूचना दी जाएगी।

यह कटौती फर्म के लगभग 300,000 मजबूत कॉर्पोरेट कार्यबल का लगभग 6प्रतिशत है।

अमेजन इनती बड़ी छंटनी की शुरुआत करने वाली नवीनतम बड़ी आईटी कंपनी है। माना जा रहा है कि कंपनी के ग्राहकों ने अपना खर्च बढ़ने के कारण उसमें कटौती का फैसला किया है। जिससे कंपनी को भी छंटनी का फैसला लेना पड़ा। बता दें कि प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी ने पिछले साल ही कहा था कि वह अपने कर्मचारियों की संख्या कम करेगी।

जेसी ने कहा हम प्रभावित लोगों का समर्थन करने के लिए काम कर रहे हैं। और पैकेज प्रदान कर रहे हैं जिसमें सेपरेशन पेमेंट, ट्रांजिशनल हेल्थ इंश्योरेंस बेनेफिट्स और अन्य जगहों पर जॉब प्लेसमेंट समर्थन शामिल हैं,

उन्होंने कहा, अमेजन ने अतीत में अनिश्चित और कठिन आर्थिक परिस्थितियों का का सामना किया है और हम ऐसा करना जारी रखेंगे।

हालांकि जेसी ने यह स्पष्ट नहीं किया कि प्रभावित कर्मचारी कहां स्थित हैं, लेकिन उन्होंने कहा कि फर्म यूरोप के उन संगठनों के साथ संवाद करेगी जो कर्मचारियों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अधिकतर छंटनी अमेजन स्टोर संचालन और इसकी पीपुल, एक्सपीरियंस व टेक्नोलॉजी टीम में होंगे।

सरकार का फैसला, कहा- वोडा आइडिया में पूंजी डालें प्रवर्तक तभी सौदा

नई दिल्ली ।
सरकार ने कहा कि वोडा आइडिया को लेकर सौदा तभी होगा, जब प्रवर्तक उसमें पर्याप्त पूंजी डालें इसलिए कंपनी पर बकाया एजीआर का जो 16,000 करोड़ का ब्याज बन रहा है, उसे शेयर में बदलने को लेकर सरकार का रुख ठंडा पड़ता नजर आ रहा है। प्रवर्तक 2,000 से 3,000 करोड़ रुपये डालना चाहते हैं, जबकि जरूरत 40 से 50 हजार करोड़ रुपये की है।

चीन, ईयू से आयातित विटामिन पर जांच

सरकार ने चीन, यूरोपीय संघ (ईयू) और स्विट्जरलैंड से कुछ तरह के विटामिन के आयात पर एंटी-डंपिंग जांच शुरू की है इन विटामिन का इस्तेमाल जानवरों के लिएकिया जाता है व्यापार उपचार महानिदेशालय ने कहा कि (डीजीटीआर) शिकायतें मिलने के बाद यह जांच शुरू की गईहै। इससे घरेलू उद्योग को बचाने में मदद मिलेगी।

धान की खरीद 10प्रतिशत बढ़कर 542 लाख टन

केंद्रीय पूल के लिए सरकार की धान खरीद चालू खरीफ विपणन सत्र 2022-23 में अब तक 9.58 फीसदी बढ़कर 541.90 लाख टन पहुंच गई है केंद्रीय पूल में योगदान करने वाले प्रमुख राज्यों में पंजाब, छत्तीसगढ़, हरियाणा और तेलंगाना शामिल हैं। सरकार का लक्ष्य चालू खरीफ विपणन सत्र में 775.72 लाख टन धान की खरीदारी का है।

एनएआरसीएल ने लगाईसर्वाधिक बोली

नेशनल एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी लि. (एनएआरसीएल) ने कर्ज में डूबी श्रेई समूह की दो कंपनियों नीलामी में सबसे ऊंची 5,555 करोड़ की बोली लगाई है। इन कंपनियों में श्रेई इन्फ्रास्ट्रक्चर फाइनेंस और श्रेई इक्विपमेंट शामिल हैं समूह की दोनों कंपनियों के लिए मंगलवार नीलामी शुरू हुईथी।

कैट की नई ई-कॉमर्स नीति जल्द लाने की मांग

कंफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) और अन्य संगठनों ने बुधवार को 'दिल्ली घोषणा' चार्टर जारी किया। इसमें नई ई-कॉमर्स नीति तत्काल लाने की मांग की गई। कैट महासचिव प्रवीण खंडेलवाल ने कहा, ई-कॉमर्स क्षेत्र बेलगाम हो गया है। इसके लिएनियामक का गठन होना चाहिए।

नए साल में अर्थव्यवस्था के लिए अच्छी खबर

देश में 50प्रतिशत जॉब देने वाला सर्विस सेक्टर 6 महीने के उच्चतम स्तर पर

नई दिल्ली।
देश में रोजगार के मामले में 50प्रतिशत से अधिक हिस्सेदारी रखने वाले वाले सर्विस सेक्टर से अच्छी खबर है। उम्मीद से बेहतर प्रदर्शन करते हुए दिसंबर 2022 में सर्विस सेक्टर छह महीने में तेजी से दौड़ा और उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सेक्टर का पीएमआई नवंबर में 56.4 था, जो दिसंबर 2022 में बढ़कर 58.5 पर रहा। हालांकि, बाजार विश्लेषकों ने इसके 55.5 ही रहने का अनुमान जताया था। इससे पहले रोजगार में 38प्रतिशत हिस्सेदारी वाले निजी क्षेत्र का उत्पादन भी 11 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया था। मैन्युफैक्चरिंग का कंपोजिट इंडेक्स दिसंबर में 59.4 रहा था, जो यह जनवरी 2012 के बाद सर्वोच्च था।

सर्विस सेक्टर का पीएमआई 17वें महीने 50 से ऊपर

एसपी ग्लोबल के मुताबिक, सर्विस सेक्टर का पीएमआई (पर्चेसिंग मैनेजर्स इंडेक्स) 17वें महीने 50 से ऊपर रहा। यह जून 2013 के बाद बाद सबसे अच्छी स्थिति है। मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर का रुख भी सकारात्मक रहा है। इसी के चलते उत्पादन 13 माह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।

सेक्टर की उम्मीद इसलिए बढ़ी

इंडिया रेटिंग एंड रिसर्च के मुताबिक, सर्विस सेक्टर में विदेशी निवेश आने वाले सालों में भी बढ़ेगा। यह अप्रैल 2000 से मार्च 2014 के बीच 6.52 लाख करोड़ रुपए था, जो अप्रैल 2014 से मार्च 2022 के बीच 12.39 लाख करोड़ रु. हो गया। इसी दौरान मैन्युफैक्चरिंग में विदेशी निवेश 6.24 लाख करोड़ रु. से बढ़कर 7.63 लाख करोड़ रु. रहा।

टीमलीज की 'एम्प्लाईमेंट आउटलुक रिपोर्ट' के मुताबिक, सर्विस सेक्टर की 77प्रतिशत कंपनियां जनवरी से मार्च 2023 में नए जॉब देने पर विचार कर रही हैं।

बिजनेस कॉन्फिडेंस स्टडी के मुताबिक, देश की 96प्रतिशत को 2023 में अपना मुनाफा 30प्रतिशत बढ़ने की उम्मीद है। इन्हें यह भी उम्मीद है कि इस साल कंज्यूमर डिमांड बढ़ेगी।

यह रही वजह

इनपुट लागत बढ़ने से अधिकतर ग्राहक सेवाएं प्रभावित हुईं। हालांकि लगातार दूसरे महीने फाइनेंशियल और इंश्योरेंस सेवाओं के शुल्क बढ़ने के बावजूद इनमें इजाफा हुआ।

पिछले दो साल में कारखानों को सबसे ज्यादा ठेके दिसंबर में ही मिले। उनका उत्पादन भी सबसे अधिक रहा। इसी कारण पीएमआई इंडेक्स बढ़ा।

जब तक प्राइवेट पार्ट नहीं दिख जाते जेल नहीं हो सकती: उर्फी जावेद

– भाजपा की महिला अध्यक्ष ने लगाए नग्नता में लिप्त होने के आरोप

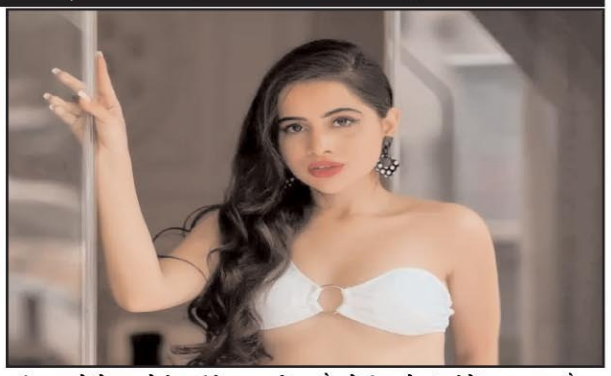

मुंबई (ईएमएस)। सोशल मीडिया सेनसेशन उर्फी जावेद पर नग्नता में लिप्त होने का आरोप लगाया है। यह आरोप महाराष्ट्र भाजपा की महिला अध्यक्ष चित्रा किशोर वाघ ने लगाया है। इस पर उर्फी जावेद ने प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि जब तक उनके प्राइवेट पार्ट नहीं दिख जाते उन्हें जेल नहीं हो सकती। चित्रा किशोर वाघ ने ट्वीट करते हुए लिखा कि मुंबई में क्या हो रहा है? क्या मुंबई पुलिस के पास इस महिला को रोकने के लिए आईपीसी/सीआरपीसी की कोई धारा है जो मुंबई की सड़कों पर खुलेआम नग्नता में लिप्त है? उसे जल्द से जल्द गिरफ्तार करें।उर्फी जावेद ने चित्रा किशोर वाघ की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए अपने ट्वीट में लिखा कि मेरे नए साल की शुरूआत एक और राजनेता की एक पुलिस शिकायत के साथ हुई! असली काम नहीं है इन राजनेताओं के पास? क्या ये राजनेता और वकील गूंगे हैं? संविधान में ऐसा कोई आर्टिकल नहीं है जिसे मुझपर लागू किया जा सके और जेल भेजा जा सके। जब तक मेरे प्राइवेट पार्ट नहीं दिखाई नहीं देते आप मुझे जेल नहीं भेज सकते। ये लोग केवल मीडिया का ध्यान आकर्षित करने के लिए ऐसा कर रहे हैं। मुंबई में मानव तस्करी और सेक्स तस्करी बहुत हैं मैं इसके खिलाफ हूं। उन अवैध डांस बार और वेश्यावृत्ति को बंद करने के बारे में क्या ख्याल है जो फिर से मुंबई में हर जगह मौजूद हैं। उर्फी ने आगे कहा कि मुझे मुकदमा या बकवास नहीं चाहिए अगर आप अपनी और अपने परिवार के सदस्यों की संपत्ति का खुलासा करते हैं तो मैं अभी जेल जाने के लिए तैयार हूं। आप दुनिया को बताएं कि एक राजनेता कितना और कहां से कमाता है। आपकी पार्टी के कई लोगों पर समय-समय पर उत्पीड़न आदि के आरोप लगते रहे हैं।

फिल्म गदर 2 में नजर आने वाली अमीषा पटेल

– सनी देओल संग कर चुकीं है इंटीमेट सीन

मुंबई (ईएमएस)। एक्ट्रेस अमीषा पटेल इस साल 2023 में फिल्म गदर 2 में नजर आने वाली हैं। मालूम हो कि सनी देओल और अमीषा पटेल पर्दे पर इंटीमेट सीन कर चुके हैं और ये सीन किसी और फिल्म में नहीं बल्कि गदर 2 की पहली किश्त में था। लेकिन अब एक्ट्रेस से पूछा जाए कि क्या वो आज भी इंटीमेट या किसिंग सीन करना चाहती हैं तो इस पर उनका रिएक्शन ना होता है। 20 साल छोटी अमीषा सनी देओल के साथ इंटीमेट सीन कर चुकी हैं और बीते साल उन्होंने ओटीटी प्लेटफॉर्म पर काम करने और इंटीमेट सीन करने को लेकर अपना रिएक्शन दिया था। एक्ट्रेस ने कहा था कि अगर अच्छे रोल और वेब सीरीज मिलेगी तो वो जरूर करेंगी। इसके साथ ही ओटीटी पर दिखाए जाने वाले इंटीमेट और किसिंग सीन्स को लेकर 46 वर्षीय अभिनेत्री का कहना था कि वो न्यूडिनिटी और किसिंग सीन नहीं करना चाहेंगी। इसके लिए उनके पास कोई जगह नहीं हैं। जब अमीषा से इसकी वजह के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इस दौरान वो अनकंफर्टेबल महसूस करती हैं।आपकी जानकारी के लिए बता दें कि अमीषा पटेल और सनी देओल की फिल्म गदर 2001 में रिलीज हुई थी और भारत-पाकिस्तान के बटवारे के बीच फिल्माई गई इस लव स्टोरी को लोगों से खूब प्यार मिला था। दोनों के बीच फिल्माया गया बोल्ड सीन आज भी लोगों को याद है। अब इसके बाद अमीषा पटेल की गदर 2 का लोगों को बेसब्री से इंतजार है। ऐसे में देखना ये होगा कि गदर के जैसे ही क्या इसकी दूसरी किश्त भी लोगों के दिलों पर अपना कब्जा जमा पाएगी? आपको बता दें कि अमीषा पटेल ना केवल बॉलीवुड में बल्कि साउथ में भी एक्टिंग का दमखम दिखा चुकी हैं। इसमें अगर उनकी फिल्मों की बात की जाए तो बद्री (2000) पूधिया गीथाई (2003) नरसिंहुदू (2005) और परम वीरा चकरा (2011) जैसी मूवीज लिस्ट में शामिल हैं।

6 फरवरी को शादी के बांधने में बांध जाएंगे कियारा और सिद्धार्थ गेस्ट लिस्ट में ये नाम

मुंबई (ईएमएस)। अभिनेत्री कियारा आडवाणी और सिद्धार्थ मल्होत्रा जैसलमेर में 6 फरवरी को शादी करने वाले हैं। उनकी हल्दी संगीत और गेस्ट लिस्ट से जुड़ी रोचक जानकारियां सामने आई है। इस बीच सिद्धार्थ मल्होत्रा और कियारा नए वर्ष का स्वागत करने करण जौहर मनीष मल्होत्रा और रानी मुखर्जी के साथ दुबई में टाइम बिताते दिखाई दिए थे। उनकी सेलिब्रेशन की तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हुई थी। अब सभी वापस आ गए हैं। उन्हें मुंबई एयरपोर्ट पर देखा गया। सिद्धार्थ और कियारा ने आधिकारिक तौर पर उनके रिश्ते की पुष्टि नहीं की है। हालांकि दोनों की शादी की खबरें अब सोशल मीडिया पर आने लगी है। बताया जा रहा हैं कि दोनों 6 फरवरी को जैसलमेर के एक होटल में शादी करने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार सिद्धार्थ और कियारा आडवाणी की शादी एक पंजाबी शादी होगी। इसमें बैंड बाजा भी होगा। यह शादी 2 दिनों तक चलेगी। इसके बाद वह मुंबई में एक भव्य रिसेप्शन का भी आयोजन होगा। शादी की सारी विधियां जैसलमेर में पूरी की जाएगी। कियारा और सिद्धार्थ की संगीत और हल्दी एक ही दिन होगी। अगले दिन फेरे होने हैं। सूत्रों के अनुसार दोनों के परिवार के लोगों ने शॉपिंग शुरू कर दी है। हल्दी के लिए मारीगोल्ड और यलो थीम होगी। सूत्रों ने बताया दुबई में कियारा अपने दोस्तों से संगीत के दौरान बजने वाले गानों की लिस्ट पर चर्चा करती भी नजर आई। दोनों की फिल्म शेरशाह सुपरहिट हुई थी। इसके चलते राता लंबिया प्लेलिस्ट में होगा। दोनों की गेस्ट लिस्ट में करण जौहर मनीष मल्होत्रा और प्रोड्यूसर अश्विनी यार्डी शामिल हैं। 4-5 फरवरी को सिद्धार्थ और कियारा आडवाणी की संगीत मेहंदी और हल्दी का कार्यक्रम रखा गया है। वहीं रॉयल वेडिंग 6 फरवरी को होगी। अगर स्थान की बात की जाए तो यह जैसलमेर पैलेस होटल में होगी यहां पर सिक्योरिटी काफी कड़ी की जाएगी। सिद्धार्थ मल्होत्रा जल्द फिल्म मिशन मजनू में नजर आएंगे। इसमें उनके अलावा रश्मिका मंदाना होगी।

मलाइका अरोड़ा ने 2022 से 60 स्पेशल फोटोज शेयर किए

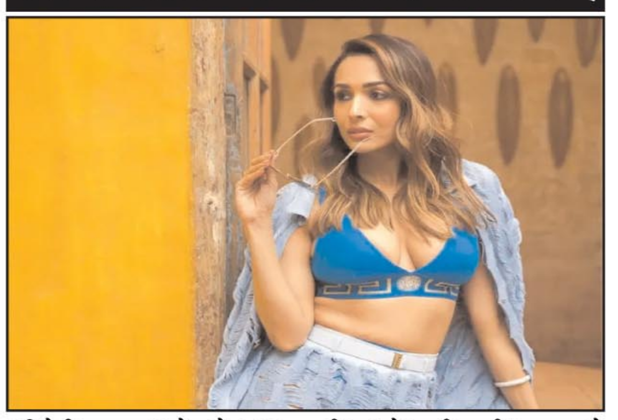

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने 2022 से 60 स्पेशल फोटोज शेयर की हैं। फोटोज के वीडियो असेंबल में उनके कुछ सबसे ग्लैमरस अवतार के साथ-साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें बॉयफ्रेंड अर्जुन कपूर के साथ हैं। हाई स्पीड वीडियो में फोटोज के असेंबल को शेयर करते हुए मलाइका ने लिखा वहां साल जो 60 फोटोज में था.... #बाय 2022 हैलो 2023। वीडियो में उनके विभिन्न ग्लैमरस फोटो शूट की फोटोज भी हैं। एक फैन ने कमेंट किया उम्र तब बस एक नंबर है। एक अन्य ने कहा अब नए साल में शादी भी कर लो जल्दी जल्दी। मलाइका ने अर्जुन के साथ नए साल की शुरूआत की। यह कपल नए साल के जश्न के लिए वरुण धवन और उनकी पत्नी नताशा दलाल के साथ राजस्थान के लिए रवाना हुआ था। वे सोमवार को मुंबई लौटे और एयरपोर्ट पर स्पॉट किए गए। मलाइका ने अपने रियलिटी शो मूविंग इन विद मलाइका के लांच के साथ साल का अंत किया। इसमें करण जौहर फराह खान के साथ उनकी निजी बातचीत बहन अमृता अरोड़ा के साथ उनके झगड़े दिखाए गए।

10 जनवरी को जारी किया जा सकता है शाहरुख-दीपिका स्टारर पठान का ट्रेलर फैंस कर रहे बेसब्री से इंतजार

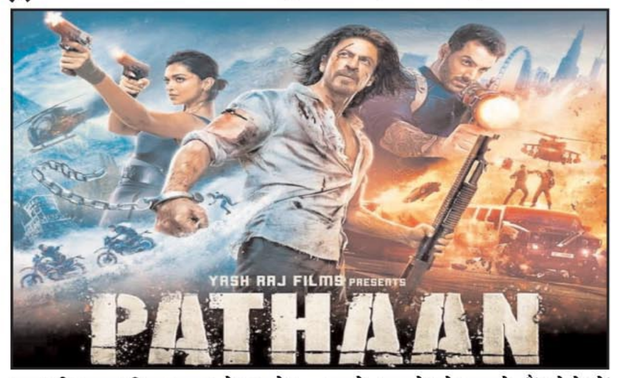

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड अभिनेता शाहरुख खान और दीपिका पादुकोण स्टारर फिल्म पठान का इस जोड़ी के फैंस को बेसब्री से इंतजार है। फिल्म के 2 गाने भी रिलीज हो चुके हैं और लेकिन इस फिल्म का ट्रेलर अभी तक दर्शकों को देखने को नहीं मिला है। अब खबर है 10 जनवरी को यानी ठीक 6 दिन बाद इस फिल्म का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। इसका मतलब कि 5 सालों से शाहरुख को बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे फैंस चैन की सांस ले सकते हैं। उल्लेखनीय है कि एक दिन पहले ही यह खबर सामने आई थी कि हो सकता है कि मेकर्स इस फिल्म की रिलीज को अभी कुछ समय के लिए टाल दें। दरअसल पठान 25 जनवरी को रिलीज होने जा रही है। यश राज प्रोडक्शन में बनी इस फिल्म का ट्रेलर अभी तक सामने नहीं आया है। ऐसे में एक्टर-क्रिटिक कमाल आर खान ने एक ट्वीट के जरिए दावा किया कि बढ़ते विवाद को देखते हुए मेकर्स इस फिल्म की रिलीज डेट आगे बढ़ा सकते हैं। साथ ही नई डेट पर रिलीज होने वाली फिल्म में न तो भगवा कलर की बिकिनी में दीपिका नजर आएंगी और हो सकता है फिल्म का नाम भी बदल दिया जाए। केआरके के इस ट्वीट के दूसरे ही दिन खबर सामने आ गई है कि इस फिल्म का ट्रेलर 10 जनवरी को रिलीज होने जा रहा है। हालांकि हम साफ कर दें कि न तो फिल्म की रिलीज टलने की खबर और न ही ये नई ट्रेलर रिलीज की खबर मेकर्स ने जारी की है। जी हां यश राज ने अभी तक फिल्म की रिलीज डेट पर कोई बयान जारी नहीं किया है लेकिन कई ट्रेड एनलिस्ट और शाहरुख के आधिकारिक फैन पेज ने इस बात की घोषणा कर दी है। केआरके के अलावा इंडस्ट्री से जुड़े सूत्रों के अनुसार फिल्म की रिलीज टल सकती है और उसकी वजह विवाद नहीं बल्कि कोरोना के बढ़ते मामले हो सकते हैं। ऐसे में अगर आने वाले समय में मामले और बढ़े तो शाहरुख खान के कमबैक वाली इस फिल्म के लिए दर्शकों को कुछ और इंतजार करना पड़ सकता है। उल्लेखनीय है कि शाहरुख खान के फैंस साल 2018 के बाद से ही उन्हें बड़े पर्दे पर देखने का इंतजार कर रहे हैं। शाहरुख आखिरी बार फिल्म जीरो में नजर आए थे। हालांकि इस बीच वह रॉकेट्री और ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्मों में कैमियो करते दिखाई दिए हैं। लेकिन इन फिल्मों में उनकी केंद्रीय भूमिका नहीं रही है। पूरे 5 साल बाद 2023 में फैंस शाहरुख को एक बार फिर हीरो के अंदाज में फिल्म में देखने को बेकरार हैं।

शिवानी और माही का गाना 'भसुर जी से छुआ गईनी' हुआ रिलीज

नये साल मे गायिका शिवानी सिंह और अदाकारा माही श्रीवास्तव का जबरदस्त गाना 'भसुर जी से छुआ गईनी' वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल से रिलीज हो चुका है। इसे दर्शकों ने हाथोंहाथ उठा लिया है। माही श्रीवास्तव ने बेहद कम समय में इंडस्ट्री में अपनी खास पहचान बनाई है, उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ती जा रही है। उनके गाने यूट्यूब पर खूब पसंद किए जाते हैं। सिंगर शिवानी सिंह भी किसी से कम नहीं, इनकी आवाज के भी दर्शक दीवाने हैं। इनके गाने भी दर्शकों के सिर चढ़कर बोलते हैं। यही कारण है कि दोनों जब साथ आते हैं तो धमाल मचना तो तय है। गाने में नवविवाहिता माही श्रीवास्तव अपने घर के आंगन में बर्तन धो रही होती हैं कि अचानक से भसुर जी से टकरा जाती है जिसके बाद उनके मन मे क्या क्या सवाल उठते हैं। यही इस गाने के माध्यम से माही कहती हैं कि अंगना में धोवत रही बर्तन बा... अचके में आईले पड़ल न ध्यानवा...मुह के न खोखनी... हमहूं न टोकनी... पड़ते नजर भबुआ गईनी...हमतो भसुर जी से छुआ गईनी...।

वर्ल्डवाइड रिकार्ड्स भोजपुरी प्रस्तुत 'भसुर जी से छुआ गईनी' के लिरिक्स आशुतोष तिवारी और निक्की निहाल ने लिखे हैं। इसको शिवानी सिंह ने गाया है। इसका संगीत प्रियांशु सिंह ने तैयार किया है। इसके निमार्ता रत्नाकर कुमार हैं। इसके निर्देशक रवि पंडित हैं। इसके कोरियोग्राफर सनी सोनकर हैं। इसका डीआई रोहित ने किया है।

लंदन में नस्लीय टिप्पणी का शिकार हुए सतीश शाह, सोशल मीडिया पर किया खुलासा

विदेशों में अक्सर भारतीयों के साथ नस्लवाद की घटनाएं सुनने को मिलती रहती हैं। आम लोगों के साथ-साथ फेमस हस्तियां भी नस्लीय टिप्पणियों का शिकार हो चुकी हैं। ऐसी ही एक घटना अभिनेता और अपने कॉमेडी रोल के लिए फेमस एक्टर सतीश शाह के साथ भी हुई है। शाह को लंदन के हीथ्रो एयरपोर्ट पर नस्लवादी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा है। सतीश शाह ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट डालकर खुद इस घटना का खुलासा किया है। उन्होंने अपने ट्वीट में बताया है कि लंदन एयरपोर्ट हीथ्रो के कर्मचारी हैरान होकर अपने साथी कर्मचारी से यह सवाल कर रहे थे कि आखिर ये लोग कैसे फर्स्ट क्लास अफोर्ड कर सकते हैं? शाह ने उनकी बातों को जब सुना, तो उन्होंने गर्व से भरा जवाब देते हुए कहा कि क्योंकि हम भारतीय हैं। सतीश शाह के इस पलटवार पर लोग उनकी जमकर प्रशंसा कर रहे हैं तो ब्रिटिश लोगों पर नाराजगी भी जाहिर कर रहे हैं। सतीश शाह पहले सेलेब्रिटी नहीं हैं, जिन्हें इस तरह की नस्लीय टिप्पणी का शिकार होना पड़ा है।

निहारिका ठाकुर के साथ वेकेशन मना रहे कार्तिक आर्यन

बॉलीवुड अभिनेता कार्तिक आर्यन का नाम आए दिन किसी ना किसी अभिनेत्री के साथ जुड़ता रहता है। इसी बीच कार्तिक का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर खूब छाया हुआ है। कार्तिक इन दिनों लंदन में छुट्टियां मना रहे हैं। वहीं वेकेशन से अभिनेता लगातार अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा कर रहे हैं। इस दौरान कार्तिक ने अपने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक फोटो शेयर की जिसमें वह क्लारिज होटल में डाइन इन कर रहे हैं। वहीं कुछ देर बाद निहारिका ठाकुर ने भी यहीं सेम फोटो अपनी स्टोरी पर साझा की। इन तस्वीरों को देखने के बाद अब यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि दोनों एक साथ में वेकेशन मना रहे हैं। मालूम हो कि निहारिका सिंगर प्रतीक कुहड़ की एक्स-गर्लफ्रेंड हैं। कुछ दिन पहले ही दोनों के ब्रेकअप की खबरें सामने आईं थी।

कुछ दिन पहले कार्तिक का नाम रितिक रोशन की कजिन पश्मीना रोशन के साथ भी जोड़ा गया था। लेकिन फिर बाद में कार्तिक ने इस खबर को गतल बताया और महज एक अफवाह ही बताया।

बिपाशा ने बेटी को ब्रेस्टफीड करवाने का शेयर किया वीडियो, फैंस ने लुटाया प्यार

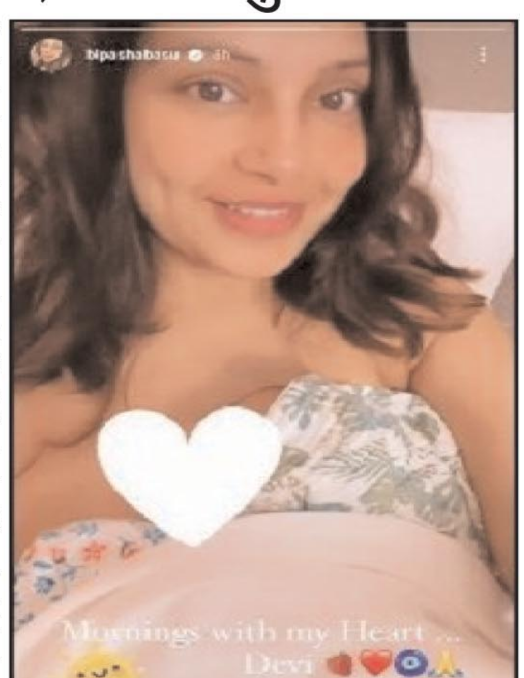

बीते 12 नवंबर को एक प्यारी सी बेटी की माँ बनीं फिल्म अभिनेत्री बिपाशा बसु इन दिनों अपनी मदरहुड लाइफ इंजाय कर रही हैं। इसी बीच बिपाशा ने सोशल मीडिया पर बहुत ही क्यूट पिक शेयर की है, जिसपर फैंस जमकर प्यार लुटा रहे हैं। बिपाशा ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी लाडली का एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें उनकी बेटी देवी उनसे चिपकी हुई नजर आ रही हैं। बिपाशा ने खुद ही इस वीडियो को बनाया है, जिसे देखकर ही पता चल रहा है कि उस समय वह अपनी बेटी को ब्रेस्टफीड करवा रही है। हालांकि इस वीडियो में बेटी देवी का चेहरा दिखाई नहीं दे रहा है। बिपाशा ने नन्हीं देवी का चेहरा एक हार्ट इमोजी से ढक दिया है। वीडियो के कैप्शन में बिपाशा ने लिखा है, 'मॉर्निंग विद माय हार्ट देवी।' बेटी के नाम के साथ बिपाशा ने कई और इमोजी जैसे स्ट्रॉबेरी, इवल आई, हार्ट और नमस्ते भी लगाए हैं। गौरतलब है कि अभिनेत्री बिपाशा बासु ने 30 अप्रैल, 2016 को अभिनेता करण सिंह ग्रोवर से शादी की थी । शादी के छह साल बाद बिपाशा और करण अपने पहले बच्चे के रूप में बेटी देवी के माता-पिता बने। बेटी के माता-पिता बनकर करण और बिपाशा बहुत ही खुश और उत्साहित हैं और अपनी पैरेंटिंग लाइफ इंजॉय कर रहे हैं।

सूडोकु नवताल- 6570

★★★★★ कठिनतम

7							4	
		5		3			7	
					8			2
					1	9		
	2						8	
		6	7					
1			4					
	9			2		5		
	8							1

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6569 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 7634

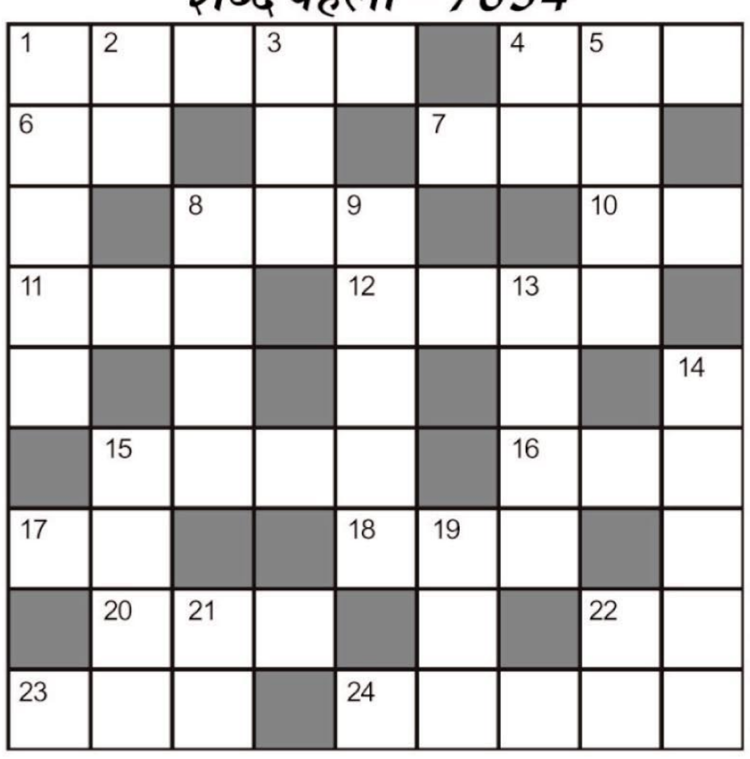

बाएँ से दाएँ

1. अपनत्व, अपनाव-5
4. खाने लायक तैयार होना-3
6. गोंद, लाख-2
7. पति, शौहर-3
8. जंगल, अरण्य-3
10. उत्साह, ललक-2
11. प्रलय, आफत-3
12. ईश्वर, रब-4
15. वट वृक्ष-4
16. निर्माण(उर्दू-3)
17. धोखा, कपट-2
18. दृष्टि, निगाह-3
20. स्वदेश, मातृभूमि-3
22. एक पैसा-2
23. विजय, जीत-3
24. आत्मबलिदानी, साहसी-5

ऊपर से नीचे

1. उपद्रव की स्थिति, अशांति-5
2. लम्हा, क्षण-2
3. गिरावट, अवनति-3
4. मवाद-2
5. मरियल, दुर्बल-4
8. असरदार, प्रभावी-4
9. नाक छेदना-2,3
13. विदिर्ण, छिन्न भिन्न होना-4
14. मांग, अनुरोध-5
15. बलवा, गदर-4
19. विष, गरल-3
21. अस्तर, स्तर-2
22. देवदास की प्रेमिका-2

शब्द पहेली -7633 का हल

ती	रं	दा	ज		को	म	लां	गी
व्र		म	न	भ	र	ना		ज
ता	र			र			स	र
	म		क	म	र		मा	
प्र	ता	ड़	ना		स	र	ज	मीं
	जो		त	र	ना		वा	
बा	गी			सी			दी	न
य		ल	ची	ला	प	न		य
स	ना	त	न		र	स	खा	न

Jagrutidaur.com, Bangalore

महान एथलीट माइकल जॉनसन ने शेयर किए नीरज चोपड़ा के वीडियो, लिखा–यह तो कमाल है

नई दिल्ली।
चार बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता माइकल जॉनसन ने जेवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा का एक नया वीडियो शेयर किया है। इस वीडियो में नीरज अपने शरीर का लचीलापन (फ्लेक्सिबिलिटी) दिखा रहे हैं। वीडियो में नीरज अपने पंजों पर खड़े दिखाई दे रहे हैं और उनके हाथ में थ्रो बॉल है, जिसके जरिए एथलीट अपने कंधे और बाजुओं की मजबूती के लिए अभ्यास करते हैं। नीरज यह गेंद लेकर पीछे की तरफ झुकते हैं और पूरी तरह मुड़ने के बाद शानदार तरीक से ऊपर उठकर गेंद को थ्रो करते हैं।

जॉनसन ने ट्वीट में नीरज चोपड़ा और पूर्व एथलीट शॉन पिकरिंग को टैग करते हुए लिखा, नीरज चोपड़ा की ओर से कुछ और अद्भुत एथलेटिक्स।

ट्वीट पर प्रतिक्रिया देते हुए नीरज के फैंस ने लिखा कि ओलंपिक गोल्ड मेडल जेवलिन थ्रोअर भारत में युवाओं के लिए एक प्रेरणा है जो किसी खेल को अपनाना चाहते हैं।

यह पहली बार नहीं है जब माइकल जॉनसन ने 25 साल के जैवलिन थ्रोअर नीरज की तारीफ की है। इससे पहले भी पूर्व विश्व चैंपियन ने जेवलिन थ्रोअर का एक और वीडियो पोस्ट किया था, जिसमें वह प्रशिक्षण सत्र में भाग ले रहे थे, जिसमें स्प्रिंट और एथलेटिक मूवमेंट शामिल था। उस वीडियो को शेयर करते हुए जॉनसन ने कैप्शन में लिखा था कि जैवलिन थ्रोअर होने के बावजूद नीरज चोपड़ा के स्प्रिंटर मूवमेंट शानदार हैं। उन्होंने लिखा था वह भाला फेंकने वाला है! ओलंपिक चैंपियन भाला फेंकने वाला, लेकिन जैवलिन थ्रोअर स्प्रिंटर/जम्पर मूवमेंट के साथ!

नीरज चोपड़ा के लिए 2022 यादगार रहा। वह विश्व चैम्पियनशिप में पदक जीतने वाले केवल दूसरे भारतीय एथलीट बने। वह ऐसा करने वाले भारत के पहले पुरुष ट्रैक और फील्ड एथलीट हैं। विश्व चैंपियनशिप में वह दूसरे स्थान पर रहे थे। उनसे पहले अंजू बॉबी जॉर्ज ने लंबी कूद में कांस्य पदक जीता था।

चोपड़ा ने 89.94 मीटर के थ्रो के साथ 2022 में डायमंड लीग में दूसरा स्थान हासिल किया। भाला फेंक खिलाड़ी ने पिछले साल दो बार राष्ट्रीय रिकॉर्ड भी बनाया था। वह वर्तमान में स्टॉकहोम डायमंड लीग में 89.94 मीटर के थ्रो के साथ सबसे लंबी दूरी तक भाला फेंकने वाले खिलाड़ी हैं।

नीरज को 2022 में फिटनेस से जुड़ी कई परेशानियों का भी सामना करना पड़ा। इस वजह से वह राष्ट्रमंडल खेल और राष्ट्रीय खेलों से भी दूर रहे। अब वह बुडापेस्ट में होने वाली विश्व एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भाग लेंगे। इसके बाद वह सितंबर में एशियाई खेलों में शामिल होंगे।

न्यूज ब्रीफ

एशिया कप में एक बार फिर भारत-पाकिस्तान मुकाबलाः एसीसी ने जारी किया कैलेंडर, सितंबर में होगा वनडे टूर्नामेंट

नई दिल्ली। एशिया कप में एक बार फिर से भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। गुरुवार को एशियन क्रिकेट काउंसिल के अध्यक्ष जय शाह ने एशियाई क्रिकेट के 2 साल का रोड मैप जारी किया। 2023 का एशिया कप वनडे वर्ल्ड कप से पहले सितंबर में खेला जाएगा। वनडे वर्ल्ड कप अक्टूबर-नवंबर के दौरान भारत में होना है। एशिया कप के लिए भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में हैं। इनके अलावा भारत-पाक महिला एशिया कप, महिला टी-20 एमर्जिंग एशिया कप, मेंस एमर्जिंग 50 ओवर एशिया कप और मेंस अंडर-19 एशिया कप में भी भारत-पाक आमने-सामने होंगे। एशिया कप की मेजबानी इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने पाकिस्तान को दी थी। लेकिन, पिछले दिनों एसीसी अध्यक्ष शाह ने कहा था कि एशिया कप पाकिस्तान में नहीं होगा। इसे न्यूट्रल वेन्यू पर शिफ्ट किया जाएगा। उस समय पीसीबी के अध्यक्ष रहे रमीज राजा ने इसका विरोध किया था। उन्होंने वनडे वर्ल्ड कप को बहिष्कार करने तक धमकी दी थी। हालांकि, अब वे पीसीबी अध्यक्ष नहीं हैं। वहीं, एशिया क्रिकेट काउंसिल ने अभी यह स्पष्ट नहीं किया है कि टूर्नामेंट कहां पर खेला जाएगा। वनडे एशिया कप में कुल 6 टीमें भाग लेंगी। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान और क्वलिफायर -1 की टीमें हैं। वहीं, ग्रुप-बी में श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हैं। लीग स्टेज में कुल 6 मैच होंगे। लीग स्टेज के बाद पिछले एशिया कप की तरह सुपर-4 स्टेज होगा। इसमें 4 टीमों के बीच कुल 6 मैच होंगे और फिर फाइनल मैच होगा।

ईशान, हुड्डा और पंड्या को शानदार प्रदर्शन का मिला इनामः टी-20 आईसीसी रैंकिंग में ईशान 10 और दीपक को 40 स्थान का फायदा

दुबई। श्रीलंका के खिलाफ मंगलवार को 3 टी-20 मैचों की सीरीज के पहले मुकाबले में खेले गए शानदार पारी का इनाम ईशान किशन और दीपक हुड्डा को मिला है। गुरुवार को इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की ओर से जारी वर्ल्ड रैंकिंग में सुधार हुई है। ओपनर ईशान किशन को 10 स्थानों का फायदा हुआ है। वहीं दीपक हुड्डा 40 पायदान ऊपर पहुंच गए हैं। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या को भी बॉलरों की रैंकिंग में 9 स्थान का फायदा हुआ है। मुंबई में खेले गए पहले मुकाबले में ईशान किशन ने भारतीय टीम को शानदार शुरुआत दी। उन्होंने 29 गेंदों पर 37 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में 3 चौके और 2 छक्के भी जड़े। इस पारी की बदौलत वह अपनी वर्ल्ड रैंकिंग में सुधार करने में सफल हुए हैं। वे 33वें से 10 स्थान की छलांग लगाकर 23वें पायदान पर पहुंच गए हैं। वहीं प्लेयर ऑफ द मैच रहे दीपक हुड्डा को 40 स्थान का फायदा हुआ है। वह 97वें स्थान पर पहुंच गए हैं। उन्होंन पहले मुकाबले में 23 गेंदों पर नाबाद 41 रन की पारी खेली थी। इसके अलावा, हार्दिक पंड्या की गेंदबाजी रैंकिंग में सुधार हुआ है। उन्हें 9 स्थान का फायदा हुआ है। वे 76वें स्थान पर पहुंच गए हैं। चोट के कारण लंबे समय से टीम से बाहर चल रहे बुमराह और अश्विन को जारी टेस्ट रैंकिंग में एक-एक स्थान का फायदा हुआ।

अफ्रीका टी-20 लीग के मालिकों, बीसीसीआई के बीच टकरावः दक्षिण अफ्रीकी लीग के लोगो हूबहू आईपीएल टीम जैसे

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका टी-20 लीग के टीम मालिकों और बीसीसीआई के बीच टकराव की स्थिति बन रही है। द. अफ्रीकी लीग (एसए20) की सभी 6 टीमों के मालिक वही हैं, जो आईपीएल की टीमों के मालिक हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बीसीसीआई अधिकारी द. अफ्रीकी टी20 लीग की टीमों के लोगो देखकर हैरान हैं। अधिकारियों का कहना है कि अफ्रीकी टीमों के लोगो हूबहू आईपीएल टीमों के लोगो के समान हैं। अधिकारी ने कहा, 'हम काफी हैरान हैं और इस पूरे मामले को क्रिकेट द. अफ्रीका और आईपीएल टीमों के सामने उठाएंगे। यूएई में 13 जनवरी से शुरू होने वाली नई टी20 लीग को आईसीसी ने लिस्ट ए का दर्जा नहीं दिया है। आईसीसी ने पुष्टि की है कि इस इंटरनेशनल लीग टी20 के रिकॉर्ड टी20 में नहीं जोड़े जाएंगे। आईसीसी ने इसकी वजह बताई हुए कहा है कि यूएई पूर्ण सदस्य देश नहीं है। नियम के अनुसार, जो देश पूर्ण सदस्य नहीं है, उनके यहां होने वाली टी20 लीग को लिस्ट ए में शामिल नहीं किया जाता।

सिडनी स्टेडियम में लगी बेलिंडा क्लार्क की प्रतिमा

डबल सेंचुरी बनाने वाली दुनिया की पहली क्रिकेटर हैं, 2 वर्ल्ड कप जीते

सिडनी।
सिडनी क्रिकेट स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया की बेलिंडा क्लार्क की प्रतिमा लगाई गई है। सिडनी में ऑस्ट्रेलिया-अफ्रीका के बीच खेले जा रहे आखिरी टेस्ट के दूसरे दिन उनकी प्रतिमा का अनावरण किया गया है। वह दुनिया की पहली महिला क्रिकेटर हैं, जिनकी प्रतिमा स्टेडियम में स्थापित की गई है। साल 2021 में 73 क्रिकेटरों की मूर्ति स्थापित लगाने की घोषणा की गई थी। तब खिलाड़ियों के नाम सामने नहीं आए थे। बेलिंडा 15वीं क्रिकेटर हैं, जिनकी सिडनी क्रिकेट ग्राउंड प्रतिमा परियोजना के तहत मूर्ति लगाई गई है। उनकी मूर्ति ऑस्ट्रेलिया के प्रसिद्ध मूर्तिकार कैथी वीजमैन ने बनाई है। बेलिंडा क्लार्क ऑस्ट्रेलिया की तीसरी महिला खिलाड़ी भी हैं, जिनकी मूर्ति लगाई है। बेलिंडा ने क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया से बातचीत में कहा, मैं अपनी प्रतिमा लगाए जाने से उत्साहित हूं। इसे जब लोग देखेंगे तो मुझे याद करेंगे और लोग जानेंगे कि मैं कौन हूं और मेरे यहां की सफर की कहानी क्या है। उन्हें मेरे यहां तक के सफर में आई चुनौतियों और संघर्षों के बारे में पता चलेगा और वह प्रेरित होंगे कि कैसे चुनौतियों और रास्ते में बाधाओं और रूढ़िवादी परंपरा को तोड़ते हुए अपने लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। मैं चाहती हूं कि लोग अपने आस-पास के अच्छे लोगों से सीखें कि कैसे अपने निर्धारित लक्ष्य तक पहुंचा जा सकता है। मैं खेल को लेकर मिले इस सम्मान से खुश हूं।

सचिन तेंदुलकर से पहले भी वनडे में लगाया था दोहरा शतक - वनडे वर्ल्ड कप में सबसे पहले दोहरा शतक बेलिंडा क्लार्क के नाम है। बेलिंडा क्लार्क ने सचिन से भी पहले 1997 में यह कारनामा किया था। तेंदुलकर ने 13 साल बाद 2010 में ग्वालियर में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेले गए वनडे मैच में 147 गेंदों पर 200 रन पूरे किए थे।

1997 महिला वर्ल्ड कप के दौरान बेलिंडा ने डेनमार्क के खिलाफ खेले गए मैच में 55 गेंदों में 229 रनों की पारी खेली थी। बेलिंडा की उस पारी के बदौलत ऑस्ट्रेलिया ने उस मैच में 412 रन बनाए थे। उस मैच में डेनमार्क की टीम सिर्फ 49 रन बनाकर ऑलआउट हो गई थी।

अपनी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया को दो बार दिलाया वर्ल्ड कप खिताब - दाएं हाथ की बल्लेबाज बलिंडा ने 1991 में क्रिकेट में डेब्यू किया था। 23 साल की उम्र में वह ऑस्ट्रेलिया की कप्तान बनीं। वह 12 साल तक कप्तान रहीं। उनकी कप्तानी में ऑस्ट्रेलिया ने दो बार वर्ल्ड कप खिताब अपने नाम किया। उन्होंने 2005 में सन्यास ले लिया था। बेलिंडा को साल 1998 में विज़डन अवॉर्ड भी मिला था। वह विमेंस ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट की सीईओ भी रहीं।

वनडे में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली ऑस्ट्रेलिया की महिला खिलाड़ी - क्लार्क ऑस्ट्रेलिया महिला क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने वाली खिलाड़ी हैं। उन्होंने 118 वनडे मैचों में 47.49 की औसत से 4,844 रन- और 15 टेस्ट मैचों में 45.95 की औसत से 919 रन बनाए, जो किसी भी ऑस्ट्रेलियाई महिला का दूसरा सबसे अधिक रन है।

सिडनी टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया 475/4

स्टीव स्मिथ ने डोनाल्ड ब्रैडमैन को पीछे छोड़ा; ओपनर ख्वाजा दोहरे शतक से 5 रन दूर

सिडनी।
सिडनी टेस्ट के दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया साउथ अफ्रीका पर पूरी तरह हावी हो गया है। ऑस्ट्रेलिया ने 4 विकेट पर 475 रन बना लिए हैं। टीम के उस्मान ख्वाजा 195 और मैट रेन्शॉ 5 रन बनाकर नाबाद लौटे। इनसे पहले स्टीवन स्मिथ ने अपना 30वां टेस्ट शतक पूरा किया। साउथ अफ्रीका के लिए एनरिक नॉर्त्या को सबसे ज्यादा 2 विकेट मिले। तीसरे दिन का खेल सिडनी में भारतीय समयानुसार सुबह 5 बजे से शुरू होगा। 3 मैचों की सीरीज के शुरुआती 2 मैच जीतकर ऑस्ट्रेलिया 2-0 से आगे हैं। तीसरा मैच जीतना वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से साउथ अफ्रीका के लिए बहुत अहम है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम इस मैच को ड्रॉ कराकर भी खुश रहेगी। दूसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने 2 विकेट पर 147 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया। स्टीव स्मिथ ने शतक जड़ा।

ओपनर उस्मान ख्वाजा ने भी अपना 12वां टेस्ट शतक बनाया। लेकिन, वह अपनी पारी को दोहरे शतक की ओर ले जाते नजर आ रहे हैं। 368 बॉल पर 195 रन की पारी में उन्होंने 19 चौके और एक छक्का जड़ा। यह उनका टेस्ट करियर में बेस्ट स्कोर है। इससे पहले नवंबर 2015 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 174 रन की पारी खेली थी। सिडनी टेस्ट के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी। बारिश और खराब रोशनी के कारण 47 ओवर का ही खेल हो सका।

ख्वाजा और स्मिथ दिन का खेल खत्म होने तक नाबाद थे। ऑस्ट्रेलिया के स्मिथ ने अपने टेस्ट करियर का 30वां शतक जड़ा। इसके साथ ही उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के डोनाल्ड ब्रैडमैन को पीछे छोड़ दिया। ब्रैडमैन ने ऑस्ट्रेलिया के लिए 52 टेस्ट में 29 शतक जड़े थे। स्मिथ ने अपने 92वें टेस्ट में 192 बॉल पर 104 रन बनाए। उन्होंने मैथ्यू हेडन के 30 शतकों की बराबरी की। स्मिथ से ज्यादा शतक ऑस्ट्रेलिया के लिए स्टीव वॉ (32) और रिकी पोंटिंग (41) ने बनाए हैं।

वृन्दावन आश्रम पहुंचे कोहली-अनुष्काः बाबा नीम करोली का लिया आशीर्वाद...ध्यान भी लगाया

वृन्दावन।
भारत का स्टार कपल विरुष्का (विराट कोहली और अनुष्का शर्मा) भगवान कृष्णा की नगरी वृंदावन में था। वहां दोनों ने बाबा नीम करोली की समाधि के दर्शन किए और ध्यान लगाया। उन्हें प्रसाद के रूप में कंबल मिला। विराट-अनुष्का ने बाल भोग का प्रसाद भी ग्रहण किया।

विराट और अनुष्का का वृन्दावन विजिट पूरी तरह गोपनीय रहा। इसकी किसी को भनक तक नहीं लगी। दोनों सुबह-सुबह बाबा नीम करोली आश्रम पहुंच गए। कोहली-अनुष्का की बाबा नीम करोली महाराज के प्रति काफी श्रद्धा है। अब दोनों बांकेबिहारी सहित ब्रज के प्रमुख मंदिरों में दर्शन करने जा सकते हैं।

नवंबर में कैंची धाम पहुंचे थे

विराट कोहली और अनुष्का शर्मा ने नवंबर 2022 में उत्तराखंड के कुमाऊं स्थित कैंची धाम पहुंचकर बाबा नीम करोली महाराज के दर्शन किए थे।

एक घंटे रुके, फिर मां आनंदमयी गए

विराट-अनुष्का करीब एक घंटे तक आश्रम में रुके। समाधि स्थल में कुछ समय रहने के बाद दोनों मां आनंदमयी आश्रम के लिए रवाना हो गए।

फैंस को दिए ऑटोग्राफ-सेल्फी

आश्रम में ध्यान लगाने के बाद विराट ने अपने कुछ फैंस को ऑटोग्राफ दिए और सेल्फी भी ली। यहां विराट ने एक फैन को बैट पर आटोग्राफ दिया।

विराट जब तक आश्रम में थे, मीडिया को एंट्री नहीं मिली

वे जब तक आनंदमयी आश्रम में रहे। तब तक मीडिया को आश्रम के अंदर प्रवेश नहीं दिया गया। बताया जा रहा है कि विराट-अनुष्का के मथुरा आने से पहले ही यहां एक सितारा होटल में कमरे बुक किए गए थे।

अंडर-19महिला वर्ल्ड कप में सबसे ज्यादा महिला ऑफिशियल्स: आईसीसी ने जारी की अंपायर-मैच रेफरी की लिस्ट, 15 में से 9 ऑफिशियल्स महिलाएं

नई दिल्ली।
इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अंडर-19 महिला वर्ल्ड कप 2023 के ग्रुप मैच और प्रैक्टिस मैच के लिए 15 मैच ऑफिशियल्स का ऐलान किया। इसमें मैच रेफरी और अंपायर शामिल है। 15 में से 9 ऑफिशियल्स महिलाएं है। ये अब तक किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में महिला मैच ऑफिशियल्स की सबसे ज्यादा संख्या है। टूर्नामेंट में बारह अंपायर और तीन मैच रेफरी अंपायरिंग करेंगे। टूर्नामेंट 14 से 29 जनवरी के बीच साउथ अफ्रीका में खेला जाएगा। श्रीलंका की पूर्व महिला टीम कप्तान वैनेसा डी सिल्वा मैच रेफरी के अमीरात आईसीसी इंटरनेशनल पैनल का नेतृत्व करेंगी। बांग्लादेश की पूर्व अंतरराष्ट्रीय क्रिकेटर नीयामुर राशिद और जिम्बाब्वे के ओवेन चिरोम्बे उनका साथ देंगे।

टूर्नामेंट में आईसीसी इंटरनेशनल पैनल के 4 सदस्य अंपायरिंग करेंगे। इसमें वेन नाइट्स, अहमद पख्तीन, वीरेंद्र शर्मा और शाहिद सैकत शामिल है। आईसीसी के डेवलपमेंट अंपायर भी अलग-अलग मैचों में अंपायरिंग करेंगे। इसमें श्रीलंका की पूर्व महिला बल्लेबाज डेडुनु डी सिल्वा, केरिन क्लास्ट, मारिया एबॉट, सारा बार्टलेट, जैस्मीन नईम, लिसा मैककेबे, सारा डेम्बनेवाना और कैंडेस ला बोर्डे शामिल हैं।सेमीफइनल-फाइनल के लिए आईसीसी ग्रुप स्टेज के बाद अंपायरों का चयन करेगा। आईसीसी अंडर 19 महिला टी20 वर्ल्ड कप के लिए मैच ऑफिशियल्स

मैच रेफरी: वैनेसा डी सिल्वा, नीयमुर राहुल, ओवेन चिरोम्बे।

अंपायर: सारा बार्टलेट, जैस्मीन नईम, लिसा मैककेबे, केरिन क्लास्ते, मारिया एबॉट, सारा डेम्बनेवाना, डेडुनु डी सिल्वा, कैंडेस ला बोर्डे, वेन नाइट्स, अहमद पक्तीन, वीरेंद्र शर्मा और शाहिद सैकत।

पहले वर्ल्ड कप में हिस्सा लेंगी 16 टीमें - इसमें 16 टीमें भाग लेंगी। भारतीय टीम को मेजबान देश साउथ अफ्रीका, संयुक्त अरब अमीरात और स्कॉटलैंड के साथ ग्रुप डी में रखा गया है। प्रत्येक ग्रुप से टॉप तीन टीमें सुपर सिक्स में जाएंगी। सुपर सिक्स में टीमों को 2 ग्रुप में बांटा गया है। प्रत्येक ग्रुप से दो टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेगी। दोनों सेमीफाइनल 27 जनवरी को एक ही ग्राउंड पर खेला जाएगा। उसके बाद 29 जनवरी को फाइनल खेला जाएगा।

वर्ल्ड कप के लिए इंडिया की अंडर-19 टीम - शेफाली वर्मा (कप्तान), श्वेता सहरावत (उप-कप्तान), ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी त्रिशा, सौम्या तिवारी, सोनिया मेहदिया, हर्ले गाला, हर्षिता बसु (विकेटकीपर), सोनम यादव, मन्नत कश्यप, अर्चना देवी, पार्शवी चोपड़ा, तीता साधु, फलक नाज, शबनम एमडी।

रोहित, विराट से ज्यादा खलेगी पंत की कमी

2021 से भारत के बेस्ट टेस्ट बैटर; टॉप ऑर्डर से ज्यादा रन बनाए

नई दिल्ली।
पिछले दिनों कार एक्सीडेंट में घायल हुए भारत के विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत को एयरलिफ्ट कर मुंबई ले जाया गया। मुंबई में बीसीसीआई की मेडिकल टीम उनका इलाज करेगी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पंत 5 से 6 महीनों के लिए ग्राउंड से दूर रहेंगे। ऐसे में वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत में 4 टेस्ट मैचों की सीरीज नहीं खेल पाएंगे। अगर टीम इंडिया वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचती है तो उस मैच में भी पंत नहीं होंगे।

इन मैचों में टीम इंडिया को उनकी भरपाई करने में मुश्किलें आएंगी। पिछले 2 सालों में वे टेस्ट टीम के सबसे बड़े मैच विनर बल्लेबाज साबित हुए हैं। इस दौरान उन्होंने देश-विदेश में अहम मौकों पर कई उपयोगी पारियां खेलकर भारत को जीत दिलाई है। पंत ने ये पारियां उन मौकों पर खेलीं जब हमारा टॉप ऑर्डर बुरी तरह फेल हो जाता था। विराट कोहली और रोहित शर्मा जैसे दिग्गज आउट ऑफ फॉर्म होते रहे या चोटिल होकर टीम से बाहर होते रहे, लेकिन पंत ने किसी की कमी नहीं खलने दी। आगे खबर में हम जानेंगे कि पंत टीम इंडिया के लिए अहम क्यों हैं। उन्होंने पिछले 2 सालों में कैसा परफॉर्म किया और उनके डेब्यू के बाद से देश और दुनिया के बाकी बैटर्स की परफॉर्मेंस कैसी रही।

बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी पहली चुनौती - फरवरी-मार्च के दौरान ऑस्ट्रेलिया की टीम भारत में 4 टेस्ट की सीरीज खेलने आएगी। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने के लिए भारत को कम से 3 टेस्ट तो जीतने ही होंगे। ऐसा करने के लिए उन्हें ऋषभ पंत जैसे मैच विनर की जरूरत पड़ेगी। जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अब तक खेले 7 टेस्ट में 62.40 की औसत से 624 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उन्होंने सभी टेस्ट ऑस्ट्रेलिया में ही खेले। इनमें उनके बैट से सिडनी में 97 और 159* रन की पारियां आईं। 2021 में गाबा के मैदान पर 89 रन की नॉटआउट पारी खेल

उन्होंने भारत को 2-1 से सीरीज भी जिताई थी। ऐसे में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ घरेलू सीरीज में वह अहम साबित हो सकते थे। कगांरू टीम आखिरी बार भारत में 2017 के दौरान टेस्ट सीरीज खेलने आई थी। तब उन्हें 2-1 से हार मिली थी। ऑस्ट्रेलिया 2014-15 के बाद से भारत को टेस्ट सीरीज में हरा नहीं सका है।

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में सबसे अहम होते पंत - वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल मुकाबला इंग्लैंड में होना है। अगर हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने में कामयाब रहे तो लगातार दूसरी बार वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का फाइनल खेल सकते हैं। अभी के हालातों को देखते हुए अगर भारत फाइनल में पहुंचा तो उसका सामना ऑस्ट्रेलिया या साउथ अफ्रीका से हो सकता है। दोनों ही टीमों के खिलाफ पंत उन्हीं के घर में शतक जड़ चुके हैं। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तो 3 टेस्ट में उन्होंने 186 रन बनाए हैं। फाइनल मुकाबला लंदन के ओवल मैदान पर होगा। जहां पंत के नाम 2 टेस्ट में एक शतक और एक फिफ्टी दर्ज है। इंग्लैंड में उनका रिकॉर्ड भी यही कहता है कि वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल के लिए अहम होते। इंग्लैंड में खेले टेस्ट की बात करें तो 9 मैचों में उन्होंने 2 शतक और 2 फिफ्टी की मदद से 556 रन बनाए हैं। ऐसे में अगर वे वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल तक ग्राउंड पर वापसी नहीं कर पाए तो टीम इंडिया के लिए बहुत बड़ा झटका होगा।

पंत ने 5 शतक और 6 बार 90+ के स्कोर बनाए - 33 टेस्ट के छोटे करियर में पंत ने कई अहम पारियां खेलीं। टेस्ट करियर में वे 5 शतक और 6 बार 90 से ज्यादा के स्कोर बना चुके हैं। इनके अलावा भी पंत ने कई बार टी-20 के स्ट्राइक रेट से बैटिंग करते हुए 40 से 60 रन के बीच की पारियां खेलीं। जिनके सहारे भारत ने तेजी से बोर्ड पर बड़ा स्कोर लगाया। जिन्होंने भारत की जीत में अहम योगदान दिया।

एंडरसन को रिवर्स स्कूप करने से नहीं डरते

ऋषभ पंत इस वक्त भारत के सबसे फियरलेस क्रिकेटर्स में से एक हैं। वे इंग्लैंड अनुभवी जेम्स एंडरसन और ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस जैसे गेंदबाजों के सामने भी खुलकर शॉट खेलने से नहीं कतराते। एंडरसन की 140 किमी प्रति घंटे से ज्यादा रफ्तार की बॉलिंग के सामने तो वे कई बार रिवर्स स्कूप जैसे शॉट्स भी खेल चुके हैं।

जानकारी

पके से ज्यादा फायदेमंद है कच्चा केला

फलों और सब्जियों में बढ़ते पेस्टीसाइड्स का प्रयोग लोगों में भय पैदा कर रहा है। इससे किसी बीमारी का शिकार होने का डर रहता है। ऐसे ही कुछ लोगों के दिमाग में यह भी शंका रहती है कि केले को केमिकल से पकाया जाता है, जिससे वह हानिकारक हो जाता है। अगर आप भी ऐसा ही कुछ सोचते हैं तो आप कच्चा केला भी खा सकते हैं, क्योंकि कच्चे केले में भरपूर मात्रा में पोटैशियम पाया जाता है जो कि आपके शरीर के इम्यून सिस्टम को तो मजबूत बनाता है साथ ही आपको दिनभर एक्टिव भी बनाए रखता है। इसके साथ ही इसमें विटामिन बी6, विटामिन सी, एंटी-ऑक्सीडेंट्स पाया जाता है जो कि कोशिकाओं को पोषण देता है। इसके और भी कई लाभ हैं।

कब्ज से निजात

इसका सेवन करने से हमारी शरीर की आंत में जमी विषाक्त तत्वों को शरीर से बाहर निकाल देता है। क्योंकि इस समस्या के कारण आपको कब्ज की समस्या हो जाती है। इसलिए इससे बचने के लिए इसका सेवन जरुर करना चाहिए।

वजन घटाए

इसमें फाइबर्स भरपूर मात्रा में पाया जात है। इसका रोजाना सेवन करने से आपको जल्द ही मोटापा से निजात मिल सकता है। ये शरीर में मौजूद अनावश्यक फैट सेल्स और अशुद्धियों को साफ करने में मददगार होते हैं। जिसके कारण आपका फैट आसानी से बर्न हो जाता है।

डायबिटीज कंट्रोल करे

अगर आपको डायबिटीज की समस्या है और अपनी शुरुआत ही है तो कच्चे केला का सेवन करना आपके लिए लाभकारी हो सकता है। जिसके कारण ये आपको डायबिटीज को कंट्रोल करमे में मदद करता है।

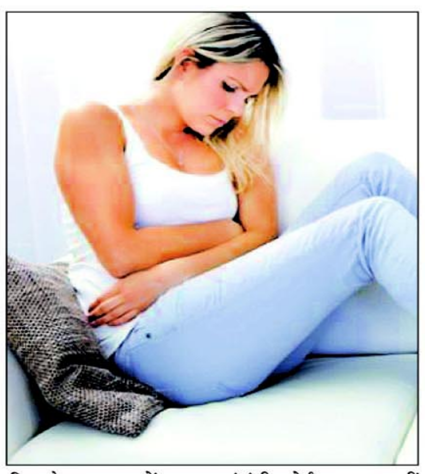

पेट को रखे हेल्दी

कच्चा केला हमारी पेट के लिए भी काफी फायदेमंद है। इसका सेवन करने से यह हमारके पेट को भरा रखता है। जिसके कारण हमें पाचन संबंधी कोई समस्या नहीं होती है। साथ ही ये पाचक रसों का स्त्रावण बेहतर तरीके से होता है।

हड्डियों को करें मजबूत

कच्चे केले में अधिक मात्रा में कैल्शियम भी पाया जाता है जो कि आपके शरीर की हड्डियों को मजबूत रखता है।

बस करें ये छोटा सा आसान उपाय, कभी नहीं आएगा बुढ़ापा

जिंदगी की शाम जब ढलने लगती है तो न सिर्फ शरीर में ढेरों बीमारियां अपना घर बना लेती हैं, बल्कि जीवन में एक सूनापन भी छा जाता है। हमारे देश में बहुत कम ऐसे लोग हैं, जो 60 साल की उम्र में भी उसी जीवंतता के साथ जीवन व्यतीत करते हैं। योग के सहारे इस उम्र में भी खुद को शारीरिक व मानसिक रूप से दुरुस्त रख सका जा सकता है।

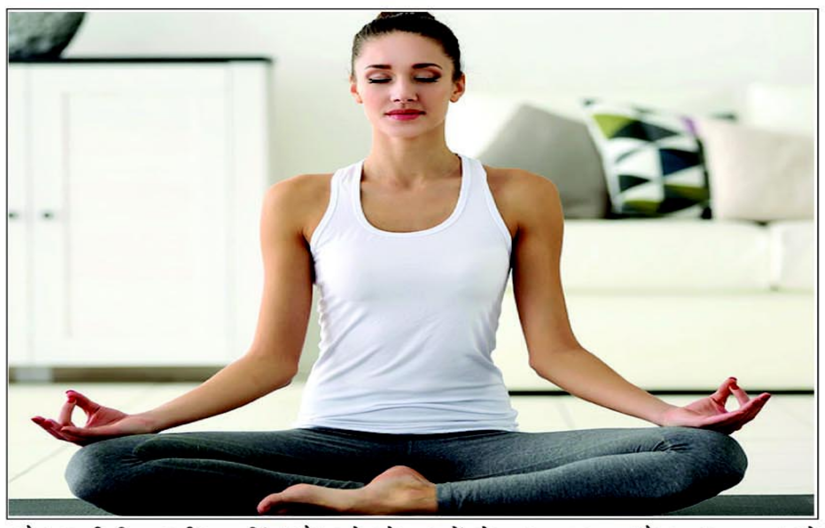

वैसे तो उम्र ड़ाव पर ही योग के अनेक फायदे हैं, लेकिन स्त्रियों को तो योग के ज़रिये अतिरिक्त फायदा पहुंचता है। उम्र के अलग-अलग दौर में विभिन्न प्रकार के हॉर्मोनल बदलाव होते हैं।

ऐसे में अपनी स्ट्रेंथ बढ़ाने, बीमारियों को दूर करने, हड्डियों की उम्र बढ़ाने, माइंड को शार्प करने और अपनी स्किन की टाइटनिंग और ग्लो को बनाए रखने के लिए योग का रास्ता अपना सकते हैं। ये दो प्राणायाम अपने आप में ही संपूर्ण हैं।

कपालभाति

इसके नियमित अभ्यास से आप लंबे समय तक निरोगह सकते हैं। दरअसल, इस प्रणायाम के दौरान जब हम गहरी सांस भरते हैं तो शुद्ध वायु हमारे खून के दूषित पदार्थों को बाहर निकाल देती है और शुद्ध रक्त शरीर के सभी अंगों में जाकर उन्हें पोषण प्रदान करता है। इस प्राणायाम को करने के लिए किसी भी आसन में बैठ जाएं। अब दाहिने हाथ के अंगूठे से नासिका के दाएं छिद्र को बंद कर लें और बाएं छिद्र से चार तक की गिनती में सांस को भरें और फिर बायीं नासिका को अंगूठे के बगल वाली दो उंगलियों से बंद कर दें।इसके बाद दायीं ओर से अंगूठे को हटा दें और सांस को बाहर छोड़ें। आप इसको अपनी क्षमता के अनुसार पांच मिनट से पंद्रह मिनट तक कर सकते हैं।

लिवर को दुरुस्त रखना है तो पिएं चुकंदर का जूस

लिवर हमारे शरीर का बहुत महत्वपूर्ण अंग है। लिवर शरीर के कई कामों को नियंत्रित रखता है। अगर लिवर खराब हो जाए तो ये गंभीर बीमारी का कारण बन सकता है। इसे दुरुस्त रखने के लिए हम कुछ खास पेय का सेवन कर सकते है। आइए जानते है

1 चुकंदर का जूस

चुकंदर के जूस का सेवन करने से लीवर में पैदा विषैले तत्व बाहर निकल जाते है। लीवर को स्वस्थ बनाए रखने के लिए चुकंदर के जूस का उपयोग करना बहुत जरुरी होता है7

2 नींबू का जूस

लीवर को साफ रखने के लिए नींबू के जूस का इस्तेमाल करना बहुत लाभदाई है7 इसमें कम शुगर पाई जाती है7 इसके सेवन से लीवर में पैदा गंदगी भी दूर हो जाती है।

3. अनानास का जूस

विटामिन और खनिज से भरपूर अनानास के जूस शरीर के लिए स्वास्थ्यवर्धक होता है। इसमें विटामिन सी, बीटा कैरोटीन, तांबा, जस्ता, एंटी-इंफेलेमेटरी पाचन एंजाइम और फोलेट पाए जाते है जो लीवर स्वस्थ रखते है7

4. पालक का जूस

पालक में पोटेशियम, मैग्नीशियम, मैंगनीज, कैरोटीन और फोलिक एसिड भरपूर मात्रा में पाए जाते है। ये पत्तेदार हरी सब्जी पौष्टिक तत्वों से अधिक होती है। इसका सेवन करने शरीर के लिए बहुत फायदेमंद होता है।

सुझाव

रोज खाएं एक आंवला फिर देखें कमाल

किसी ने सच ही कहा है कि बड़े बुजुर्गो का कहा और आंवले का खाया बाद में पता चलता है। जी हां, धरती पर आंवला किसी वरदान से कम नहीं है। आंवला एक ऐसा फल है, जिसमें भरपूर मात्रा में एंटी ऑक्सीडेंट, पोटैशियम, कार्बोहाइड्रेट ,फाइबर ,प्रोटीन ,विटामिन्स ,मैग्नीशियम, आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। अगर आप इसको गर्म करके भी खाएं तो भी इसमें मौजूद विटामिन खत्म नहीं होते। आंवला का सेवन करने से कई तरह की बीमारियां दूर होती है और यह अच्छे स्वास्थ्य के लिए बहुत जरूरी होता है।

मोटापा: आजकल हर दूसरा व्यक्ति मोटापे से जूझ रहा है। जिसका सबसे बड़ा कारण आजकल का लाइफस्टाइल है। इस समस्या को दूर करने के लिए आप अपनी डाइट में रोज एक आंवला खाना शुरू करें जिससे मेटाबॉलिज्म बढ़ता है और वजन तेजी से कम होने लगता है।

कमजोरी: यदि आप कमजोरी महसूस करते हैं। थोड़े-से काम करने पर थक जाते हैं तो एक माह तक लगातर एक कच्चा आंवला खाकर देखें। इससे जो फायदा होगा, उससे आप खुद हैरान रह जाएंगे। दरअसल, आंवले में विटामिन सी मात्रा ज्यादा पाई जाती है, जिसके चलते एनर्जी बढ़ती है और धीरे-धीरे कमजोरी दूर हो जाती है।

चेहरा चमकाए: आंवला में विटामिन ए होता है, जो कोलेजन बनने के लिए बहुत जरूरी है। इससे त्वचा टाइट रहती है। आंवला सुबह खाली पेट लेने से शरीर में कोलेजन की कमी दूर होती है। इसके सेवन से मुंहासे और झुर्रियों की समस्या भी कम हो जाती है।इसे खाने से बॉडी के टॉक्सिन्स दूर होते हैं जिससे फेस पर ग्लो आता है।

डायबिटीज: आंवला डायबिटिज के लिए फायदेमंद माना जाता है। रोजाना आंवला का सेवन करने से खून में शुगर की मात्रा नियंत्रित रहती हैं। साथ ही आंवला खराब कोलेस्ट्रोल को खत्म कर अच्छे कोलेस्ट्रोल को बनाने में मदद करता हैं।

जोड़ो का दर्द: आंवले में एंटी इंफ्लेमेटरी तत्व होते हैं, जो जोड़ों के दर्द के साथ अन्य तरह के दर्द में राहत देते हैं। यदि आपके शरीर में हमेशा दर्द रहता है या आपको जकडन की शिकायत है तो यकीन मानिए, आंवले से आपको किसी भी तरह के दर्द से छुटकारा मिल जाएगा।

बालों के लिए वरदान: बालों की किसी भी तरह की परेशानी को आंवला झटपट खत्म कर देता है। इसीलिए कई लोग इसकी पेस्ट को बालों में लगाते हैं लेकिन इसके सेवन से भी बाल हेल्दी होते हैं। असल में आंवले में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट्स सें बालों की चमक बढ़ती है।

पाचन क्रिया में मदद :आंवले का सेवन करने से खाना आसानी से पच जाता है। इसलिए खाने में रोजाना आंवले की चटनी, मुरब्बा,अचार ,रस, चूर्ण आदि शामिल करें। इससे कब्ज की समस्या भी ठीक हो जाती है।

शरीर के इन 5 हिस्सों को दबाने से कम हो सकता है आपका मोटापा

आज के दौर में मोटापा सभी के लिए एक बड़ी समस्या साबित हो रही है. हर कोई चाहता है कि वह अपने मोटापे से जल्द से जल्द निजात पा ले. इसके लिए वह डाइटिंग से लेकर एक्सरसाइज तक करते हैं. बावजूद इसके उन्हें मन मुताबिक परिणाम नहीं मिलता. हम में से बहुत कम लोगों को पता है कि मोटापा कम करने के लिए आपके शरीर में ही पांच ऐसे प्वाइंट्स है जो आपके लिए मददगार साबित होंगे. आज हम आपको उन पांच प्वाइंट्स के बारे में बताने जा रहे हैं जिनकी मदद से आप मोटापा कम कर सकते हैं...

कान के सामने का हिस्सा

डॉक्टरों के अनुसार आप ईयर केनाल (कान) के सामने के हिस्से को दबाने से आपको मोटापा कम करने में मदद मिलेगी. एक शोध के अनुसार अगर आप इस हिस्से को रोजाना दो से तीन मिनट तक दबाएं तो आपको काफी फायदा महसूस होगा.

टखने के नीचे का हिस्सा

आपके घुटने या टखने के नीचे के हिस्से को दबाने से भी आपका मोटापा कम होगा.आप अपनी अंगुली और अंगूठे की मदद से इस हिस्से को रोजाना एक मिनट तक दबाएं. ऐसा करने से आपका डाइजेशन ठीको होता है और आपका वजन कम होता है.

हाथ की पथेली को दबाने से

डॉक्टरों के अनुसार आप अगर मोटापा कम करना चाहते हैं तो आपको अपने हाथ की हथेली पर अंगूठे के पास ऊभरे हिस्से को दबाना चाहिए. आप रोजाना इस हिस्से को कम से कम दो मिनट तक दबाएं. ऐसा करने से आपका मोटापा कम होगा. आप पैर के अंगूठे के पास के हिस्से में भी ऐसा ही कर सकते हैं.

नाभी के पास के हिस्से पर

आप मोटापा को कम करने के लिए इस विधि को भी अपना सकते हैं. इसके लिए आपको नाभी से ठीक नीचे के हिस्से पर दोनों हाथ की दो-दो अंगुली से प्रेसर देना है. आप ऐसा अगले कुछ मिनट तक कर सकते हैं. ऐसा करने से भी आपका डाइजेशन सुधरेगा और आपका मोटापा कम होगा.

कोहनी के जोड़ के ऊपरी हिस्से को

आप अपने कोहनी के जोड़ के ऊपरी हिस्से को भी दबाकर अपने मोटापे पर काबू पा सकते हैं. आप अपनी अंगुली से इस प्वाइंट पर पांच से सात मिनट तक प्रेसर दें. ऐसा आप दोनों हाथ पर कर सकते हैं.

देखभाल

आर्टिफिशियल ज्वेलरी का इस्तेमाल करती हैं, तो इन बातों का रखें ध्यान

आर्टिफिशियल ज्वेलरी ज्यादातर महिलाओं की पहली पसंद होती है। ऐसा इसलिए क्योंकि महिलाएं फैशन के साथ अप टू डेट रहना चाहती हैं और वह ओरिजनल के साथ संभव नहीं है।

यही कारण है कि ज्यादातर महिलाएं आर्टिफिशियल ज्वेलरी को प्राथमिकता देती हैं। लेकिन अगर आर्टिफिशियल ज्वेलरी का रख-रखाव सही से नहीं किया गया तो वह जल्द ही खराब हो जाएंगी और आप उन्हें ज्यादा दिनों तक यूज नहीं कर पाएंगी। जानिए कि आर्टिफिशियल ज्वेलरी यूज करते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

इन बातों का रखें ध्यान

- आर्टिफिशियल ज्वेलरी को रोज यूज नहीं करना चाहिए
- रोज पहनने से इसकी चमक फीकी पड़ जाती है
- आर्टीफिशियल ज्वेलरी का रख-रखाव सावधानी से करना चाहिए
- इन्हें हमेशा कॉटन, बटर पेपर, वेलवेट बॉक्स या जिप लॉक बैग में रखना चाहिए
- फैशन नेकलेस को हमेशा वर्टिकल रूप में लटका कर रखें
- आर्टीफिशियल ज्वेलरी को लंबे समय तक टिकाऊ बनाए रखने के लिए इस्तेमाल के बाद साफ करें
- ज्वेलरी हमेशा मुलायम कपड़े से साफ करें
- ज्वेलरी को अमोनिया, एल्कोहल, विनेगर या एसिड युक्त क्लीनर से साफ न करें

रेसिपी

बिना बैगन भूनें घर में ऐसे बनाएं बैगन का भरता

ऐसे बनाए

बैगन का भरता बनाने के लिए सबसे पहले बैंगन को छीलकर छोटे- छोटे टुकड़ों में काट लें
इसके बाद बैगन के टुकड़ों को पानी में डालकर रखें, जिससे वह काला न पड़े
पैन को गैस पर चढ़ाएं। गर्म होने पर इसमें तेल डालें और जीरा का तड़का लगाएं
इसके बाद हींग, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च, अदरक डालें और मसाला भून लें
मसाला भुन जाने के बाद टमाटर, लाल मिर्च पाउडर और धनिया पाउडर डालें और अच्छे से भूनें

ऐसे बनाए

जब यह अच्छे से भुन जाएं तो इसमें शिमला मिर्च डालकर मिक्स करें
इसके बाद इसमें बैगन के टुकड़े डालकर नमक डालें
सब चीजों को अच्छे से मिक्स करते हुए अच्छे से भूनें
जब बैगन में मसाला अच्छी तरह मिल जाए तो इसे ढककर 4-5 मिनट तक पकाएं
ढकने के बाद थाली पर थोड़ा पानी डाल दें।
ऐसा करने से बैगन भाप से अच्छे से पक जाएगा
पकने के बाद इसे अच्छे से मैश करके गैस बंद कर दें
इस तरह तैयार है बैगन का भरता

टोर्टीला

सामग्री

1 कप मकई का आटा
1/4 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1/4 टी-स्पून अजवायन , ऐच्छिक
2 टी-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
1/4 टी-स्पून तेल , आटा गूंथने के लिए
मकई का आटा , बेलने के लिए

विधि

मकई का आटा, लाल मिर्च पाउडर, अजवायन, 1 टी-स्पून तेल और नमक को एक बाउल में मिलाकर, गरम पानी का प्रयोग कर नरम आटा गूंथ लें। 10 मिनट के लिए रख दें। बचे हुए 1 टी-स्पून तेल का प्रयोग कर दुबारा गूंथ लें। 4 बराबर भाग में बांटकर प्रत्येक भाग को 2 प्लास्टिक शीट के बीच रखकर, 250मि.मी।(10) व्यास के गोल आकार में बेल लें। टोर्टीला को आसानी से बेलने के लिए थोड़ा सूखा आटा छिड़कें। एक तवा या कढ़ाई को उलटा रखकर गरम करें और गरम होने पर, हल्के हाथों से रोटी रखें, इस बात का ध्यान रखें कि किनारे मूड़ ना जाए ऊपरी परत पर छोटे दाग आने तक पका लें। रोटी को पलट कर और कुछ सेकेंड तक पका लें। बचे हुए आटे का प्रयोग कर 3 और रोटी बनाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**